He Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 16]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 17, 1982 (चैत्र 27, 1904)

No. 16

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 17, 1982 (CHAITRA 27, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अनग संकलन के छन में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be thed as a separate compilation)

भाग 111--खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिमुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

मघ लोक सवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनाक 19 मार्च 1982

स ए. -32014/1/80-प्रशा -11—-अध्यक्ष, मघ लाक सवा आयोग एतव्द्यारा स्थामी अधीक्षक (हाल) श्री एम एल धवन को 1-3-82 से 31-5-82 तक की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आविशा तक, जो भी पहले हो, उप नियत्रक (त. स) के एक पर तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करने हैं।

उप नियमक (त स) के पद पर श्री एम एल धवन की नियुक्ति पूर्णत तदर्थ और अस्थायी आधार पर है और उन्हें इससे उक्त ग्रेड म विलियन का अथवा यरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

कलदीप कमार अन्भाग अधिकारी कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनाक 25 मार्च 1982

स ए 32014/1/80-प्रशा -।।—इस कार्यात्य की अधि-मूचना म ए 32014/2/80-प्रशा ।। दिनाक 3-3-1982 म आशिक मशीभन करते हुए अध्यक्ष, सध लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा महादक नियमक (न स) क पद पर तदर्थ आधार एर स्थानापन्न रूप स कार्यरत कमारी सनीय हाडा को 1-3 1982 स 31-5-1982 तक की आधि के लिए अथवा आगामी आदेशा नक, जा भी पहल हो रु 1100-50-1600 के वेतनमान में सघ लोक सेवा आयाम के कार्यातय में उप नियमक (त स) के पद पर तदर्थ आगार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करन के लिए नियमक करते हैं।

2 कुमारी सताय हाडा क्ली नियक्ति पूर्णन तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें उक्त ग्रड म निनियन का अथवा निरुठना का कोई हक नहीं मिलगा।

म ए. 32012/1/81-प्रशा ।।—मघ लाक संवा अयोग की समसस्यक अधिमचना दिनाट 13 नवम्बर, 1981 के अनुक्रम में अध्यक्ष, सघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा सघ, लाक सेवा आयोग के कामालय के स्थागी उरिष्ठ अनमधान अधिकारी श्री के आर पी नायर की 192-1982 से 18-5-1982 तक की आधि के लिए अध्वा आगामी आदशा तक, जो भी पहते हो, आयोग के कार्या ग्रंथ में विश्रष कार्य अधिकारी (भा) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त करते हैं।

पी एस राणा अनुभाग अधिकारी कृते अध्यक्ष सघ तोक सेवा आयोग

(DN)---73

नर्ह दिल्ली-110011, दिनांक 15 मार्च 1982

सं. पी./2424-प्रशा. ।।।—सिम्मिलित/सीमित विभागीय परीक्षा, 1980 के आधार पर उनके लाख विभाग के लिए नामित हो जाने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स. से. के अनुभाग अधिकारी श्री चिरजी लाल लांगायन को 15 मार्च, 1982 के अपराहन से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से कार्यभार मुक्त किया गया है।

विनांक 18 मार्च 1982

सं० ए० 32014/1/82-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग में के० स० स्टें० से० के निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयिवितक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा नीचे निर्दिष्ट तारीखों से पूर्णतः ग्रनंतिम, ग्रस्थायी ग्रौर तद्दर्थ ग्राधार पर उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयिवितक सहायक (के० स० स्टें० मे० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

ऋ० सं०	नाम	प्रवधि	विशेष कथन
1.	श्री एच० सी० कटोच		पक्षों को श्रस्थायी रूप से पदावनत
2.	श्री टी० ग्रार० शर्मा	—वह ी —	 वही- -
3.	श्री श्याम प्रकाश	व ही- 	परिणामी शृंखला- बद्ध रिक्ति में

2. उपर्युक्त व्यक्ति श्रवगत करलें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (कें ० स० स्टें ० से ० के ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तवर्थ श्राधार पर है श्रीर उन्हें इससे के ० स० स्टें ० से ० के ग्रेड ख के पद पर विलियन का सथा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा ।

य० रा० गांधी भ्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा भ्रायोग

गृह मंत्रालय

का. एवं प्र. शु. विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1982

सं ए -19036/23/78-प्रशा -5--जित्तर प्रदेश पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति श्री अभय शंकर, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं दिनांक 12-3-1982 (अपराह्न) से उत्तर प्रदेश सरकार की वापस सींप दी गई हैं।

दिनांक 26 मार्च 1982

- सं. ए.-20023/3/80-प्रशा.-5---श्री लितित कूमार, लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी. आहें. यू. (हैं.-।) को दिनाक 15-3-1982 के अपराहन से जम्मू एवं कश्मीर सरकार की वापस सींपी जाती है।
- सं. ए.-19036/2/82-प्रशा.-5—निद्देशक, केन्द्रीय अन्येषण ब्यूरो एवं पृलिस महानिरीक्षक, विशेष पृलिस स्थापना अपने प्रसाद से उडीमा राज्य पृलिस के अधिकारी श्री काली प्रसाद मिश्र, उड़ीसा पुलिस सेवा, को दिनांक 17-3-82 के अपराहन से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में प्रति-नियुक्ति पर स्थानापन्न पृलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर. एस. नागपाल प्रज्ञामनिक अधिकारी (स्था.) केंन्द्रीय अन्वेषण ब्यूर्≹

महानिदशालय केन्द्रीय रिजर्व प्लिस बल

नर्ष दिल्ली-110022, विनांक 25 मार्च 1982

- सं ओ दो 1467/80-स्था.—-राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. कन्डू कोमय्या जी डी. ओ. ग्रेड-।। (कम्पनी कमाण्डर/डी. वार्ड, एस. पी.) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल से विनांक 9-3-82 के पूर्वीहन से कार्यभार मुक्त कर दिया है।
- सं. ओ. दो. 1716/82-स्थापना—महानिद्देशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (क्मारी) स्नेह लता को 11-3-82 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियम्ति नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप मे नियुक्त किया है।

दिनांक 26 मार्च 1982

- मं. ओ. वो.-1323/76-स्थापना—-राष्ट्रपति, श्री संतीस सिंह, को. रि. पु. बन को उप-पुनिस अधीक्षक को स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने को को. रि. पु. बन को रून 43 (डी) में दी गई कोन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृति भेजने के अन्तर्गत मंजूरी दोते हैं।
- 2. श्री लोहानी ने उप-पुलिस अधीक्षक, 2 सिगनल वाहिनी, को. रि. पू. बल के पद का कार्यभार दिनांक 1-3-1982 (पूर्वाष्ट्रन) को त्याग दिया।
- सं. ओ. वो. 28/77- Estt. (सी. आर. पी. एफ.)--शी एम. सी. विद्यार्थी, भारतीय पुलिस सेवा अधि-कारी ने मध्य प्रदेश में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 20-3-1982 अपराहन से केन्द्रीय पुलिस बल के उपमहानिरीक्षक, नर्द विल्ली के पद का कार्यभार छोडा।

दिनांक 27 मार्च 1982

मं. ओ. दो. 31/76-स्थापना—श्री आर. को. त्रिवंदी, भारतीय पुलिस संवा अधिकारी ने पिरचम बंगाल में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 20-3-1982 अपराहन से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस

बल के उपमहानिरीक्षक, कलकत्ता के पद का कार्यभार छाड़ा।

> ए. के. सूरी महायक निद्धिक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 मार्च 1982

म० 11/102/79-प्रणा० I (1)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीश्व 9-7-1981 की समसंख्याक ग्रिधसूचना के ग्रानुक्रम में, निम्निलिखिन सहायक निर्देशक जनगणना कार्य (तकनीकी) की, उनके नामों के समक्ष दिशत कार्यालयों में उप निर्देशक जनगणना कार्य के पद पर पदोन्नित द्वारा पूर्णतः श्रस्थाई श्रीर तद्वर्य ग्राधार पर नियुक्ति की श्रवधि को विद्यमान णर्तों के श्रधीन तारीख 31 मई, 1982 तक की श्रीर श्रविध के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, इनमें जो भो श्रविध कम हो, सहर्प बढ़ाते हैं:—

			رے کا انہ سے بہ جو اس بہ بھی انہ انہ ہے۔ سے بہ ہے
ऋम	ग्रधिकारी का नाम		कार्यालय का नाम जहां
सं०			कार्यरत है
1	2		3
1.	श्री श्रो० पी० णर्मा		भारत के महापंजीकार का
2.	श्री एम० पंचापकेशन		कार्यालय, नई दिल्ली जनगणना कार्य निदेशालय,
3.	श्री एस० पी० शर्मा		तमिलनाडु, मद्रास जनगणना कार्य निदेशालय, ग्रण्डमान श्रौर निकोबार
			द्वीप समूह, पोट ब्लेश्नर
4.	श्री भ्रार० पी० तोमर		जनगणना कार्य निदेशालय, पंजाब, चण्डीगढ़
5.	श्री एम० के० स्नाहुजा		भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली
6.	श्री वी० पी० रस्तोगी	•	भारत के महापंजीकार का फार्यालय नई दिल्ली
7.	श्री ए० के० बिश्वाम	•	जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना
8.	श्री ए० पीर्थ .	٠	जनगणना कार्य निदेशालय, श्रमम, गोहाटी
9.	श्री वाई० जी० कृष्णमूर्ति		जनगणना कार्य निदेशालय,
10.	श्री श्रार० के० सिह्		म्राध्न प्रदेश, हैदराबाद जनगणना कार्य निदेशालय,
11.	श्री एस० पी० ग्रोवर		पंजाब, चण्डीगढ़ जनगणना कार्य निदेशालय,
12.	श्री राम सिह		पंजाब, चण्डीगढ़ जनगणना कार्य निदेशालय,
1 3.	श्री डी० एन० महेश		मध्य प्रदेश, भोषाल जनगणना कार्य निदेशालय, राजस्थान, जयपुर

1 2	3
14. श्री एस० सी० सक्सेना	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली
15. श्री भ्रजीत सिंह	जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, ृलखनऊ
16. श्री एम० नगप्पन	जनगणना कार्य निदेशालय, तमिलनाडु, मद्रास
17. श्री फूल मिह	जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, ल ख नऊ
18. श्री ग्रार के० भाटिया	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली
19. श्री ए० के० दत्ता	जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता
20. श्री म्रार० बी० सिंह	जनगणना कार्य निदेणालय, बिहार, पटना
21. श्री एच० एल० कल्ला	जनगणना कार्य निदेशालय, जम्मू श्रोर कश्मीर, श्रीनगर
22. श्री के० एस० डे	जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता
23. श्री डी०पी० खोबड़ागड़े	जनगणना कार्ये निदेशालयः, महाराष्ट्र, बम्बई
24. श्री एस० के० स्वैन	जनगणना कार्य निदेशालय, उड़ीसा, कटक
25. श्री बी० सत्यनारायण	जनगणना कार्य निदेशालय श्रान्ध्र प्रदेश, {हैदराबाद

सं० 11/102/79-प्रशा०-I (2)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 9-7-1981 की समसंख्यांक ग्रिधिसूचना के ग्रानुक्रम में निम्नलिखित सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) की, उनके नामों के समक्ष दिशित राज्यों के जनगणना कार्य निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पदोन्नति द्वारा पूर्णतः ग्रस्थाई और तदर्थ ग्राधार पर नियुक्ति की श्रवधि को विद्यमान शर्तों के प्रधीन तारीख 31 मई, 1982 तक की ग्रीर ग्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, इनमें जो भी श्रवधि कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं:—

क्रम ग्राधिकारी कानाम सं०	कार्यालय का नाम जहां कार्यारत है
1 2	3
1. श्री सी० डी० भट्ट	जनगणना कार्य निदेशालय, हिमा च ल प्रदेश, शिमला
2. श्री एस० एस० बहल	. जनगणना कार्य निदेशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़

दिनांक 25 मार्च 1982

- सं. 11/44/80-प्रशा.-।—राष्ट्रपित, इस कार्यालय की तारीख 19 जनवरी, 1982 की समसंख्यक अधिसूचना को अधिकांत करत हुए, करल सिवल संवा के अधिकारी श्री के. के. मुहम्मद को करल, त्रिवन्दर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख । जुलाई, 1981 में 30 जून, 1982 तक एक वर्ष की अविध के लिए पूर्णतः अस्थायी और तबर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।
 - 2. उनका मुख्यालय कालीकट मं हारेगा।
- 3. उनकी सेवाए नियुक्ति प्राधिकारों के विवेक पेर विना कोई कारण बताए 30-6-1982 सं पहले किसी भी समय समाप्त की जा सकती हैं।

दिनांक 27 मार्च 1982

- सं. 11/74/80-प्रशा.-।—-राष्ट्रणित, इस कार्यालय की तारीख 20 जनवरी, 1982 की समसंख्यांक अधिसूचना को अधिकान्त करत हुए, करेन्ज सिविल सवा के सेवा निवृत्त अधिकारी श्री पी. भास्करण नायर को केरल, त्रिवंद्धम में जनगणना कार्य निवृत्ति के तारीख 1 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से 30 नवम्बर, 1982 तक एक वर्ष की अविध के लिए पूर्णत: अस्थाई और सवर्ष आधार पर उप निद्शांक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करत ही।
 - 2. श्री नायर का मुख्यालय कोट्टारम में होगा।
- 3. श्री नायर की सेवाएं नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर बिना कोई कारण बताए 30-11-1982 से पहले किसी भी समय समाप्त की जा सकती है।

पी. पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

प्रतिभूति कागज कारसाना

होशंगाबाद-461 005, दिनांक 20 मार्च 1982

मं. 7(58)/135244--श्री गुरमीत सिंग, फोरमेन (उत्पादन) की स्थानापन्न रूप में दिनांक 20-3-82 के पूर्वहिन से वेतनमान रु. 840-40-1000-द. गे.-40-1200 में नियमित रूप से सहायक कार्य प्रवेन्धक के पद पर अग्निम आदेश तक नियुक्त विद्या जाता है।

श. रा. पाठक महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तया लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 मार्च 1982.

सं० 6700/ए० प्रणासन/130/78-81—निदेणक लेखापरीक्षा, रक्षा से वाएं, निम्तलिखन स्थायी प्रनुभाग अधिकारी को, उनके सामने श्रंकित तिथि से, लेखापरीक्षा अधिकारी के

स्थानापन्न	रूप	में,	ग्रागामी	भ्रादेश	तक,	सहर्ष नियुक्त	करते
हैं।						, ,	

क्रम मं०	नाम	कापलिय जहां नियुक्ति की गई है।	नियुक्ति की तिथि
सर्व	र्गश्री <i> </i> -		
1. डी	वेंक्टेश्वर	संयुक्त निदेशक, लेखा-	18-7-81
2. के	० पी० राम _ई ष्णन	परीक्षा, रक्षाः सेवाएं, दक्षिणी कमान, पूणे । संयुक्त निदेशक, लेखा- परीक्षा, रक्षाः सेवाएं,	27-2-82
9 tra	प० कें ० बोस	पूर्वी कमान, पटना ।	00 1 00
3. Q.	૧૦ ૧૧૦ લા ભ	सयुक्त निदेशक, श्रायुद्ध फैक्टरी, जबलपुर।	29-1-82
4 टी	०श्रो निवासन	सयुक्त निदेशक, लेखा- परीक्षा, रक्षा सेवाएं,	29-1-82
5. π [.]	० एत० वेदसुक्षहमन्यन	पश्चिमी कमान, मेरठ। संयुक्त निदेशक, लेखा- परीक्षा, रक्षा सेवाएं, दक्षिणी कमान, पृणे।	12-2-82

राधे<mark>ण्याम ग</mark>ुप्त संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैन्स फौक्टरियां सेवा आर्डनैन्स फौक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 22 मार्च 1982

सं. 13/ए./जी. — राष्ट्रपति महादय ने श्री छी. पी. चक्रवर्ती, स्थानापन्न ए. डी. जी. ओ. एफ. -। ग्रेड-। (मीलिक एवं स्थायी मीनियर डी. ए. डी. जी. ओ. एफ-। प्रबन्धक) को दिनांक 5वीं जनवरी, 1982 पूर्वाह्न से 3 महीनों की अविध के लिए सेवाकाल बृद्धि मज्र की।

इस कार्यालय की गजट अधिसूचना संख्या 8/ए./जी., दिनाक 24 फरवरी, 1982 एतद्द्वारा निरस्त की जाती है।

> वी. के. महता सहायक महानिदोशक, आर्डानैन्स फीक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्दात का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 18 जून 1981

विषय :--फार्मकाइन मेनुफैक्चरिंग कम्पनी, बम्बई को जारी किए गए लाइसेस संख्या पी./एस./1923951 दिनांक 6-11-1979, मृल्य 50,000/- रुपय को मृद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द करने का आदेश।

आवेश सं. 916/148039/एम. एम. आई./ए. एम.-80/ए. मृ.-2/3406--सर्वथी फार्मेकाइन मेन्फीक्चरिंग कस्पनी, 327, चस्पक लाल इन्डस्ट्रियल एस्टेंट, 105, सियोन (इस्टि), बस्बई-400022 की अप्रैल-मार्च 1980 अवधि के दौरान अन्तिम उत्पाद "भषजीय मशीनरी के लिए पंचां और डाइयां के लिए नीति पुस्तक अप्रैल-मार्च, 1980 के परिकिप्ट 7 में प्रदर्शित मदों के आयात के लिए 50,000/- रापय के लिए एक आयात लाइमास सं. पी./ एस . / 1923951, दिनाक 6-11-1979 प्रदान किया गया था। उन्होंन उपर्यावस लाइसोस की मद्रा विनिसय निगंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मृल मुद्रा विनियम नियत्रण प्रति सीमा शुल्क कार्यालय, बंबई में पंजी-कृत कराने के बाद सो गई/अस्थानस्थ हो गई है। परन्तु उसका उपयोग नही किया गया था। कल धन रुपि जिसके लिए लाइसंस जारी किया गया था 50,000/- रा. मात्र है और इसी धन राशि के लिए अनुलिपि लाइस स की आवश्यकता है।

इस तर्क के समर्थन मा आवेदको ने पंजीयक और महानगरीय दण्डाधिकारी, एस्पलेनेड कोर्ट, बम्बई द्वारा विधिवत साम्यां-कित सरकारी कारज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

मै इस बात से सत्प्ट हू िक लाइसोस मं. पी./एस./ 1923951, दिनांक 6-11-79 की मूल मुद्रा विनिमय प्रति बम्बई में पंजीकृत कराने के बाद को गई है और उसका उपयोग नहीं िकया गया था और निदंश दोता हूं िक आबदेक को उपर्यूक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियत्रण प्रति की अनुलिप जारी की जाए। लाइस स. पी./एस./1923951, विनांक 6-11-79 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है।

> एन के. जगताए, उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात **कृते** संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

अम्बर्ड-400020, दिनांक 26 नव्यस्य 1981

विषय:— मर्वश्री रोफ्रीजराशन एण्ड मशीनरी कार्पोरोशन, ब्रम्बई-40080 के नाम में जारी किए गए लाइसोम सं. पी./एम./1445180 दिनांक 23-2-1981 की सीमा श्लक प्रयोजन प्रति को रद्द करने के लिए आदोश।

आदोश सं. 1605/ए एम . -81/आट्रो/एस . आर्ड./ए. यृ -2/6452--सर्वश्री रोफ्रीजरोबन एण्ड मशीनरी कार्पोर क्षन . डा . राजिन्द्र प्रसाद रोड मलन्द (बंस्ट) , बम्बर्ष्ट-40080 को अप्रैल-मार्च, 1981 के दौरान अन्तिम उत्पाद वायर ड्रानिंग मधीनरी, रालिंग मिल इक्किप्मेन्ट ड्रा वेन्चिज, गल्बेनाइसिंग प्लान्ट के लिए अप्रैल-मार्च, 1981 की आयात नीति के अनुसार 3,63,342/- रुपए तक परिकाष्ट 7 की मदे और 1,17,950/- रुपए तक परिशिष्ट 5 की मदों का आयात करने के लिए 4,81,792/- रुपए के लिए आयात लाइमोंस सं. पी./एस./1445180 दिनोक 23-2-1981 प्रधार किया गया था। अब उन्होंने उपयुक्ति लाइमें स की अनुलिपि सीमा बल्क प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उपर्युक्त लाइमें से की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति, मीमा शल्क कार्यालय, बम्बर्झ के पास पंजीकृत कराने के पश्चात् सो गई /अस्थानस्थ हो गई है और उसका आंशिक उपयोग कर निया गया है जिस कुल मूल्य के लिए लाइसेन्स जारी किया गया था वह 4,81,792/- रापए हैं और अब कुल मूल्य जिस धनराशि के लिए अनुलिपि सीमा शूल्क प्रयोजन प्रति की जरूरत है वह 1,84,783/- रापए हैं।

इस तर्कों के समर्थन सा आयंदक ने पंजीयक, सहानगरीय मजिस्ट्रेंट, बम्बर्ड द्वारा विधिवत साक्ष्यांकित स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

में सन्तुष्ट हूं कि लाइसेस सं. पी./एस./1445180 दिनांक 23-2-1981 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति सीमा शुल्क कार्यालय, बम्बई के पास पंजीकृत कराने और उसका आशिक उपयोग करने के बाद सो गई है और आगे यह कि आवेदक को उपयुक्ति लाइसम की अनुलिप सीमा शुल्क प्रति जारी की जानी चाहिए। लाइसेन्स सं. पी./एस./1445180 दिनांक 23-2-81 का मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जानी है।

एन. के. जगताप, उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात कुसे गयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

बम्बर -400020, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

विषय :—सर्वश्री जयसिंह प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज, बंग्बई के लिए जारी किए गए 12,88.600/- रुपये के लाइसोस सं. पी./एस./1445738 दिनांक 27-6-1981 की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति को रदद करने का आवंश।

आदेश सं. 194/6275/ए. एम.-82/एस. आहू . / आटा \sqrt{r} . $\sqrt{2/6764}$ — मर्वश्री जयसिंह ज्लास्टिक इन्डस्ट्रीज, बम्बर्इ की अप्रैल-मार्च, 82 अवधि के लिए अग्रिम उत्पादों---प्लास्टिक की बनी हुई घरेलू उपयोग की वस्तुओं एवं अन्य वस्तुओं के लिए अप्रैल-मार्च, 82 की नीति-पुस्तक के परिशिष्ट-5 में दर्शाई गई मदों के आयात के लिए 12,88,600/- रउ९ए का आयात लाइमोस सं. पी./एस./1445738 दिनांक 27-6-1981 प्रदान किया गया था। अब उन्होंने उपर्युक्त लाइसंस की अनुसिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेन्स यम्बर्ड के सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराने एवं आंशिक रूप से उपयोग में लाने के पश्चात खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। कल धनराधि जिसके लिए लाइसेस जारी किया गया था, वह 12,58,600/- रुपए है और धनराधि जिसे पूरा करने के लिए अनुलिपि लाइसेन्स की आवश्यकता है वह शोष ६नराशि 12,41,257∕- रत्पए ह**ै**।

इस तर्का के समर्थन में आवंदक ने बम्बर्क के महानगरीय जिलाधीश द्वारा विधिवत साक्ष्योंकित स्टाम्प कागज पर एक अपथ-एत्र दास्तिल किया है।

में मंतुष्ट हूं कि लाइसेंस मं. पी./एस./1445738 दिनांक 27-6-81 की मूल मीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति बम्बई के सीमा-शुल्क के पास पंजीकृत कराने और आंशिक रूप से उपयोग में लाने के पहचात् को गई है और निद्येश दोता है कि आवेदक को उपयोक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जाए। लाइसेंस सं. पी./एस./1445738 दिनांक 27-6-81 की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

एन. के. जगनाप, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात् बम्बई-400020, दिनांक 8 जनवरी 1982

विष्य :--सर्वश्री रेने। कैंमिकल्स फार्माक्यूटिकल्स और कास्मै-टिक्स प्रा. लि., इम्बर्झ-400055 को जारी किए गए 52094 रु. मूल्य के लिए लाइसेंस सं. पी./ एस./1926119 दिनांक 29-10-80 के लिए सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति का निरस्तीकरण आदशे।

. सं. 353/30789/ए. एम.-81/एस. एस. आर्ड. 'ए. यू.-2--सर्वश्री रोनो कौिमकल्स फार्माक्युटिकल्स और कास्मै-दिक्स प्रा. लि., बम्बई रोनो हाउम, शान्तिनगर, वकोला साताक्रज (प्वी) बम्बई-400055 को अप्रैल-मार्च, 80 के दौरान भेषजी उत्पादों के अनिर्मम उत्पाद के लिए नीति पुस्तिका अप्रैल-मार्च के परिशिष्ट 5 में दी गई मदों के आयात के लिए 52094 रु. के लिए आयात लाइसेस सं. पी.∕ एस./1926119, दिनांक 29-10-1980 प्रदान किया गया था। अब उन्होंने सीमा श्लंक प्रयोजन प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस निवंदन किया है कि उनसे लाइसेस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति आंशिक रूप से प्रयोग में आने के बाद और सीमा शुल्क कार्यालय, बंबई में पंजीकृत कराने के बाद लो गई हैं/अधीनस्थ हो गई है। कुल राशि जिसके लिए लाइसेन्स जारी किया गया था 52094 रु. है और कुल राशि जिसके लिए अनुलिपि सीमा शल्क प्रयोजन प्रति जारी की जानी है 30976 रु. है।

आवोदक ने नियमानुसार पंजीयक महानगरीय मजिस्ट्रेट, बम्बई द्वारा विधिवत प्रमाणित स्टाम्प पेपर पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है। उन्होंने लाइमोंस में 30976 रु. के शेष से प्रदर्शित करने वाले सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता का पत्र सं. एस .. 3/2368/81 दिनांक 3-10-81 भी प्रस्त्त किया है।

में संतृष्ट हूं कि लाइसोंस सं. पी./एस./1926119 दिनांक 29-10-1980 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति बम्बई सीमा शुल्क कार्यालय में पंजीकृत कराने और आंशिक रूप से प्रयुक्त होने के बाद खो गई हैं/अस्थानस्थ हो गई हैं और निवंश देता हूं कि उपरोक्त लाइसोंस की अनुलिप सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति आवेदक को जारी की पाए।

लाइसेंस सं. पी./एस./1926119 दिनांक 29-10-80 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एतद्व्यारा रद्द की जाती \mathbf{g}^2 ।

एन. के. जगताप उप-मुख्य नियंत्रक, **कृते** संयुक्त मूख्य नियंत्रक, आयात–निर्यात

उद्योग मंत्रालय औदोगिक विकास विभाग कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनाक 25 मार्च 1982

- मं. 1/10 72-प्रशा. (जी)—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रादत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लघू उद्योग संगठन (वर्ग 1 और 2) (राजपित्रत) पदभर्ती नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्निलिसित नियम बनाते हैं, अर्थातु:—
- 1. (1) इन निगमों का संक्षिप्त नाम लघु उद्योग संगठन (वर्ग 1 और 2) (राजपत्रित) (पद भर्ती) संशोधन नियम, 1982 है।
 - (2) ये राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. लघु उद्योग संगठन (वर्ग 1 और 2) (राजपत्रित) (पद भतीं) नियम, 1982 में,--
- (1) नियम 1 के स्थान पर निम्निलिखित रखा जाएगा अर्थात्:--
 - ''(1) संक्षिप्त नाम—इन नियमों का संक्षिप्त नाम लघु उद्योग विकास संगठन [समूह ''क'' और समूह ''स'' (राजपतित्र पद)] भर्ती नियम, 1962 हैं"।
 - (2) अनुमूची 1 से 8 में ''वर्ग 2'' शब्दों और अंकों के स्थान पर, उहां कहीं वे आते हैं ''समूह क'' और ''समृह स'' शब्द और अक्षर रखे जायेंगे।
 - (3) अनुसूची 6 मो निदशिक (श्रोणी 2) के पद संबंधित मद 2 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा आएगा, अर्थात्:——

अनुसर्धाः -- 6

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीक रण	वेतनमान	चयन पद श्रथवा श्रचयन पद	सीधे भर्त्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए भ्रायु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुजेय है या नहीं।
1	2	3	4	5	6	6年
2. निर्देशक (श्रेणी 2) सामान्य प्रणासनिक प्रभाग	4	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" रजिपत्नित	1300-50-1700 रुपाग्	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधे भर्सी किए जाने वाले व्यक्तियों के ि सैक्षिक भीर अन्य भ्रहेताएं	लेए सीधे भर्ती किए जा के लिए विहित फ्राय् ग्रहेताएं प्रोप्तति की होगी या	गुप्रौर गौक्षिक दणामें लागू	की द्ववधि,यदिकोई हो
7	8	بسر غرب فرده که در فرده که ده همه همه این این به خواه این این این فرده فرده این این فرده این این این این این ا مراح	9
लागू नहीं होता		ों होता	दो वर्ष
भर्ती की पद्धित/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती किए जाने वाली नियुक्तियों की प्रतिणतना	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण या द्वारा भर्त्ती की दशा में से श्रेणियां जिनसे प्रोप्तति/प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण किया जाएगा	है तो उसकी संरचना	भर्त्ती करने में किन परिस्थि तियों में संघ लोक सेवा स्रायोग से परामर्श किया जाएगा
10	11	12	13
प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रितिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की है। (ii) प्रोन्नित कोटे का 33-1/3 प्रतिणत सामान्य प्रशासनिक प्रभाग के ऐसे उपनिदेशक जिन्होंने उस श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की है। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण 1. (क) श्रिखल भारतीय सेवा	श्रायोग पश्चिक्ष 2. डी० सी० एस० एस० श्राई० प्रस्ति एस० एस० श्राई० प्रस्ति प्रशासन प्रस्ति 3. निदेणक प्रशासन प्रस्ति 2. सम्ह "क" वि० प्रो० हिए (पुष्टि पर किचार करने के कि 1. डी० सी० एस० एस० एस० श्राई० प्रशास० प्रस्ति स्राई० प्रशास० प्रस्ति का को श्राई० प्रशास० प्रस्ति का को श्राईकत प्राहिण प्राहिण प्रस्ति का को श्राईकत प्राहिण प्राहिण प्रस्ति का को श्राधकारी प्रस्ति का को श्राधकारी प्राहिण सम्बद्धि सम्बद्धि स्रायोग के श्रावाहिण हियां संघ लोक श्रायोग के श्रावाहिण प्राहिण जाएंगी। हिया दिसंघ लोक सेवा शाह इसका श्रावाम के श	चयन करते समय संघ लोक सेवा ग्रायोग से परामर्श करना ग्रावण्यक नहीं है। इय स० ए) जित त त है भा- की सेवा नार्थ कन्तु योग रता झित संघ ह्यक्ष

टिप्पण लघु उद्योग विकास संगठन (वर्ग क और वर्ग ख) (राजपित्रत पव) भती नियम, 1962 नीचे दो गई' अधिमूचना के अनुमार मशोधित किए गए थे:—

- (क) जी. एस. आर. 69---ता. 5-11-1963
- (ख) जी. एस. आर. 1911——ता. 4-12-1963
- (ग) जी. एस. आर.—ना. 27-8-1965
- (घ) जी. एक. आर.—ता. 11-10-1965
- (ङ) जी. एस. आर.——ता. 8-6-1966
- (च) जी. एस. आर.—–ता. 18-7-1867
- (छ) जी. एस. आर. --ता. 3-10-1967
- (ज) जी. एस. आर.—-16-12-1967
- (फ) जी. एस. आर 137--ता. 22-11-1975
- (ट) **जी**. एस. आर. --ता 28-2-1977
- (ठ) जी एस. आर.—ता. 5-9-1977
- (इ) जी. एस. आर.—ना. 6-1-1978

दिनांक 27 मार्च 1982

मं. 12(364)/62-प्रशासन (राजपतित)—-राष्ट्रपति, लघु उद्योग संघ्या संस्थान, बगलीर के सहायक निद्योक, ग्रेड-1 (यांत्रिकी) श्री के. एस. कृष्णा राव को दिनांक 8 मार्च, 1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हदिराबाद में तद्दर्थ आधार पर उप निद्योक (यांत्रिकी) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 मार्च 1982

सं. 12(639)/69-प्रशासन (राजपिक्त)—सैंट ल्सिया में राष्ट्रकुल तकनीकी सहयोग निधि के अधीन राष्ट्रकुल सिचवालय में लघ् उद्योग विकास के विशिष्टिकृत विशेषक के रूप में प्रतिनियुक्ति में वापस होने पर, श्री एन. के. ए. राव ने दिनांक 18 मार्च, 1982 (पूर्वाह्न) में विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में निद्देशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) पद का कार्यभार संभाल ल्यि।

दिनांक 30 मार्च 1982

मं. 12(632)/69-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), निकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नर्द दिल्ली के सहायक निद्देशक, रेड-2 श्री ओ. सी. रिचर्ड्स को निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर विनांक 31 दिसम्बर, 1981 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति वेते हैं।

सी. सी. राय उपनिदोशक (प्रशा.)

पृति तथा निपटान महानिद्देशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नर्इ दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

मं. ए-17011/210/82-प्र.-6—महानिव शक्त, प्रिं तथा निपटान ने निव श्क पूर्ति तथा निपटान, भद्राम के कार्यालय मों किनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी श्री आई. रामचन्द्र को दिनांक 8 मार्च, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक निरीक्षण निदशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) के रूप में नियक्त कर दिया है।

> नः मः पेकमाल उप निदंशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (लान विभाग)

भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिगांक

1982

स. 2456 बी/ए- 19012 (3-टी के एम)/80-19बी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महायक रसायनज्ञ श्री टी. के. मंडल को 7-12-81 (अपराह्न) से त्याग-पत्र एक मकत किया जा रहा है।

> जे. स्वामी नाथ स्हानिद्योक

स्वाम्थ्य सेवा महानिद्योगालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1982

मं. ए-12025/3/81-(एच. क्य.)-प्रशासन-।——स्वास्थ्य सेवा महानिद्धेक ने श्री लक्ष्मीदल्त विशिष्ट को स्थास्थ्य सेवा महानिद्धेशालय, नर्ह दिल्ली में 26 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्न) से और आगामी आदेशों तक इन्डस्ट्रिलय एस्ट्रेब्लिसमेट आफिसर (स्टास) के पद पर नियुक्त कर दिशा है।

त्रिलोक **चन्द जैन** उप निद्येषक प्रशासन (ओ एण्ड एम.)

दिल्ली दग्ध योजना

नर्इ दिल्ली-8, दिनांक 15 फरवरी 1982

- मं. 3-4/81-स्था. (विशेष)--श्री मोहिन्द्र सिंह, सहायक प्रशासन अधिकारी को दि. 30-11-81 (पूर्वा.) में 6 माह को अविध या नियमित आधार पर पद भरे जाने तक इसमें जो भी पहले हो, 840-1200 रु. के वेतनमान में दिल्ली द्र्ध योजना के प्रशासन अधिकारी (ग्रूप बी राजपत्रित) के पद पर पूर्णत: तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाना है।
- सं. 4-3/81-स्था. (विषोष)——तद्दर्थ आधार पर प्रकासन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न श्री मोहिन्द्र सिंह को 840-1200 रु. के बेतनमान में प्रशासन अधिकारी (ग्रूप बी राज-पत्रित) के पद पर दिनांक 26-12-81 से अगले आदोश होने तक नियम्ति आधार पर नियक्त किया जाता है।
- सं. 4-3/81-स्था. (विशेष)—-श्री बी. डी. कोछड, सहा-यक प्रशासन अधिकारी को 840-1200 रु. के वेतनमान में दिल्ली दुग्ध योजना के प्रशासन अधिकारी (ग्रूप बी राजपत्रित) के पद पर दिनांक 29-12-1981 (अपराह्न) में अगले आदोश होने तक स्थानापन्त रूप में नियुक्त किया जाता है।

जे के. अरोरा महा प्रबन्धक

भाभा परमाण् अन्संधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

ब्म्बई-400085, विनांक 6 मार्च 1982

सं. पीए '79(4) /80 आर-।।।—नियंत्रक, भाभा परमाण् अनुसंधान केन्द्र, श्री बालकृष्ण सहाद्येव नाडक, सेलैग्रे. लिपिक

को सहायक कार्मिक अधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने होतु, इस अनुसंधान केन्द्र में 16 नवंबर, 1981 पूर्वा-ह्न से 26 फरवरी, 1982 अपराह्न तक की सम्धाविध के लिए तदर्थ रूप में नियक्त करते हैं।

> ए. शान्ताक मारा मेनोन उपस्थापना अधिकारी

परमाणु उर्ज्या विभाग (परमाण् सनिज प्रभाग)

हैदराबाद-16, दिनांक 22 मार्च 1982

सं. प स प्र-1/1/81-भर्ती--परमाणु उर्ज्जा विभाग, परमाण खनिज प्रभाग के निद्देशक एतद्द्वारा श्री द्विनेश कमार माथुर को परमाण खनिज प्रभाग में 8 मार्च, 1982 के पूर्वाहन से अगले आदर्श होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

सं. प स प्र-1/1/81-भर्ती -परमाण् उर्जा विभाग, पर-माणु खनिज प्रभाग के निविधाक एतद्द्वारा श्री सोहन बाब वर्मा को परमाण खनिज प्रभाग में 8 मार्च, 1982 के पूर्वाह्न से अरगले आदर्श होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

> म. स. राव वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, विनांक 25 मार्च 1982

सं $\cdot 05000/$ रा-152/1084—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य अधिकारी, महालेखाकार, तमिलनाडु के कार्यालय के अर्थ स्थायी विभागीय लेखाकार श्री श्रीनिवासन रामन की, भारी पानी संयंत्र (तुलीकोरिन) में 21 नवम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से आगे आवेश होने तक के लिए प्रारम्भ में 2 वर्ष की अविध के लिए स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी प्रतिनियुक्त करते ह्या

> र. च. कांटिअनकर प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाण बिजनीघर

टी.ए.पी.पी.-401504, दिनांक 25 मार्च 1982

सं. ता. प. बि. च. $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{63368}$ $\frac{1}{63368}$ मस्य अधीक्षक, तारापर परमाणु बिजलीघर, परमाणु उर्ज्जा विभाग, इसी बिजलीघर में स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' और स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियत्ता 'एस बी' श्री पी. बालकष्णन का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 22 मार्च, 1982 अपराह्न से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

सं. ता प बि घ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{865}$ $\frac{1}{71}$ $\frac{1}{1}$ माणु बिजलीयर, परमाणु ऊर्जा विभाग, इसी बिजलीयर में स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' और स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता 'एस बी' श्री के. एन. द्वे का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 18 मार्च., 1982 अपराह्न से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

पी. उण्णिकष्णन

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 26 मार्च 1982

सं स्था(1) 05407--राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम विज्ञानी श्रेणी 2 श्री एस. एस. राजगोपालन को इसी विभाग में दिनांक 29-12-1979 से मौसम विज्ञानी श्रोणी 1 को पद पर की गर्दा निदर्शन-प्रोन्ति को अनुमोदित करते हैं जबिक वह केन्द्रीय भूजलमंडल में प्रतिनिय्वित पर थे।

2. यह अधिसूचना दिनांक 5-3-1980 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रीम में जारी की जा रही है।

> एच एम चौधरी मौसम विज्ञान के उपमहानिद्देशक कार्यवाहक मौसम विज्ञान के महानिव शक

महानिद्देशक नागर विमानन का कार्यालय

नर्ह दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1982

सं. ए. 32014/4/81-**र्इ. सी.--**इस कार्यालय की विनांक 22 फरवरी, 1982 की अधिसूचना सं. 32014/4/ 81-ई. सी. में कम सं. 3 के सामने दिए गए नाम का संशोधन करते हुए श्रीबी. एन. चटर्जी के स्थाम पर श्रीबी. एन. भटटाचार्जी **एका जाए।**

> प्रेम चन्द सहायक निव शक प्रशासन कृते महानियोशक, नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक मार्च, 1982

सं० ए० 31013/2/80-ई०І--राष्ट्रपति ने निम्नलिखित भ्रधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से नागर विमानन विभाग में निदेशक संचार के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है:--

कम श्रधिकारी का नाम सं०	तारीख
 श्री एस० बलराम निदेशक संचार (योजना) 	9-2-1979
 श्री टी० एस० वैंकटरमण निदेशक संचार 	31-7-1980
(तकनीकी व ग्रनुरक्षण),	

सुधाकर गुप्ता उप निदेशक प्रशासन

नर्ह दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1982

सं. ए. 32013/5/80-इ⁵. सी.--इस विभाग की विनांक 13 अप्रील 1981 की अधिसूचना स. ए. 32013/5/80-ई. सी. के कम में राष्ट्रपति ने, श्री रिसाल सिंह की उपनिद्रशक

नियंत्रक संचार के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को और आगे 30-4-1982 तक या ग्रेड में नियमित होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दोदी है।

विरांक 29 मार्च 1982

सं. ए. 32013/10/80-ई. सी. (भाग)—-राष्ट्रपति ने श्रीटी. सी. एस. मूसद, संचार अधिकारी वैमानिक संचार स्टोशन मझास को दिनांक 12-3-1982 से छः मास की अविध के लिए विरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी पर तैनात किया है।

प्रेम चन्द सहायक निदोशक प्रशासन

विद्रेश संचार सेवा

बम्बर्घ, दिनेक 23 भार्च 1982

सं. 1/511/82-स्था.—िविदोश संचार सेवा के महा-निविदेशक एतद्द्वारा केन्द्रीय आरक्षित पुलिस बल के निरीक्षक, श्री कौलाश नाथ राय की 6 मार्च, 1982 के पूर्वाह्न से और आगामी आदोशों तक प्रतिनियुद्धित के आधार पर मुख्य कायील्य, बम्बई में स्थानापन्त रूप से मुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> पा कि गोविन्द नायर निद्याक (ऽशा) कृते सहानिद[े]शक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा श्ल्क समाहर्तालय बम्बई-II, दिनांक 27 मार्च 1982

फा० सं० $II/3/\xi-7/82$ —निम्नलिखित विरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों ने उनके पदोन्नति पर केन्द्रीय उत्पादन मुल्क समाहर्तालय बम्ब ξ -II में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क, समूह "ख" के रूप में उनके नामों के ग्रागे ग्रंकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है:—

क्रम नाम सं०	कार्यभार सम्भाल तारीख	निकी
1. श्री एन० व्ही० गोडबोले	19-12-1981	 पूर्वा०
2. श्री ग्रार० ग्रार० तिवारी	18-12-1981	भ्राप०
3. श्रीव्ही० श्रार० मन्नूर	22-12-1981	पुर्वा०
4. श्री एन० टी० जोसेफ	21-12-1981	पूर्वा०
5. श्री सी० के० मयेकर	31-12-1981	पूर्वा०
6. श्री एच० ए० गांवकर	32-12-1981	पूर्वा०
7. श्रीबी० ग्रार० चौऋषिया	8-1-1982	पूर्वा०
8. श्रीए० टी० काटे	23-12-1981	पूर्वा०

फा० सं० II/3ई०-7/82—िनम्निलिखित कार्यालय श्रधीक्षकों ने उनके तदर्थ प्रोन्निति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-II में प्रणासिनिक श्रधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग "ख"

के रूप में उनके नामों के प्रागे अंकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है :—

ऋम नाम	कार्यभार सम्भालने की
सं०	तारीख
1. श्री एस० जे० कापडने	28-12-1981 पूर्वी०
2. श्रीमती एस० व्ही० जाधव	2-1-1982 भ्रप
	- मार्व 1982

एफ. सं. ।।/3र्ছ-7/82—–श्री जी. एन. दाबको, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ग्रुप 'बी' बाम्बे-।। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, का 21 फरवरी 1982 को देहान्त हो गया।

> वी. के. गुप्सा समाहर्ता

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्परियों के रिषस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और टी. अबदुल वाहिस ठानिंग कार्पोरोक्षन प्राइविट लिमिटोड को विषय में

मद्रास, विनांक 23 दिसम्बर 1981

सं. 6545/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतक्ष्यारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीस से तीन मास के अवसान पर टी. अबवुल वाहिद ठानिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिस्टिंड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह. अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार सदास

कम्पनी अधिनियम्, 1956 और मैं. मिचल इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिभिटोड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

सं. 3122/644—कम्पनी अधिनियम्, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्य्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील से तीन मास के अवसान पर में. मिन्नल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विधित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और कम्पेनी विधित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैं. मामरा इन्ड्स्ट्रीज प्राइवेट स्मिटोड के विष्य में

नर्झ दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

सं 3205/647—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्व्वारा यह सूचना दी है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं: मामरा इन्डस्ट्रीस प्राईवेट लिम्टिंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया

गया ता रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और में. ग्रेट इण्डिया इलेक्ट्रानिक प्राइवेट लिमिटोड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनदरी 1982

सं. 3224/648—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में एसव्द्वारा यह सूचना जी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर में. छेट इण्डिया इलेक्ट्रानिक प्राइ वेट लिमिट डे का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशा न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

डी. एन. पेगू सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियमं, 1956 और मैं. लीडिंग चिटफंड एवम् फाइनेन्स प्राइविट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

मं. 4185/658—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्यारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर मैं. लीडिंग चिटफंड एवम् फाइनेन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिक्त्र कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर में काट विया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर वी जायेगी।

ह. अपठनीय सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्लो एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मै. पैरामाउण्ट इन्वेस्टमैन्ट प्रा. लिमिटोड के विषय में

नक् विल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1982

सं. 5845/2467—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धाग 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एत्व्ह्यारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं. पैरामाउण्ट इन्वेस्टमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण विश्तित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी. बी. सक्सैना सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार विल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिवकपा विट फण्ड एण्ड फाइनेन्स कम्पनी प्राइविट लिमिटोड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 23 मार्च 1982

सं. 2647/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना बी जाती है कि इस बिनांक से तीन मास के आवलान पर सिक्कपा चिट फण्ड एण्ड फाईनेंस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी आयेगी।

पी. टी. गजवानीं कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नटक

कम्पनी अधिनियम, 1956 और परम कैम्मी स्टील प्राईविट लि. के विषय में

जालंधर, दिनांक 26 मार्च 1982

सं. ीं/स्टेट/560/3565/10610—कम्पनी अधिनियमं, 1956 के भारा 560 की उपभार्य (5) के अनुसरण में एतव्द्वारा मूचना दी जाती है कि परम कैम्मी स्टील प्राईवेट लिम्टिंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

एन एन मौिनक कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रवेक एवं चण्डीगढ़

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बर्ड, दिनांक 20 फरवरी 1982

सं. एफ. 71-ए. डी. (ए. टी.)/81—— आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 255 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए आय-कर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए आय-कर अपील अधिकरण एत्व्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हा:——

- (1) ये नियम आय-कर (अपील अधिकरण) संशोधन नियम, 1982 कहे आयें गों।
 - (2) ये तुरत लागू होंगे।
- 2. आय-कर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम 33 के स्थान पर निम्न्लिमित की प्रतिस्थापित कीजिये, नामत:——

"33-अधिकरण के समक्ष प्रिक्रिया—उन मामलों, जिनमें भारतीय आय-कर अधि-नियम, 1922 की धारा 54 और/या उक्स अधिनियम की धारा 137 के प्रावधान लागू होते हैं तथा उन मामलों, जिनके सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा 138 की उपधारा (2) के अधीन अधिसूचना जारी की है, को छोड़कर अधिकरण के समक्ष की प्रक्रिया सर्व साधारण के लिए खुली रहेगी, फिर भी, अधिकरण अपने स्विविवेकानुसार यह निवंश दे सकता है कि किसी विशेष मामल में इसके समक्ष की प्रक्रिया सर्वसाधारण के लिए खुली नहीं रहेगी।"

3 आय-कर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम 34 में, उपनियम (1) के बाद, निम्नलिसित जोड़ दीजिय, नामस :---

''न्यायपीठ का गठन करने वाले सदस्य या, निवृत्तिजन्य अथवा अन्य कारण से उनकी अन्- पस्थिति की दशा में, उपाध्यक्ष या अध्यक्ष आदेश को प्रकाशन के लिए उपयुक्त बत्ला सकते हैं।

आय-कर अपील अधिकरण के आदेश से

जी. पी. वाजपेयी पंजीकार आय-कर अपील अधिकरण

बम्बर्ड, दिनांक 27 मार्च 1982

सं. एफ-48 ए. डी. (ए. टी.) 1982—श्री आर. के. घोष, सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ बम्बई, जिन्हें आय-कर अपील अधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में तदर्थ आधार एर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 6-1-1982 से एक महीने के

लिए कार्य करते रहने की अनुमति प्रवान की गयी थी., देखिये इस कार्यालय के दिनांक 7-1-1982 की अधिसूचना कमांक एफ 48-ए. डी. (ए. टी.), को अब आय-कर अपील अधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के एव पर दिनांक 6-2-1982 से और छः महीने के लिए या तब तक ज्व तक कि उक्त पद होते नियमित भर्ती नहीं की जाती, जो भी शीघृतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर ही, और यह श्री आर. के. घोष को उसी श्रेणी में नियमित, नियुक्ति के लिए कोई वाका नहीं प्रदान करोगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदक्त सेवाएंन तो। वरीवता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करोगी।

> बी. बी. पालेकर अध्यक्ष

(अन्तरक)

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर अमृतसर, दिनंक 9 मार्च 1982

निर्देश नं ए. एस. आर/81-82/408--यृतः मुक्ते, आनंद सिंह आई. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है, तथा जो कोटा बाबा दीप सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालध, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियन, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निकात में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त जिम्मिनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में स्विभा के लिए;

कतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बुधीन निक्तिलिंक्त स्थितियों, ज्याति ६——

- 1. श्री निरंजन सिंह पुत्र ठाकुर सिंह, गुरू राम दास नगर, अमृतसर।
- श्री गुरनाम सिंह पुत्र तारा सिंह, मकान नं . 3752/ पुराना 8508, गली नं . 1, कोट बाबा दीप सिंह, अमृतसर।
 (अन्तरिती)
- जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबस्थ हैं)

को यह बुचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपर के प्रकासन की तारीब बैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बर्गी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति व्वारः अधोहस्ताक्षरी के पास् सिवित में किए पा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

यनुसूची

एक मकान जो कोट बाबा दीप सिंह, अमृतसर में हैं, जैसा सेल डीड नं. 9801/21-7-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

> आनंव सिंह आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रंज, 3, चंद्रपूरी, अमृतस्र

तारीच : 9-3-1982

नोहर:

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च 1982

निवंश नं. ए. एस. आर./81-82/409—यतः मुक्ते, जानंद सिंह आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एक मकान है, तथा जो कोट बाबा दीप सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियन, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत्, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

अतः अने, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात्ः— श्री निरंजन सिंह पुत्र ठाक तुर सिंह, गुरू राम दास नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री जोगिन्द्र सिंह पृत्र तारा सिंह, मकान नं . 3752 पुराना नं . 8508, गली नं . 1, कोट बाबा दीप सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिसी)

- जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारं में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिश्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहिबत में किए का सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कोट बाबा वीप सिंह, अमृतसर में हैं, जैसा मोल डीड पं. 9802/21-7-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

> आनंद सिंह आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, 3, चंद्रपुरी, अमृतसर

ता्रींनि : 9-3-1982

प्रक्य आहे.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

जारत चरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च 1982

निद्धा नं. ए. एस. आर./81-82/410—यत म्फे, आनंव सिंह आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उन्तित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं. एक प्लाट है, तथा जो सरकालर राड़, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय,

के अधीन, तारीस जुलाई, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:——

अमृतसर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाथ या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था वा या किया जाना आहिए था छिपाने में स्तिथा के दिन्दुः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलि, खिल व्यक्तियों अधीनः—

1. श्री ए. के. भाटीया पुत्र इसर वास व श्रीमती सत्या भाटिया पत्नी लेफ्टीनेन्ट करनल सुलदेव राज, वासी दिल्ली, सफदरगंज एनकलेव।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुलदीप कौर पत्नी प्रभ शरण सिंह व प्रभ शरण सिंह पुत्र गुरबक्श सिंह, वासी (ईम्पीरीयल) होटल, जनपथ, दिल्ली।

(अन्तरिती)

जैसा उपर मं. 2 में कोई किरायदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिक्षेग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारं में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ध हैं)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तार्रीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम से भीतर जनत स्थानर संपत्ति में हितबवृष् किसी अन्य स्थानत वृषारा स्थोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अमुसूची

एक भूमि का प्लाट जो 348 व. ग. है, जो सरका्लर रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 10113/27-7-81 रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी_ सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3, चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 9-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतंसर, विनांक 9 मार्च 1982

निंदोश नं ए. एस. आर. /81-82/411---यतः मुभ्ते, आनंद सिंह आर्द. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जुकत अधिनियम' कहा गया हू"), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. कोठी नं. 104 हैं, तथा जो लारन्स रोड, वमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीस जुलाई, 1981 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तित्रक

रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की यावत, उक्स अधिनियम को अधीन कर वोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उसमें जकने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गण्धनकर अधिनियम, गण्धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निम्नतिकित अधिनत्वों, अधीनः---

- श्रीमती निर्मल महेरा पत्नी मेजर जनरल किशन चन्द महेरा द्वारा गोरी शंकर मुखतार आम, न्यू दिल्ली। (जन्तरक)
- 2. श्री विनोव कुमार सोनी पुत्र सरन दास सोनी, कोठी नं 104, लारन्स रोड, अमृतसर।
 (अन्सरिती)
- जैसा उपर सं. 2 मे कोई किरायदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)
- 4. और कोई।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्ष्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा ज्या है।

नन्त्र्ची

एक रिहायशी पोर्शन, कोठी नं 104 को लारोन्स रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं 8561/1-7-81 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> आनंद सिंह आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी तहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3, चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 9-3-1982

महरू:

प्ररूप धाई व टी • एन • एस •---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-क (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च 1982

निष्णे नं. ए. एस. आर./81-82/412—यत. सुकी, आनंद मिंह आई. आर. एस., प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रधिक है

और जिसकी मं. एक जायदाद है, तथा जो कूपर गेंड, अमतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई, 1981 को पूर्वोंक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों. अर्थात् :--

- मैंसर्स मेंहरा लाना लकी स्कीम, अमृतसर, गागर मल रोड, द्वारा राकेश लाना मेनेजिंग डाइरेक्टर। (अन्तरक)
- श्रीमती करिशना शर्मा विधवा सदन लाल शर्मा, 4 करूपर रांड, अमृतसर।

(अन्सरिती)

जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसको अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादाः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपूत्रची

एक इमारत नं. 150-151-152/13-2, जो करपर रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 9979/23-7-81 रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिह आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, 3, चंद्रप्री, अमतसर

तारीब : 9-3-1982

प्रकप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

थावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च 1982

निद्देश नं ए. एसं आर./81-82/413~-यतः मुभे, अनंद सिंह, आई. आर. एसं , अग्यंकर धिविषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की घारा 269-खं के अधोन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से धिधक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है, तथा जो कूपर रोड, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीक तो अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिक्ष किया के श्रिक्ष कर देने के श्रन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीक्ष्या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हों भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनूसरण में, में ,उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निस्नीलुखित व्यक्तियों, अधीत् ः—

 मैं: पूनम विल्उरण, रानी का बाग, अमृत्रसर द्वारा पूनम तुली, हिस्सदार फर्म।

(अन्तरक)

 श्रीमती करिशना शर्मा विधवा मदन लाउ शर्मा, 4 कपूर रोड, अमृतसुर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पर्शि हैं)
- 4. और कोई। /सर स्टिन

्रवह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणा — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जी इस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

समय जी

एक इसारत नं. 150-151-152/13-2 ओ करूपर रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डोड नं. 9227/9-7-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आईं आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक आयक्द आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3, चन्द्रपुरी, अभृतसर

तारीख : 9-3-1982

प्ररूप धार्व-टी-एन-एस---

आयकर निवित्तमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न्य (1) के घषीन सुचना

पारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 12 मार्च 1982

निविधानं. ए. एस. आर./81-82/414—यृतः सुक्ते, आनंद सिंह, आर्दः आर. एसः,

आयकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो पठानकोट में स्थि हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित् ्रै), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के खिनत नाषार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके बृश्यमान प्रतिषक से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से प्रधिक है भीर भन्तरक (अम्तरकों) भीर भन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया बवा प्रतिषक, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अम्तरण निवित में वास्तविक कप से कचित

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत; उनत अधिनियम के अधीन कर देने क अन्तरक के बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या खन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एकत खिनियम, या धन-कर खिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के सिए।

अब, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसदण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिल व्युनिल्यों, अर्थित:--

- श्रीमती सुत्रीला देवी पत्नी स्वीगीं यु डा प्रकाश भन्य महता, द्वारा चांद दिवान पत्नी निरन्द कुमार दीवान, वासी ढांगू रोड, पठानकोट। (अन्तरक)
- मेजर हरजीत सिंह ग्रोवर मार्फत कुलबीए सिंह, 44 दोद कलोनी, इन्डस्ट्रीयल एरिया, जाल्न्थर। (अन्तरिती)
- 3 जैसा उपर सं 2 में कोई किरायदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4 ं और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपृतित में हिसबद्ध हो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधीप ।--

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की घविष्ठ या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामीख से 30 दिन की अविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीलर उक्त क्वावर सम्बक्ति में द्वितवद किसी धन्य क्यक्ति द्वारा; धवोद्दक्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त पश्चिमियम' के सम्माय 20-स में परिचावित हैं, वही सर्च होगा जो उस सम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जो एक कनाल है, जो बौलतपुर, सामने पैट्रोल पम्प्, पठानकीट में है जैसा सेल डीड नं. 1299/20-7-81 रुजिस्ट्री- कर्ता अधिकारी, पठानकीट में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई ह आर प्सन् सुक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, ३, चन्द्रपृरी, अमृतुस्र

तारीख : 12-3-1982

मोहर 🛭

प्रकप् वाह्रौत दीत प्रचत प्रस्तु-=-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 मार्च 1982

निद्येश नं. ए. एस. आर./81-82/415---यतः मुफे, आनंद सिंह, आई. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी सं. भूमि हैं, तथा जो पठानकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्ठानकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे ब्लाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुन्तिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिख्ति व्यक्तित्यों, अर्थात :---

- श्रीमती सुशीला दोवी पत्नी स्वर्गीय डा. प्रकाश चन्द महता, द्वारा चांद दिवान पत्नी निरन्त्र कूमार दीवान, वासी ढांगू रोड, पठानकोट। (अन्तरक)
- मंजर हरजीत सिंह ग्रोवर मार्फत क्लदीप सिंह, 44 दोद क्लोनी, इन्डम्ट्रीयल एरिया, जालन्थर।
- 3. जैसा ऊपर सं. 2 मं कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आ़ैर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पृरिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गृथा ह¹।

वन्स्ची

भूमि जो 13 मरले हैं, जो दौलत पुर, सामने पैट्रोल पम्प, पठानकोट में हैं जैसा सेल डीड नं. 1368/29-7-81 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज, 3, चन्द्रगुरी, अमृतसर

तारील : 12-3-1982

मोहरू :

प्ररूप आह . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राँज, पूना

पूना, दिनांक 27 फरवरी 1982

निर्दोश सं. सी.ए.5/एस. आर. रोहा/अगस्त 81/579/ 81-82—यतः मुक्ते, आर. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सुआम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं. सं. नं. 101, हिस्सा नं. 2 है, तथा जो धाताव गांव, ता. रोहा, जि. कुलाबा से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्याम निबन्धक, रोहा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को प्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री प्रकाशचन्द नथमल जैन, (2) श्रीमती निर्मलबार्ड प्रकाशचन्द जैन, 530, कांचवाला इमा-रत, पांचवी मजिल, चिरा बाजार, गिरगांव पथ, मुम्बई-21

(अन्तरक)

2. कलर-कोम लिमिटोड, रिवन्द्र अनेकिस, विनशी वाच्या पथ, 194, चर्चगेट रिक्लेमेशन, मुम्बई-20 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में श्रीरभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नमुस्ची

प्रापटी जो एसर नंर 101, हिस्सा नंर 2, धाताव गांव, तार रोहा, जि. क_ुलाबा में स्थित हैं।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत यिलेख क. 199 जो अगस्त, 1981 में दुय्यम निबन्धक, रोहा के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना

तारीब : 27-2-1982

मोहर् 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------आयकर अधिनियम, 1,961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निर्देशिण) अर्जनरेज, प्ना

पूना, दिनांक 27 फरवरी 1982

निर्दाश सं. सी.ए.5/एस. आर. रोहा/अगस्त 81/580/ 81-82--यतः मुभ्ते, आर. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एस. नं.. 100, हिस्सानं 1ए हैं,, तथा जो भाताव गांव, ता. रोहा, जि. कलाबा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्यम निबन्धक, रोहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्रिंसम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पुम्ब्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्धात् :--

1. (1) श्री माणेक चंद नथमल जैन, (2) श्रीमती लक्ष्मी माणेकचंद जैन, (3) श्री हर्ष माणेकचंद जैन (अज्ञान), 530, कांचवाला इमारत, पांचवी मंजील, चिरा बाजार, गिरगांव पथ, मुम्बई-21

(अन्तरक)

2 कल्र-क्रेम लिमिटेड, रविन्त्र अनेक्सि, दिनशा वाच्या पथ, 194, चर्चगेट रिक्लमेशन, मुम्बई-20 (अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चानाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीसा से 45 विन की अविधियातत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित में दिया है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय गया है।

नुसूची

प्रापटी सं. नं, 100, हिस्सा नं 1ए, धाताव गांव, ता. राहा, जि. कालाबा में स्थित है।

(जैसा की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 200 जो अगस्त, 1981 में दुय्यम निबन्धक, राहा के दफ्तर में लिखा ही।

> आरः केः अग्रवाल सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना

तारीख: 27-2-1982

माहर 🖫

प्ररूप माइ .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, पूना

प्ना, दिनांक 27 फरवरी 1982

निवर्षेश सं. सी. ए. 5/एम. आर. रोहा सप्टे. 81/581/81-82—यतः मूर्फे, आर. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एसः नं. 96, हिस्सा नं. 1+2ए है तथा जो भाताव गांव, ताः रोहा, जि. का लाबा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, व्ययम निबन्धक, रोहा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस सप्टम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जारि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः शब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री गणेशमल नथमल जैन और 4, 530, कांचवाला इमारत, पांचवी मंजील, चिरा बाजार, गिरगांव पथ, बम्बई-2।

(अन्तरक)

2. कलर-क्रेम लिमिटोड, रिवन्द्र एनेक्सि, विनशा वाच्या पथ, 194, चर्चगेट रिक्लेमेशन, बम्बई -201 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के ग़ंबंध में कोई भी आक्ष्प :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्यायः 20-क में परिभाषितः हैं, वही अर्थहोगा जो उस अध्यायः में दिया गया है।

अनु**स्**ची

प्रापटी जो सं् नं र 16, हिस्सा नं र 1 \pm 2 $^\circ$ र धाताव गाँव,, ता. रोहा, जि. कुलाबा में स्थित है।

(जैसा की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 203 जो सप्टोम्बर, 1981 में दुप्पम निबन्धक, रोहा के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के. अभवाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आबकार आबुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पुना

तारीख: 27-2-1982

मोह्नर 🙄

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, प्ना

पूना, दिनांक 27 फरवरी 1982

निवर्षेश सं. सी. ए. 5/एस. आर.रोहा/सप्टॅ. 81/582/ 81-82---यतः म्भे, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं. एस. नं. 101, हिस्सा नं. 1 है, तथा जो भाताव गांव, ता. रोहा, जि. कलाबा मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्याम निबन्धक, रोहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सप्टोम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्सक डरयमान प्रतिकल से, एसे डरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक ही और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती '(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 रि(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिख्त व्यक्तियों अधीत्:—— (1) श्री शांतिलाल नथसल जैन, (2) श्रीमती सुमित्रा शांतिलाल जैन, (3) यासिका शांतिलाल जैन (अज्ञान), 530, कांच्याला इमारत, पांचवी मंजील, चिरा वाजार, गिरगांव पथ, बम्बई-2।

(श्रन्तरक)

 कल्र-केंग लिमिटंड, रिवन्द्र अनेक्सि, दिनशा वाच्या पथ, 194, चर्चगेट रिक्लमेशन, बम्बुई-20। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रोंक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्रापटी जो एस. नं. 101, हिस्सा नं. 1, धाताव गांव, ता. राहा, जि. कुलाबा में स्थित है। (जैसा की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 207 जो सप्टोम्बर, 1981 में दुय्यम निबन्धक, रोहा के दफ्तर में लिखा है)।

आर. के. अग्रयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना

तारीख: 27-2-1982

1 44.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पृना

प्ना, दिनांक 4 मार्च 1982

निद^{्ध}श मं. सी. ए. 5/एम. /आर. जलगांव/जालाई 81/ 598/81-82--थंत: मुफ्ते, आर. के. अरुवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की क्षारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं. शेत एस. न. 163/2 है, तथा जो मीजे मेहरुण, ता. और जिला जलगाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और एणें रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, जलगांव में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उद्मित बाजार सूल्य स काम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (सी) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंवधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जै. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाष्ट् :—— 4—26GI/82 श्री भागवत आनंदा कोल्हें और 5, 437, विट्ठल पठ, जलगांत।

(अन्तरक)

2 (1) श्री रंपाल रामदास प्राटील, (2) श्री निलकन्ठ रामदास पाटील, (3) श्री रणजीत क्रमनदास बेद, (4) श्रीमती प्रणा गरन्द्र ब्द, (5) श्री जयत गणंश पाटील, (6) श्रीमती संदािकनी रणक पाटील, (7) श्री अरुण गाविंदा महाजन, (8) श्री राजशेखर भागवत चौधरी, (9) श्री माधव गोविन्दा पाटील, रिग पथ, सभाव वाँडी, जयविजय, जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस श्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से फिर्सा व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्ति की जिसित का होत एस. मं. 163/2, मीज महरूण, ता और जिला जनगढ में स्थित ही।

(जैसे की रिज्म्हिकत विलंख क. 2855 जो जुलाई, 1981 में दायम निजयक, जलगाव के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पुना

तारी**व**: 4-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के मधीन सूचना

गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, पूना

पूना, दिनाक 4 मार्च 1982

निदाश सी ए 5/एस आर बेम्बे/जुलाई 81/599/ 81-82--यत मुभी, आर के अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन मक्षम प्राप्तिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से आधिक है और जिसकीस एफ पी न 22, टी पी एस , लोणावसा है तथा जो नोणावला भ्यन्सिपल कारिसल एरिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित **ह**ै), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, बम्बद्दे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) की अधीन, तारीख जुलाई, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम से कम के पृष्यभान प्रतिकत के लिए भग्तरित की वर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कररण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मध्य, उसके दृश्यसान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पभ्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (प्रश्वरकों) बीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्धरण के निए तथ पाया नया प्रति-फ्रेश निम्नलिश्वित उद्देश्थ से उश्त अन्तरण विवित में बास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (२) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रक्ति नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य घास्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर सिधिन नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तिरिशे हारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया स्थान जांहए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 268-व की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती रिझिया क्विसर अली, क्विस्तर अली, 61-बी, पाली हील, बान्द्रा, बम्बई-400050। (अन्तरक)
- 2 श्री बदरज्द्दीन ताहोरल्ली हलवाडवाना, 69, पाक-मोविया पथ, बम्बई-3। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्मित्त र प्रजीत के लिए कार्यवाहियां करना हु।

उबन सम्मत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मध्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वीका व्यक्तियों में स किसा व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीश्वरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दो घोर पदो का, जो उक्त धिक्षितियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है वडी श्रयं होगा जा उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो फायनल प्लाट 22, टिपि एस., लोणावला-लोणावला म्युन्सिपल कौन्सिल एरिया मे स्थित हो।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क आर. 774 जो जलाई, 1981 में दुय्यम निबन्धक, बम्बई के दफ्तर में लिखा है)।

आर के. अग्रवाल सक्षम प्रा**धिकारौ** स**हा**यक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र¹ज, पूना

तारीख 4-3-1982 मोहर . प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना

पूना, दिनांक 6 मार्च 1982

निवर्षेष् सं. पी. 5/एस. आर. करिवर/ जुलाई 81/600/ 81-82---यतः म्फे, आर. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. रि. स. नं. 208-बी, हिस्सा नं. 1/3 है, तथा जी गोक जु-शिरगांव, ता. करिवर, जि. को ल्हापूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्य्यम निबंधक, करिवर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य . उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेषय से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में धर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निरा,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:—

 श्री प्रकाश त्रिंखक गोर, गोक ल-शिरगांव, ता. करिवर, जि. कोल्हापूर।

(अन्तरक)

 श्री दावासाहाँ आकराव शिन्दो, भागिदार युनिटी मेटल वर्क्स, 2079-सी/20 भारत सहकारी गृहरचना संस्था, प्लाट नं. 46, राजाराम पुरी, 9वीं गली, कोल्हापुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श्रांस 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी कि वित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्रापटी जो रि. स. नं. 208-बी, हिस्सा नं. 1/3, गोक ल शिरगांव, तो. करविर, जि. कोल्हापूर में स्थित है। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलंख क. 2389 जो जुलाई, 1981 में दस्यम निबन्धक, करविर के दस्तर में लिखा है)।

आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारीब : 6-3-1982

प्ररूप धाई० टी • एन • एस • ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रंज, पूना

पुना, दिनांक 4 मार्च 1982

निद्धाः सं. पी 5/एस. आर. जलगांव/जुलाई 81 602/ 81-82--यतः मुभ्ते, आर. के. अग्रवाल, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रीधनियम' कहा की धारा 269-ख के प्रधीन मनम प्रधिकारी को, विष्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उबित बाजार मूहर 25,000/- धारेथे से प्रक्षित है, और जिसकी सं. रांल सं. न. 58/2 और रांल सं. नं. 58/4 है, तथा जो भीजं घंडी बुद्राक, ता. और जि. जलगांव में स्थित हैं (और इससे उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीटार्ता अधिकारी के कार्यालय, द्यम निबन्धक, जलगांत्र में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीय जुलाई, 1981 को पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रिक्तिक का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भ्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अभ्वरण के लिए ता पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखाः उडेका से उक्त ग्रन्तरमातिखित में बास्तविक एका से कथि। नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीधितिण्म के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिता में कमी करने या उससे बजने में मुखिधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसो हिमो आर या किनी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः प्रज्ञ, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:——

- (1) श्री सूपड निथु दारी, (2) श्री शंकर नथु बारी, (3) श्री नथु तापीराम बारी, विट्ठल पेठ, जलगांव। (अन्तरक)
- श्री ओमप्रकाश सिताराम अग्रवाल, भागीदार साईबाबा इंव्हलपमेन्ट कार्पीरोशन, जलगांव, 122, नवी पठ, जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाकेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविद्या जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका अवित्यों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखिन में किये जासकेंगे ।

हरब्दी तरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो छक्त अदिनियम के अध्यात 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अभूस्ची

बंती की जमीन को रोल सं. तं. 58/2 और 58/4, मौजें खंडी बुदुक, ता. और जि. जनगांव में स्थित है।

(जैंसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 2958 जो जुलाई, 1981 मो द्याम निजन्धक, जलगांव के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के. अग्रवाल सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पना

नारीस : 4-3-1982

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मेमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आएकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज, पूना

पूना, दिनांक 6 मार्च 1982

निर्देश सं. पी. 5/एस. आर. करिवर/जूलाई 81/603/81-82--यतः मुफ्ते, आर. के. अग्रवाल,

ग्रायकर ग्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिमित्यम' कहा गणा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रिषक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 67 है, तथा जो प्रतिभानगर सहकारी गृहरचना संस्था मर्यादित, कोल्हापूर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूय्यम निबन्धक, करविर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जूलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखन उद्देश्य से उभत अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त घडि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी विसी आय या किसी छन या प्रत्य धारितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या छन-कर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

। श्री विनायक दत्तात्रय लिंगनूरकर, व्वारा होमन्स, विनायक लिंगनूरकर, ए 2/23, रामबाग कालीनी, पूण-400030।

(अन्तरक)

 श्री उदय भास्करराव सूर्यवंशी, सि. स. न, 1683, ई-वार्ड, राजाराम प्री, कोल्हाप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की मर्जीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, ओ उक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहों धर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में वियागया है।

मपुत्ची

प्रापटी जो प्लाट नं. 67, प्रतिभानगर सहकारी गृहरचना संस्था मयादित, कोल्हापूर में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख के 2474 जो जुलाई, 1981 में द्याम निबन्धक करविर के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के. अग्रवाल स**क्ष्म प्राधिकारी** स**हायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन र्जा, पूना

नारीब : 6-3-1982

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

पुना, दिनांक 8 मार्च 1982

निर्देश सं पी. 5/एस आर. रोहा/जुलाई 81/604/81-82-- यतः मुभ्ते, आर के अग्रवाल, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स. स. नं. 100, हिस्सानं. 1बी है, तथा जो धाताव गांव, ता. रोहा, जि. कुलाबा मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, रोहा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपति का उपित बाजार मृत्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निःनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क्रा) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य अगस्तियों को जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 र्रं 922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे मुक्थािक लिए;

जतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री कांतिलाल नथमल जैन और 4/530, कांचवाला इमारत, पांचवी मंजिल, चिरा बाजार, पथ, बम्बई-2।

(जन्तरक)

2. मैंसर्स कलर कोम लिमिटेड, रविन्द्र अनोर्क्स, दिनशा वाच्या पथ, 194,, चर्चगेट रोक्समेशन, बम्बई-20। (अन्तरिती)

को गह सुचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविभियातत्सम्बन्धी अयक्तियों पर स्चनाकी तामिल से 30 दिन की अविधि, यो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्वाय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्रापटी जो स. नं. 100, हिस्सा नं. 1बी, धाताव गांव, ता रोहा, जि. कुलाबा में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 189 जो जुलाई, 1981 में दुय्यम निबन्धक, रोहा के दफ्तर में लिखा है।

> आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, प्ना

तारीच : 8-3-1982

प्रकृप बाई • टी • एन • एस • -----

স্থাৰকং ঘালিবিৰদ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के घंधीन सूत्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज, प्ना

पूना, दिनांक 8 मार्च 1982

निवरंश सं. पी. 5/एस. आर. रोहा/जूलाई 81/605/81-82---यतः मूक्ते, आर. के. अग्रवाल, आयकर लिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं सं नं 96, हिस्सा नं 1+2 बी है, तथा जो धाताव गांव, ता रोहा, जि कुलाबा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, रोहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया चया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अस्तरण सिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण स हुई किसी श्राय. की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी ितमा याप पातिसो धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए;

जतः प्रव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के विमुत्तरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उनकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री रतनचंद उमा नथमल जैन और 5, 530, कांच-वाला इमारत, पांचवी मंजिल, चिरा बाजार, गिरगांव पथ, बम्बई -2।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स कलर कोम लिमिटेंड, रिविन्द्र अनोर्क्स, दिनशा वाच्या पथ, 194, चर्चगेट रोक्लमेशन, बम्बई -20। (अन्तरिती)

को यह पुत्रना <mark>जारी</mark> करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>अर्जन</mark> के लिए कार्यवाहिया करता है।

अभन सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पन्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'छक्त स्रधि-नियम', के सम्याय 20-क में परिवाबित हैं, वही श्रथं, होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नक्की

प्रापटी जो स. नं. 96, हिस्सा नं. 1+2 भी,, धालाभ गांव, ता. रोहा, जि. कुलाबा में स्थित ही। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 190 जो जुलाई, 1981 में दुय्यम निबन्धक, रोहा के दफ्तर में लिखा ही)।

आर. के. अग्रवाल स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक आग्र**कर आग्रुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{ट्}ज, पुना

तारीख : 8-3-1982

मोहर 🖫

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०--

न्नामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज, पुना

पुना, दिनांक 8 मार्च 1982

निर्देश सं. पी. 5/एस. आर. अहमदनगर/ज्लाई 81/606/81-82---यतः मुक्ते, आर. के. अग्रवाल, पायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रमीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- के से पिषक है

और जिसकी सं. सि. स. नं. 353, म्यू. नं. 7291 है, तथा जो शहर अहमवनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यात्म, दुय्यम निजन्धक, अहमदनगर में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस

जुलाई, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिक्रत से प्रधिक है भीर मन्तरक (प्रस्तरकों) भीर मन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐने म्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक
क्य से किया नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण मं में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- दि अहमदनगर इमारत कम्पनी लिमिटंड प्रीमिडोन्ट-श्रीधर रागनाथ तांबोली, अहमदनगर।

(अम्तरक)

 श्री टिकमवास घनश्यामदास गुजराथी, आङ्क्ते बाजार, अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टी करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के घड्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्राध्याय में ब्रिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो सि. स. नं. 353, म्युन्सिपल नं. 7291, शहर अहमदनगर में स्थित ही।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1960 जो जुलाई, 1981 में द्य्यम निबन्धक, अहमधनगर के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन र^रज, पूना

तारील : 8-3-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना 411004 पूना 411004, दिनांक 8 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./सी. ए.-5/एस. आर. सातारा/जुलार्ड 81/608/81-82--यतः मुफे, आर. के.

अग्रवाल,

आयकर यिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की बारा 269-खें प्रजीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य .5,0 0 ए० से ग्रिधिक है

और जिसंकी सं. रि. स. नं. 66, 63/12, 63/15 हैं तथा जो मौजे करंजे तह. और जिला सातारा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, सातारा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नविश्वन उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविश्व का से कथिन नहीं कि प्राग्या है .--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बावत, उक्त श्रिक्षित्र तथम के प्रधीत कर देने के श्रन्तर के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में मुविध के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑक्नियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 5--26GI/81

 श्रीमती स्मिता शंकरराव देसाई, सातारा कैम्पे, सातारा।

(अन्तरक)

2. श्री हरीभाउर नारायण पानवल, दौलतनगर, सेवा-सेदन, सातारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्रौपटीं जो रि. स. नं. 66, 63/12, 63/15, मौजे करजे तह. और जिला सातारा में स्थित है।

(जैसा की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 1793 जो जुलाई, 1981 में द्य्यम निबन्धक, सातारा के दफ्तर में लिखा है)।

आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारीख: 8-3-1982

मोहरः

प्ररूप आहु², टी. एन , एस , ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना-411004

पूना-411004,, दिनांक 8 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्इ. ए. सी./सी. ए.-5/एस. आर. नासिक/जुलाई 81/612/81-82—स्तः मुक्ते, आर. के. अग्रवाल.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन नक्षत्र प्राध्कितरी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/ रह. से अधिक है

और जिसकी सं. सं. नं. 233-3-3 सि. सं. नं. 2588 है तथा जो दोवलाली, नासिकरोड़ जि. नासिक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हों), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दृष्यम निवंधक नासिक में,, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस जलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वान्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसमे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर व्यागनियम, १०१७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विषय जाना चाड़िए था, जिल्हा स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिमित ल्यक्तियों. उधिन श्री दिनानाथ बापुभाई तलाजिया, पुराना तंबद अली, नासिक।

(अन्तरक)

 (1) सौ. सुनिता देवी सुभाष शर्मा
 (2) श्री सुभाष सुंदर लाल शर्मा, अम्बेडकर पथ, प्रकाश होटल, नामिक रोड, जि. नासिक।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त मम्पत्ति हे अर्जन के सम्बन्ध में काई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविदेश
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय पे विथा गया हैं।

अनुसूची

प्रौपटी जो स. नं. 233-3-3 रि. स. नं. 288, देव-लाली, नामिक रोड, जि. नामिक मो स्थित हो। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 2782 जो जुलाई 1981 मों दुय्यम निबन्धक, नामिक के दफ्तर मो लिखा हो)।

> आर. के अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्स (निरक्षिण) अर्जन रॉज, प्ना

तारीक : 8-3-1982

प्ररूप आहूरं.टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. /सी. ए.-5/एस. आर. नासिक/ जुलाई 81/620/81-82—यतः मुभ्ते, आर. के. अग्रवाल, ब्रापकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके १९वालु उन्त पधिनियम ६६। गया है), की धारा 269-ख ह प्रश्रीन नयम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित से प्रधिक बाजार 25,000/- रुपए मल्य और जिसकी सं. 870/3, प्लाट नं. 21 से 25 तक है तथा जो बम्बई आगरा पथ के नजदीक, नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुप्पम निबंधक नासिक में,, रजिस्द्रीकरण अधिनिषम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

को पूर्वा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल सं, एसे द्वयमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) को बोच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंगें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात :--

 (1) श्री माधव टावजी मारु, शिवाजी पथ, नासिक शहर-1 (2) श्री टाबजी पालजी मारु (3) श्री जिवमज टाबजी मारु (4) श्री केशवजी टावजी सारु (5) श्री अरुण टाबजी मारु (6) प्रेमजी टाबजी मारु (7) प्रकाश टावजी मारु (8) रमेश टाबजी मारु सब शिवाजी पथ नासिक

(अन्तरक)

2. श्री नागेश उमानाथ भट और पांच पटना (बिहार स्टेट) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुरें।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्रीपटी जो एस. नं. 870/3, प्लाट नं. 21 सं 25 सक बम्बई आगरा पथ के नजबीक, नासिक में स्थित है। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख के. 3274 जो जुलाई 1981 में बुय्यम निबंधक, नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, पुना

तारीख : 12-3-1982

प्रक्य बार्च. दी. एन्. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभाग

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश सं. आई. ए. मी./सी. ए.-5/एस. आर. मिरज-।/जुलाई 81/620/81-82--यतः मुभ्ते, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी स. ए. नं. 19/2 है तथा जो कप्पवाड, तह. मिरज जिला संगिली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक मिरज-। में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981 को प्राधित संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपविध्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आये या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का का किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के सिए;

भ्रतः अब, उपत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

 श्री शब्बीर इस्माइल शेख कपुवाड, ता. मिरज जि. सांगली

(अन्तरक)

 सौ. आशालता अन्नासाहोब उपाथ्य कुपवाड, ता. भिरज, जि. सांग्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोत्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मम्परित में रिनब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्सूघो

प्रौपर्टी जो एस. नं. 19/2, कपुपवाङ, तह. मिरज, जिला सांगली में स्थित हैं।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृष विलेख का, 1595 जो जुलाई 1981 में दुय्यम निबंधक, मिरजा के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के. अग्रनाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

सारीस 12-3-1982 भोहर: प्ररूप झाई० टी॰ एन॰ एस॰--

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के म्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्इ. ए. सी./सी. ए. 5/एस. आर मिरज-।।/जुलार्इ 81/625/81-82—यतः मुक्ते, आर के. अग्रवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ । अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसक् उचित्र बाजार मूल्य 25,000/= हपये ने ग्रिधिक है

और जिसकी संख्या आर. एसं. नं. 238 है तथा जो मिरज, जिला सांगली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालण दुय्यम निबधक, मिरज। में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई 1981

को धूर्वोक्त सम्पत्ति के खिंचन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल ले, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल ले, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल है और अन्तरका प्रतिफत का पन्द्र पित्रित अधिक है और अन्तरका (अन्तरकों) और यन्तरियों (अन्तरित्यों) के बीच ऐमे अन्तरण के निए त्य गया गया प्रतिफत, निम्तिविति उद्देश्य से अन्त अन्तरग निखित में वास्तवित हर ने कथिय नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबन खनत ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राप या किसी बन या अन्य क्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ब्रिधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ यन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रवु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, ग्रथीत्: ---

- श्री दीलिप नारायण पटवद्र्धन और अन्यं दो, बाह्मण-पुरी, मिरजा, जिला सांगली। (अन्तरक)
- 2. श्री नारायण भैरू मंडले मालाभाग, मरज, जिला सांगली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त नम्पत्ति के अर्था हे सम्बन्ध में कोइ मी अध्यय :--

- (ह) इत स्वता , राजात में राजान की नारीख से उक्षित की यहित्र जा तत्संबंची वाक्तियों पर सूचना के तामीच से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में जमाप्त होनी हो, के नीतर होतिक स्विक्ति के किमी व्यक्ति हारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में वितबद्ध किसे अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहण्याक्षरी के तार किश् में किए ना सकेंगे।

ह्वडटोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का. जो उक्त ग्रिध-नियम के श्रध्याय 20-क मे तरिभाषित है. वहीं अर्थ होगा, जो उत्त श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रौपटी जो आर. एस. नं. 238 जिला सांगली में स्थित है। (जैसेकी रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1291 जो जुलाई 1981 में लिखी गई है)

आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, पूना

तारीख: 12-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकर भृतियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-≈ (1) को अधील सुचना

भारत सरकार

कायांस्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज्, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्वोध्य सं. आर्घ. ए. सी./सी. ए. -5/एस. आर. जल-गांव/जूलार्घ 81/628/81-82—यतः मुफ्ते, आर. के. अग्रवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. शंट गट नं. 371 है तथा जो मौजे मन्यार खंडे तह. और जिला जलगांव में स्थित है (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वुय्यम निबंधक जलगांव में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का प्रदह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण संहुई किसी आब की बाबत उकत अधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री अभयं कुमार रामचंद्र जोशी, 144, नवीं पंठ, जलगांव ।

(अन्सरक)

2: जलगांव आदोनगर कपनी बी-भूप, जलगांव भागीवार श्री दामादरन छत्तु मलवारी नेरीनाका, जिला पठ, जलगांव।

(अन्तरिःसी)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्मांत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांइ भी आक्षप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम की अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रौपटी जो घोट गेंट नं . 371, मौजे मन्यार खेडे तह . और जि . जलगांव में स्थित है।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 2211 जो जुलाई 1981 में दुय्यम निबन्धक, जलगांव के वफ्तर में लिखा है)।

आर. के. अग्रवाल् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, पुना

तारीख: 12-3-1982

प्ररूप काई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, बस्तह

बम्बर्ड, दिनाक 25 फरवरी 1982

निक्षा म ए आर -? '??08/81-8?---अत मक्ते, ए एच तेजाले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थायर मम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी स ज्लाट न 167 टीपीएम न ।।। है, तथा जो विलोपार्ल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारील 17-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड ही और मुभ्ने यह विश्वास करने के कारण ही कि यन्गपूर्वेक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिभत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तरु पाया गया प्रतिकल, निम्निलियत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में किथान नहीं किया गया ही

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधित्व में कमी करने या जसस बचले में सर्विधा के सिक्ष: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनयम, राज्य आधिनयम, राज्य आधिनयम, राज्य आधिनयम, राज्य आधिनयम, राज्य अधिनयम, रा

त्रत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिया अर्थात — श्री राजेन्द्र कातिलाल।

(अन्तरक)

१ श्री शान्तीलाल एच पद।

(अन्तरिती)

कार्यश्रह्म सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्स सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 पिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एस-879/78 और जो उप-रिजस्ट्रार, नम्बर्ड दवारा दिनाक 17-7-81 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ा, गिय तजाल मक्षम प्राधिकारी महायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-२, बम्बर्ड

तारील 25-2-1982 मोहर -- ०००० ००० विष्ट १ दे । अप्र

ाक, प्रश्निमाण, १७६ (१)का भा**४को** की असा ' च्या १ मा गार **सूचना**

मारा सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

राजन रज-2, बम्बई

तम्बर्च, दिनाक 25 फरनरी 1982

िकास ए आर -2/3212/13/81-82—अत मुक्ते, ए ए तराल, करार है। किस समें इस राज्या है। को छार 269-४ अप साधिकारा थी, महास्थात करने का अरा पा तरा पा तरा जन्म ही जिस है। के छार 269-४ अप साधिकारा थी, महास्थात करने का अरा पा तरा पा तरा जन्म है। जिस हा उचिन बाजार पूर्व 25,) ।

्रोप जिल्हार पाटन 20, एम न 8 स 13 तक ही, प्राप्त काराज्य का काराज्य के स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में रिश्त काराज्य के दिल्ला के कार्यालय, त्रा के प्राप्त की कार्यालय, त्रा के कार्यालय, का कि कार्यालय, त्रा के त्रा कार्यालय, त्रा कार्य

ने पूर्वी कर कि के उत्तादकार मन्य पे कर के सह मान निक्त के प्रमान की गए हैं और मुद्धे यह कि बास रामें के राम कि प्रमान के स्थान का किन का कि राम के राम कि स्थान के प्रमान प्रतिकाल का राम के प्रमान की स्थान स्थान प्रतिकाल का प्रमान कि कि कि स्थान के किए ना सा कि कि सिंग उत्था में अन्तरण लिखित में रामी की निवास में कि सम्मारण के कि

- ा प्रत्याण स तुई किसा आय की बाबत उक्त बाँग मा के घड़ार ४२ इन के प्रस्तरफ के दायित्व स्त्री करन या सससे बचने में सविधा के लिए
- ा कियो आप गा कियी घन या अन्य आस्तियों को के भारतीय धायकर श्रीव्यतियम, 192 (११) का 11) या उनन अग्निसियम, ग गन्कर अग्नित्यय 1957 (1957 का 27) के अभीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या शर्म या किया काल चाहिए था उन्तरें में नविधा न

अत अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिक्ति व्यक्तिया, अर्थात —

1 रामनगर ट्रस्ट न 1।

(ग्रन्तरक)

१ म्यूनिसिपल एम्प्लाइज तृप्ती को-आपरिटव्ह हाउसिग सोसायटी लि ।

(अन्तरिती)

अस्थायटी मस्वर्स। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्रन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारोख से 45 दिन कर प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 3 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क भोगर उक्न स्थावर सम्पान में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, य ग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख स एस 41/80 और जो सब-रिजस्ट्रार बम्बई दवारा दि 21-7-81 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए एच तेजाले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-2, टम्बर्ड

तारीब 25-2-1982 **मोहर**ः प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बर्ड बम्बर्इ, दिनांक 11 मार्च 1982

निदोश सं. ए. आर.-2/2001-7/81-82---अतः म्फो, स्धाकर वर्मा,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 29, एच. नं. 1 (पी. टी.) एस. नं 26 ए., एच. नं 3 है, तथा जो विलंज गुडवली, अंधरी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्णित है), रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के देशमालय, बम्बई में रिजम्द्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 21-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कश्थित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (स्त्र) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या धन्य श्रास्तियो को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 249-ग के ग्रनुसरण मं, में, उक्त अधिनिधम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के द्मधीन, निम्नसिखिन व्यक्तियों, अर्थात :--6-26GI/82

- 1. इस्ट अंधरी कां-आपरेटिय हाउसिंग सोसामटी लि.। (अन्तरक)
- 2. 'दीप सागर', बैंक आफ बड़ादा एम्प्लाइज को-आपरोटिव सोसायटी, लिमिटेंड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विषा गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की, विलेख सं. एस. 656/74 और जो उप-रिजम्हार बम्बर्ड, द्वारा दि. 21-7-81 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बह

तारीख : 11-3-1982 मोहत्रः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भाय कर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) को भारा 269-च (1) के प्रथीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 4 मार्च 1982

निदेश सं. ए. आर.-3/1999/81-82--यतः म्भे, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की घारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ह्पये से श्रधिक है और जिसकी सं. एसं. नं. 233, ओल्ड प्लाट नं. 81, सी. टी. एस. नं. 5779, न्यूप्लाट नं. 220 है, तथा जो षाटकोपर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अध्वर्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1981 को पूर्वीक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तारितयों) के बीच

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की बानत उन्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या

ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कियन

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या अन्य स्नास्त्यों की जिन्हें भारतीय ध्रयकर स्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किस गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृषिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

1. श्री पुंडलिक अर्जुन कदम।

(भ्रन्तरक)

2. मेमर्स के. के. पटोल एण्ड सन्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी स्रविध काद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि। में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:→-इसमें प्रयुक्त कथ्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्थ होगा, जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की यिलेख सं. एस.-989/81 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 13-7-81 की रिजस्टर्ड किया एया है।

सूधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन र^नज-2, बम्बर्झ

तारी**ल** : 4-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1982

निद^{*}श मं. टी. आर.-128/81-82/ण्स. एल. 604/आइ $^{\circ}$. ए. सि. एक्किजिमन रॉज-। कल.---यतः मुभ्ने, एम. अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 13 है, तथा जो कीड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-8-1981

को पूर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ट्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ट्रियमान प्रतिफल से, एसे ट्रियमान प्रतिफल का (अंतिरितयों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मो, जक्त अधिनियम की धारा 269-थ की जपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्त व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री अनिल कामार सक्सोना।

(अन्तरक)

2. श्री चमनलाल चायला।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

13 कीड स्ट्रीट, कल. -16 में अबस्थित, मकान का प्लाट नं. 5 जो 743 वर्ग फिट हैं और 26-8-81 तारिख में डीड नं. 7191 अनुसार सब रिजस्ट्रार आफ एन्बुरोन्स कल. का दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

> एमः अहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, कलकत्ता-16

नारीख: 15-2-1982

प्रकप बाई० टी • एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^पज-।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च 1982

निर्देश सं. टी. आर.-85/81-82/एस. एल. 602/ आई. ए. सी. ए. सी. क्यू. आर-।/कल.---यतः मूभे, एम. अहमद,

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन समन प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से मधिक है

और जिसकी मं. 5/1 एण्ड 6, 2 है, तथा जो सदर स्ट्रीट, एण्ड स्ट्रयार्ड लेन, कलबात्ता मा स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निजित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक क्ष से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि किसी किस के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री मथुरा नाथ संट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सिरियान बाई आलि हुसेन अहमदवली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस मूबना के राजपत में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबता के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरगः - इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त श्रिधितयम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होता, जो उस श्रष्टयाय में दिया गरा है।

भन्स्ची

5/1, 6 सदौर स्ट्रीट, कलकत्ता में 5 कट्टा, 14 छटाक, 3 वर्ग फिट जिमन पर तिन तल्ला मकान का अविभक्त 1/2 हिस्सा और 5/1, सबर स्ट्रीट, में 11 कट्टा, 15 छटाक, 42 वर्ग फिट, जिमन पर दो तल्ला मकान और 2 स्ट्रुचार्ट लंन, कलकत्ता में अबस्थित ,7 कट्टा, 2 छटाक, 2 वर्ग फिट, जिमन पर एक तल्ला मकान जो 15-7-81 तारीख में सब-रिजस्ट्रार आफ़ एन्शुरेन्स, कलकत्ता के दफ्तर में खीड नं. 5887 अनुसार रिजस्ट्रो हुआ है।

एम . अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र³ज-।, कलकत्ता-16

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के क्यीन, निम्निलित व्यक्तियों अर्थातः—

तारीय : 5-3-1982

मोहर 🖫

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 4 मार्च 1982

निर्वोध सं. रोफ .नं. 1029/ए. सी. क्यू. आर.-।।/81-82--यतः मुक्ते, एम. अहमद,

ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सञ्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

और जिसकी सं. 15 है, तथा जो सिमला स्ट्रीट, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 17-7-1981

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्प्रह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से तुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-त्रियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या,
- ्रं(खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया, था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुखिका के लिए।

अतः अवः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, प्रनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :--- 1. श्री गौर मोवन संठ और दूसरा।

(अन्तरक)

2. श्री रविन्द्रनाथ कानडा।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेर :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारीख ने 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रजीहस्ता अरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वडीकरण:—इसमें प्रयुक्त घज्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

15, सिमला स्ट्रीट, कलकत्ता, 3 कट्टा, 9 छटाक, 14 वर्ग फिट जिमन पर मकान।

एमः अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता-16

तारीख: 4-3-1982

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस.------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, कलकत्ता कलकत्ता, दिसांक 5 मार्च 1982

निद्रेंश सं. टी. आर.-89/81-82/एस. एस. नं. 603/ आर्इं. ए. सी. ए. सी. क्यू. आर.-1/कल.—-यतः मुक्ते, एम. अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 9-डी है, तथा जो गांग्ली लेन, कलकता-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ण अधिकारी के कार्यालय, कलकता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ 7-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वियित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; शीर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरणः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 . श्री गोपाल चन्द्र संट एण्ड अदर्स।

(अन्तरक)

2. श्री हनुमान वास ब्रेवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकरी के जास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9-डी, गांगुली लेन ,कलकत्ता में अबस्थित 1 कट्टा, 3 छटाक, 33 वर्ग फिट जिमन पर आंशिक, दो तल्ला और आंशिक तिन तल्ला मकान जो 7-7-81 तारीख में डीड नं. 5650 अनुमार रिजस्ट्रीर आफ एन्बुरोन्स के दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ है।

एमः अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, कलकत्ता-16

त्**री**व : 5-3-1982

मोहर 🖫

प्रस्प माई० टी॰ एन॰ एस०---ग्रापकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधील सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।।, कल्कना

कलकत्ता, दिनांक 8 मार्च 1982

निर्देश सं. $1030/\eta$. सी. क्यू. आर-।।।/81-82- यतः मभ्हे, अहमद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं. 37 है तथा जो बालीगनज ढंरास, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनिरम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 13-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य. उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐप दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्म प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक लिखिन में बास्नविक खासे कार्यन हों कि सामा है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्रथा ो बाबत उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देते के प्रस्तरक के गयित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के निए: और/या
- (ख) ऐसी किसी अग्य या किसी वा या प्रत्य अपित्यों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन कर ग्रधिनियम, या धन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निय;

भ्रतः अब, उब्त अधिनियम की छारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उब्त भ्रधिनियम की छारा 269-घ की उपधारा (1) भ्रधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री रामापति गृइस

(भ्रन्तरक)

2. श्री अमरनाथ गृहन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रवाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसर्ने प्रमुकत गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो नस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

37, बालीगनज टोरास, कलकना। 5 के.--2 सी.एच. जमीन (1/12 कंबार)।

> एमः अहमद सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जर रॉज-।।।, कलकत्ता

त्रासि : 8-3-1982

प्रकप आई० टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जर रंज-।।।, कनकना

कलकत्ता, दिनांक 8 मार्च 1982

निद^भश मं. 1031/अर्जन आर-111/81-82--यतः मुफ्री, एम. अहस्द,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में. 37 है तथा जो वालीयनज करेगस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुगूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकिस अधिकारों के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन.. तारीख 13-7-1981

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 - श्री रामापित गृहन

(अन्तरक)

2. श्रीमती शचीपति गुइन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37, वालीगनज ढोरास, कलकल्ता । 5 को.--2 सी.एच. जमीन (1/12 कोयार)।

> ्म. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रज-।।।, कलकत्ता-16

तारीस : 8-3-1982

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ृ 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 मार्च 1982

निद[े]श सं. 1032/अर्जन आर-।।।/81-82--यतः मुक्ते, एम. अहस्द,

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रधिक है

और जिसकी सं 37 है तथा जो वालीगनज ढोरास, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 13-7-1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, छोए प्रन्तरक (प्रत्यकों) थीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्रन छहेश में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक छ मे किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय यायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, अव, उक्त श्रिष्मियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, अक्त श्रिष्ठितियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निग्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्:—— 6—26GI/82 1 शीरामापित गुइन

(अन्त्रक)

2. निलनाछ गुइन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसम प्रयुक्त शब्धों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधित्यम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37, वालीगनज टोरास, कलकत्ता। 5 के.—2 सी.एच. जमीन (1/12 शेयार)।

> एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् राज-।।।, कलकत्ता-16

तारीख : 8-3-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन स्**चना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।।, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 मार्च 1982

निद^{क्ष}श सं. 1033/अर्जन आर-।।।/81-82--यतः मृभ्हे, एम. अहमद,

मायकर मिर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसको सं. 5/। डी है तथा जो दशप्रीय पार्क इस्टि, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 18-7-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष रूप स किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत:, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. (1) गीतामित्र

(2) पार्थीमञ्

2. आभा बानारजी

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

5/1 डी, दोशप्रिय पार्क इंप्ट, कलकत्ता। 5 के.—2सी.एच. जमीन्।

> एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।।।, कलकत्ता-16

त्रारीख : 8-3-1982

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रजेंज-।।।, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 मार्च 1982

निदिंश मं. 1034/अर्जन आर-।।<math>1/81-82—यतः मूर्भे, एम. अष्टमव,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से प्रधिक है,

और जिसकी सं. 28 है तथा जो रहिम उसतागर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 18-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त प्रधितियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुनिक्षा के लिए;

अतः प्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, अक्त ग्राधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:— 1. श्रीमती विना मुखारजी और बूमरा

(अन्तरक)

2. श्रीमती सनधा मुलारजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सर्कींगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो छन।
श्रिवियम के श्राध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

28, रहिम उस्तागर रोड,, कलकत्ता। 4 के.--7 सी.एच.--39 वर्ग फीट जमीन।

> एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता-16

तारील : 8-3-1982

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्ज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 8 मार्च 1982

निदर्भेश सं. 1035/अर्जन आर-।।।/81-82—यतः मुक्ते, एम. अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 9 बी है तथा जो एसप्लानंड रो इष्ट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वृणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कल गिम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण में हुई किसी धाय की बाबंत, उक्त ध्रिष्ठित्यम के घ्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उक्त धिधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतु:--- 1. राम गोपाल झाउ स्टोट (प.) लि.

(भ्रन्तरक)

2. वानबरी लाल लोहिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**ग्**स्ची

9 बी, एसप्लानेड रो इष्ट, कलकत्ता। 5 के-~15 सी. एच. जमीन पर मकान।

> एम. अहम्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज्-।।।, कलकत्ता-16

तारीख: 10-3-1982

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰एस॰----

म्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भार। 269-व (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 10 मार्च 1982

निर्दोश सं. रोफ. नं. 1036/एमीक्यू. आर.-।।।/81-82--यतः मुक्ते, एस. अहमद,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी सं. 9-सी हैं, तथा जो एमप्लानेड रो इस्ट, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनयस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से उधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उपत ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के खन्तरक के दायित्व में कमी करने वा जससे बचने में मुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिविषयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

चतः यव, उन्त मधिनियम की धारा 269-न ने मनुसरण में, में,, उन्त पिधनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

- 1. श्री राम गोपाल, साउ एस्टेंट (प्रा.) लिमिटेड। (अन्तर्रक)
- 2. श्री राम किसान, धानुका चारिटी ट्रम्ट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवीकत सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की वारी का से 45 दिन की अन्निध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी त से 30 दिन की घनिध, जो भी प्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अजोहस्ताकारी के पात लिखिन में किए जा सकेंगे।

ह्यव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, को उन्त घछि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

9-सी, एमप्लारेड रो इस्ट, कलकत्ता, 5 कट्टा, 15 छटाक, 30 वर्ग फिट जिमन पर मकान।

एमः अहस्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता-16

तारीय : 10-3-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1982

निर्दोश सं. रोफ. नं. 1037/एसीक्यू. आर.-।।।/81-82--यतः मुफ्ते, एम. अहमदः,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत मक्षत्र शांत्रिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ४० से धांधक है

और जिसकी सं. 20 है, तथा ओ क् फ़टिया रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे रिजस्ट्रीकरण अधिनयम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1981

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रित्मल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिगत अद्विक हैं और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिवियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫--- श्रीमती राबिया खातून और दूसरा।

(अन्तरक)

2. श्री सुलतान अहमद और दूसरा।

(अन्सरिसी)

को यह सूबना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त प्रमाति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस भूवना के राजन में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रपृक्त शन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वही अर्थ होगा जो उस ग्रष्टपाय में दिया गया है।

मन्स्ची

20, कुभटिया रांड, कलकत्ता, 4 बी, 7 कट्टा, जमीन पुरु मुकानु।:

> एम. अहम्द सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन गॅज-।।।, कलकत्ता-16

तारोब : 11-3-1982

मोहर 🛚

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश सं. रोफ. नं. 1038/एसीक्यू. आर.-।।।/81-82—-यतः मुक्ते, एस. अहमद,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं '

और जिसकी सं. 45 है, तथा जो चितरनजन एनिन्, कल-कत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कल-कत्ता में रजिस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 18-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से क्कने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातु:--- 1. श्री धिरोन्द्र नाथ सेट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्र दोबी बोधरा और वासरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहां अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसुची

45, चितरनजन एम्नि, कलकत्ता, 7 कट्टा, 5 छटांक, 37 वर्ग फिट जिमन पर मकान।

एमः अहसद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।४ र कलकता-16

तारीख : 12-3-1982

प्रकप आई• टी• एन• एस•---

घायकर घछिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश सं. रोफ. नं. 1039/एसीक्यू. आर.-।।।/81-82---यतः मुक्के, एम. अहस्व,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सै अधिक है

और जिसकी सं. 1-बी है, तथा को माधबदास लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 3-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्रित जाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह धिशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर धन्तरक (श्रस्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत धन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से किमन नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाधि-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रन, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, २वत प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुनिखित व्युन्तित्यों, अर्थात्:---

🕩 श्री दाराधन कानडा

(अन्तरक)

2 . शिडमुराथ साउ रामधल्ली साउ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजग्द्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर प्रशासि में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रह्मात 20 के में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

1बी, माधबदास लेन, कलकत्ता, 7 कट्टा, 3 छटांक, 33 वर्ग फिट जिमन पर मकान।

एम . अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।।।, कलकत्ता-16

तारील : 12-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सृच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।।, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1982

निद⁵श सं. रोफ. नं. 1040/एसीक्यू. आर.-111/81-82—यतः सुभ्हे, एम. अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 1बी है, तथा जो लाभ लक प्लेस, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 8-26GI/82

1. श्रीमती रानी चटर्जी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आरती गांगुली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पछ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1वी, लाभ ल्क प्लेस, कलकत्ता, 2 कट्टा, 14 छटांक, 38 वर्गफिट अभिन पर सकान।

> एम. अहमक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{क्}ज-१२१, कलकत्ता-16

सारीस : 12-3-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अरथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिशांक 12 मार्च 1982

नि**द**ेश सं. रफे नं. 1041/एक्यू.आर.-।।।/81-82--यत: म्भी, एमा. अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. है, तथा जो 58बी, पदमप्कार रोड, 34, सुबारबान स्कूल रो, कलकहा। में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्टी-क्तां अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 9-7-1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफूल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/गा
- (च) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

श्रीमती तरुलता रुद्र।

(अन्तरक)

2. श्री क्रीभर विष्वास, सोमिन विश्वास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि वां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, णो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

58बी, पद्मपुक्त्र र्नंड, (1/7) वां शियार) 34, सूबारबन स्काल रो ।

> एम. अहम्ब सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता-16

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 12-3-1982

मोहर '

प्रकृप भाई० टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राजि, हाँदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1982

मं. आर. ये. सी वं. 261 81-82—यतः भूके, एस. गोबिन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं 20 एकड़ है, तथा जो गची बवली, राजंन्द्र-नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीक्तर्ल अधिकारी के कार्यालय, रंगा-रेड्डी जिला से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शिक्षक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिक्तल से, एसे द्व्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

असः असं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती एच . शांती पृति आर होमराज, 3-4-376/11, लिंगमपल्ली, बसंत टाकीज के पिछ्ने, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 भंसर्स दी फटीलाइजर्स कार्थरिशन आफ इंडिया, एम्प्लाइज को-आपरोटीव्ह हाउजी ग सोसायटी लि., (रिजस्टर नं. टी. ए. बी. 280) संकेटरी श्री डी, लक्ष्मीनारायण, 10-104, श्रीपूरी कोलनी, मौला-आली, हौदगबाद-40।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी अयिवत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- धव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20 एकड़ भूमि, सर्व नं. 124 और 125, गचीबौंली गांव, राजेन्द्रनगर तालूक, रगारेड्डी जिला। रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 4453/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रंगारेड्डी जिला।

> एसः गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, होदराबाद

त्रासः : 4-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन राज, हाँदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च 1982

सं. आर. ये. सी. नं. 262/81-82---यतः मुक्ते, एस. गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. खुला प्लाट है, तथा जो मसाबटौन्क में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सप्टेम्बर, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तद पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्लाने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुभरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निमनलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— श्री एम एल विकट सुब्बय्या पिता श्री सक्ष्मीनारायण गुप्ता, 11/342, मेन बाभार, प्रोडाटरूर, जिला कडप्पा।

(अन्तरक)

2. डा. मोहमद शम्सूब्दीन सिद्दीकी पिता मोहमद सम्बद्धीन सिद्दीकी (जी. पी. ए. मोहम्मद बद्भु-ब्दीन सिद्दीकी), 3-4-663/36, नारायणगुडा, हैवराबाद।

(अन्ति<mark>रती</mark>)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट 650 चौ. गज, मासाब टौन्क, हाइलेव्हल, वार्ड नं. 10, बी. नं. 3, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 1925/81, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[े]ज, ह**ै**दराबाद

तारीख: 4-3-1982

मोह्रर:

प्ररूप आहुरं.टी.एन.एस.-----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 6 मार्च 1982

सं. आर. ग्रे. सी. नं. 263/81-82---यतः मुक्ते, एस. गोविन्द राजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. डी. आर. महल हैं, तथा जो थेटर, तीरुपती में म्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपति में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशात प्रधिक है और प्रम्तरक (प्रन्तरकों) और प्रम्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरक से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठित्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती भारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः ग्रव, उन्त ग्रधिनियमं की बारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डी. रामा रेड्डी पिता पेवा मूनी रेड्डी,
 (2) श्री डी. आर. पुरुषोत्तम रेड्डी,
 (3) श्री डी. आर. करुना- कर रेड्डी,
 (5) श्री डी. आर. वेन्कटादी र इडी,
 (6) श्री डी, आर. मोहन रामी रेड्डी,
 (7) श्री डी. आर. कुमारा स्वामी रेड्डी,
 (8) श्री एम. सुब्बारत्नम्मा पति सुब्बारामी रेड्डी,
 464, बंदला वीशी, तिरुपित।

(अन्तरक)

(1) श्री व्ही. वेन्कटा मुनी चंट्टी पिता वीरास्वामी चंट्टी, (2) श्री व्ही. मुनीरत्नम पिता वेन्कट मुनी चंट्टी, (3) श्रीमती व्ही. क्सूमलता पित मुनीरत्नम (4) श्री व्ही. पूरन्धर माता श्रीमती व्ही. क्सूमलता, प्रकाशम रोड, तिरुपित।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास्य लिखित में किए जा सकोंगे।

हपड्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-निवम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनु**स्य**ि

थेटर इमारत जिसका नाम डी. आर. महल है। जे. एस. नं. 132/4-5, वार्ड नं. 19, घर नं. 305/14, गोविंद-राजा पूरम, दूसरी चौट्री, तिरुपित के पास। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3509/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तिरुपित।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, हैंदराबाद

तारीख : 6-3-1982

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

बाय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हौदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1982

सं. आर. ये. सी. नं. 264/81-82--यतः मूक्के, एस. गोविन्द राजन.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है, तथा जो पेव्दा हरीजन वाडा, जीलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (स) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

बतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण को, अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीज, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—-

- डा. बी. एम. एस. नागराज पिता लेट एम. बालकृष्ण नायडु, घर नं. 14, लोको वर्क्स रोड, जवाहरनगर, मद्रास सीटी, मद्रास-600082। (अन्तरक)
- श्रीमती उज्य् इन्दीरमा पित राजबाथरा नाइड्, 10-2-2/32, दोरास्थामी आयंगार रोड, चीत्तूर, आं. प्र.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यध्योकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसूची

भूमि भाग यिस्तीर्ण 1,257 चौ . गज, सर्वे नं . 552/2बी पंद्दा हारीजन वाडे को लगकर, चीत्तूर। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं . 704[/]81, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो, चीत्तुर ।

> एस गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, हैदराबाद

तारीख : 6-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैदराबाद

हौदराबाद, दिनाक 10 मार्च 1982

आर. ये. सी. नं. 265/81-82—यतः म्फ्री, एस गोबिन्द राजन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स्थान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं. कार्यालय नं. 320 (50%) ही, तथा जो मागर विव, दोमलगंडा, होदराबाद मों स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हौदराबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वरिय से उक्ते अन्तरण निक्ति में नास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मेसर्स स्वस्तीक बील्डर्स, 1-2-524/3, दोमलगुडा, क्रवराबाद।

(अन्तरक)

 श्री पी. लक्ष्मीनारायणा पिता पी. राजय्या, 15-8-417/1, फीलखाना, हदराबाद।

(अन्सरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकाँगे।

स्पब्टीकरण: -- इसमें प्राक्त शब्दी और पर्दों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कायाभय नं 320 (50%, तीसरी मंजील, सागर विव, 1-2-524/3. दांमलगुंडा, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1218 चौ. फुट। रिजस्ट्रॉक्टन ब्लिंख नं 4789/81, रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी, हैदराबाद।

एस्. गोविन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, ह²दराबाद

तारीख : 10-3-1982

प्ररूप आद्दं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं (1) के अगीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1982

निर्दोश मं. सि. आर. नं. 62/31384/81-82/एविव./बी--यतः मुभ्ने, मंजू माधवन, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पुराना नं. 7-ए, अब 52 है, तथा जो चर्च स्ट्रीट, बंगलूर-56001 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, शिवजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 17-7-1982

को पूर्वे कित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उच्त अन्तरण शिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने उसमें बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मेसर्स के. एन. हरिक मार, के. एन. तिलक का मार, के. एन. शांतक मार और श्रीमती आम्बयित नेट्ट कालप्पा 73, सुब्बराम चेट्टी रोड़ इस वंगुडी बंगलूर-5600041।

(भ्रन्तरक)

2. मोसर्भ को. एन. हरिकुमार इनवेस्टमेन्टस (प्राइवेट) लिमिटेड, 174, सुब्बरामधट्टी रोड, बसर्वगृडी बंगलूर-5600041।

(भ्रन्तरिती)

दी प्रिन्टर्स (मैंसूर) प्राइवेट लिमिटेड, 16, महात्मा गांधी रोड, बंगलूर-560001।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (श) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ि सिखात में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(वस्तावेज सं. 1282/81-82 ता. 17-7-82) भूभि का पुराना नं. 7-ए, फिर नं. 11, अब नया नं. 52, चर्च स्ट्रीट, बंगलूर-1, जिस के पूर्व में हिगिगनसालमस प्राइवेट लिमिटोड के सम्पत्ति है, पिष्चम में लोडी तम्बु भेट्टी के सम्पत्ति है, उत्तर में 15 तथा 16, महात्मा गांधी राडि और दक्षिण में चर्च स्ट्रीट है।

मंजू माधदन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारील : 11-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1982

निर्दोश मं. सि. आर. नं. 62/31393/81-82/एक्निव./ 'बी'—-यतः मुफ्ते, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 612 है, तथा जो एच. ए. एल.-।। स्टेज, इविरानगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, शिवजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-7-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रक्ट्रत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्वरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्निलिखत उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्षेप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अतिन्तरी की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीम, निम्नलिसित व्यक्तियों, मर्थात् :—— 9—26GI/82

- श्री फिलिप्स लृविस, 381, 16वां मेन मागडी रोड, हांसहल्ली एक्सटेन्शन, बंगलूर-40। (श्रन्तरक)
- श्रीमती चार्ल्स विकटर लूबिस,, 381, 16 वां मेन मागडी रोड, हांसहल्ली एक्सटेन्शन, बंगलूर-40 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेंक्त मम्पिस्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनसची

(बस्ताविज सं, 1426/81-82 ता. 31-7-81) नं. 612, एच. ए. एल.-।। स्टोज, इंबिरा नगर, बंगलूर-38।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलूर

तारील : 11-3-1982

प्ररूप बाई .टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{-र}ज-।, अहमदाबाद

अहरदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1982

निद्देश नं. पी. आर. नं. 1712/23-1/81-82---यत. मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 85-3, प्लोट नं. 15 हैं, तथा जो केसोद, जिला जुनागढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से दिणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया, केसेद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (इन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री पटोल अरजन लठाभाई रुपारोलिया, अमरतनगर के पीछो, केसोद, जिला जुनागढ़।

(अन्तरक)

2. गोस्वामी एन्टरप्राइसीज की आंग में भागीदार श्री गोस्वामी जयसुखपरी रतनपारी, केसोद, जिला जुनागढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 5466.96 वर्ग मीटर, सर्वों नं. 85-3 प्लोट नं. 15 जो केसोद, जिला जुनागढ़ भें स्थित हैं, जिसका वर्णन केसोद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीयत नं. 690/ज्लाई, 1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीच : 23-2-1982

प्रकप आई० टी• एन० एस•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1982

निदंश न. पी. आर. नं. 1713/23-1/81-82--यतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु. सं अधिक हैं और जिसकी सं. 141-2, प्लांट नं. 10 सं 15 हैं, तथा जो एगेंड कि से सं. 141-2, प्लांट नं. 10 सं 15 हैं, तथा जो एगेंड कि से हैं, केसेंद, जिला जुनागढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, केसोद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ,तारील जुलाई, 1981 को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्ट से उक्स अन्तरण लिखित में थास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की वाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री दूर्लभजी मोहनलाल नाथपानी, एरोड्राम राड, कसोब, जिला जुनागढ़।

(ग्रन्तरक)

2. मंगलम की ओ. हा. सोसायटी लिमिटेंड की ओर मं, श्री मुरेश एम. जोषी, केमोद, जिला जुनागढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1260 वर्ग यार्ड सर्वे नं. 141-2, प्लोट नं. 10 से 15, जो एरोड्राम रोड, केसोव में स्थित है, जिसका वर्णन केसोद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीश्वत नं. 701/जुलाई, 1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 23-2-1982

प्ररूप आर्द्र.टी. एन. एस. --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुवतः (निरीक्षण) अर्जन रोजना ,अहमवाबाद

अहमवाबाद, विनांक 23 फरवरी 1982

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1714/23-1/81-82—यतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. मानंद नं. 9/200/नं. 25 हैं, तथा जो पंथली दरवाजा के बाहर, जुनागढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय 8-7-1981 को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्राप्त प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बित् में यास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;
- अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री रमेशचंद्र दीवाकरराय वैरनव की ओर सं पी. ए. एच., श्री दीवाकरराव जादवराव वैरनव, जुनागढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. में. हरस्खलाल एण्ड कम्पनी की ओर से, श्री मोहन-लाल रावजीभाई तीलवा (पटोल), जुनागढ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका क्षेत्रफल 1236-21-711 वर्ग गज है, जो जुनागढ़ में स्थित है, जिसका वर्णन जुनागढ़ रिजस्ट्रीकर्हा बिक्ही-सत न. 2185/8-7-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

नारीख : 23-2-1982

प्ररूप आइ ि टी० एन० एस० ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र⁻ज-। ,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निद्देश नं. पी. आर. न. 1715, 23-1/81-82--यतः मझं, जी. मी. गर्ग,

अगयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्व नं 248-2 है, तथा जो धलतज, जिला अहमदाबाद से स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मा और पूर्ण क्य सः वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उहमदाबाद से रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 1-7-1981

के पूर्वक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अर रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत और के बीच एसे अन्तरक (अन्तरको) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण की लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में किया के जिया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री कचराभाइ कंशवलाल बारांट, गांव थलतेज, जिला अहमवाबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री अशोक शंकरलाल शाह, श्री सुभाष शंकरलाल शाह, 13-बी, सहकार नीकॅतन सोमायटी, नवर गपुरा, अहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विस् किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित रूँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1 एकड, 13 गुठा, जो थलतेज, जिला अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकासित नं. 7208 और 7210/1-7-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारोब : 25-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज-। ,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरो 1982

निक्येश नं. पी. आर. नं. 1716/23-1/81-82—यतः मुक्को, जी. सी. गर्ग,

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं. सर्वे नं. 107-2, प्लांट नं. 5 ही, तथा जो अचीर, साबरमती अहमदाबाद मों स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ण अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीम 13-7-1981

(1908 का 16) के अधान, ताराण 13-7-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्णमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्णमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्णमान प्रतिक का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रनरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है!—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सचन में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; ग्रथीत्:~~ श्री मफतलाल नारनदास प्रजापती, साबरमतो, राम-नगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री गोविंदलाल अंबालाल शाह, अंबीकानगर, नारायन एपाट मेन्ट, साबरमती, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अविध जो भी भविध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण 1-- इसर्वे अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उमा अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फलेट जिसका क्षेत्रफल 102 वर्ग सार्ड, जो अधीर, अहमदाबाद मं स्थित हो, जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकार खत नं. 8623/13-7-81 में दिया गया हो।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीख : 25-3-1982

मोहर 🚁

प्रकम आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निवंश नं. पी. आर. नं. 1717'23-1/81-82--यतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की पं सर्वों नं 1039 है तथा जो गांध बंजलप्र जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इसफो उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-7-1981

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उध्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियो अर्थातः—

- (1) कलाजी वायुजी गांव-आंबली जिला-अहमदाबाद। (अन्तरक)
- (2) (1) श्री राजंदभार्द्य जयिकशनभार्द्य हरीवल्ल्भ (2) पारुखन जयंती लाल शाह 'गांका्ल', शाहीवाग, कीम-रांड, अहमदाबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1 एक र-36 गूंठा है सर्वो नं. 1039 जो गांद वेजलपुर, जिला-अहमदाबाद मों स्थित है जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजम्द्रीकर्ता विकिष्यत नं. 8224/4-7-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीख: 25-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-। ,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदोष्ट नं. पी. आर. नं. 1718/23-1/81-82---यतः मुक्तो, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 1040, 1041, 1043 हो। तथा जो गांव-वेजलपूर जीला-अहमदाबाद में स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से विर्णित हो); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1981

को भूबोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से एसे द्र्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ख्प से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कहे, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भुषीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री भाइ चंद भाई अमथा भाई गांव-आंबली, जिला अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) (1) श्री राजेशभाई जयिकशन भाई हरिबल्लभ (2) पारज्वेन जयतीलाल शाह 'गोकाल' साहीबाग क्रेम्प रोड़ अहमदाबाव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धीकरण: → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कर्ल क्षेत्रफल 2 एकर 0 गुंडा है, सर्वों नं. 1040, 1041, 1043, जो गंव देजलप्र जिला अहमदाबाद में स्थित है। जिसका पूरण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकी-स्त नं 8222, 8223 और 8225/ज्लाई 1981 में दिया गया है।

जो. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन र^उज-।, अहमदाबाद

तारीख : 25-2-1982

मोहरः

प्रसप बाइं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अहमवाबाद

अहमवाबाद, विनांक 25 फरवरी 1982

निद्देश नं. पी. आर. नं. 1719/23-1/81-82--अत्ः मुझे, जी. सी. गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एफ . पी. नं . 13, पैकी प्लोट नं . 8, टी. पी. एस . 6 है। तथा जो पालडी अहमदाबाद में स्थित है (आरि इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-81

को पूर्वों कत सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मित्त को उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्वत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियस के जभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--10-26GI/82

(1) श्रीमती हीरबाई पेथालाल पटोल 'राजबाई नीकेतन', कच्छ कडवा पाटीदार कोलोनी बहोरामपुरा रोड, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) जंबरग्रीन अपार्टामेन्ट ओनर्स असोसीयेशन प्रमोटर श्री असेल अमे पठान 7-लीबर्टी अपार्टामेट पी. टी. कोलेज रोड, पालंडी अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथाँकत् सम्मस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिन्यिम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 650 वर्ग यार्ड, जिपालडी अहमदाबाद में स्थित है जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजम्ट्रीक र्ता बिकी- खत नं .~8770/15-7-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र[े]ज्-।, अहमदाबाद

तारीखः : 25-2-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निविधः नं. पी. आर. नं. 1720/23-1/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, _ 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कतः अधिनियम' कहा गया ही), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 202/1/1 (0) ब्लोक नं. 326 है 3 । तथा जो गांव-बांगल, जीला-अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं); रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-7-1981 को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रजिस्ट्रफ़ुत विलेख प्रक्तिकल के लिए के श्रनसार अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सिंघ्धा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**य की उपधारा (1)** के अधीर निम्नलिखित प्राक्तियों अर्थात् :—— (1) श्री चमन लाल मन्नी लाल प्रहलाव भाई मनी लाल गांव-बाचल, जीला-अहमदाबाव।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रहलादभाई शंभुभाई पटोल श्री मंगलभाई कान-दास रचना सोसायटी, आंबावाडी, अहमदाबाद। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 29136 वर्ग मीटर, 34963 वर्ग यार्ड, जो गांव बायल में जीला-अहमदाबाद में स्थित है जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीसत नं 8530, 8529, 8526 और 8525/जुलाई 1981 में दिया गया है।

> थी. सी .गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-१, अहमदाबाद

तारीख: 25-2-1982

प्ररूप आह .टी.एन.एस.-----

भ्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 1721/23-1/81-82--अत्: मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो 546 और 547 सब प्लाट नं. 107 पैकी है। तथा जो एफ. पी. 680 वाडज अहमदाबाद में रिधत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत ग्रिष्ठिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल जिप्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य मे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के धाधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/वाः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

श्रत: प्रव, उक्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की उपधारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्याक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री गुनन्द्रभाई लालभाई शंठ कल्यान सोमायटी, अलिसब्रीज, अहमवाबाद।

(अन्तरक)

(2) शीवम को-आं-हा-सांसायटी लिमीटंड की आंर से चेरमेन-श्री नारनभाई जाइताराम, दरीयापूर पटेल सोमायटो, उस्मानपूर, अहमदाबाद।

(अन्ताप्ती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख रें। 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षणे के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण .—हसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 729.83 वर्ग मीटर, जो वाडज में स्थित है, जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्की- खर नं .4635/13-7-1981 में दिया गया है।

जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अुर्जन रौज-। , अहमदाबाध

तारीख: 25-2-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निद्देश नं. पी. आर. नं. 1722/23-1/81-82---अत्ः मुझे, जी. सी. गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 163, टी. पी. एस. 3 है तथा जो आश्रम रोड अहमदाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अक्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देष्य से उकत अन्तरण निम्नित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

> (1) षोठ श्री नवनीत लाल रनछाडे लाल चेरीट वले ट्रस्ट की ओर सें ट्रस्टी षोठ श्री नवनीत लाल रनछाडेलाल और अन्य शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

- (2) (1)पूर्णिमाबेन नवनीतलाल चेरीटेवल ट्रस्ट शाहीबाग अहमवाबाव (2) कुसुमलताबेन नवनीतलाल चेरीटेवल ट्रस्ट शाहीबाग अहमवाबाव (3) रनछोडलाल अधरतलाल चेरीटेवल ट्रस्ट शाहीबाग अहमवाबाव (4) नववीय चेरीटेवल ट्रस्ट शाहीबाग अहमवाबाव (5) राधाबेन रनछोडलाल ट्रस्ट शाहीबाग अहमवाबाव (6) वर्षाबेन विपक्तभाई चेरीटेबल ट्रस्ट शाहीबाग अहमवाबाव (7) वर्षानाचेन नवनीतलाल चेरीटेबल ट्रस्ट शाहीबाग अहमवाबाव (ह) वर्षावनाव अहमवाबाव (ह) वर्षावनाव चेरीटेबल ट्रस्ट शाहीबाग अहमवाबाव (ह) वर्षावनाव एसट शाहीबाग अहमवाबाव (ह)
- (अन्तरिती)
 (3) (1) गुजरात स्मोल इन्डस्ट्रीज कोर्पोर शन लिमिट डे, नवदीप बील्डींग अहमदाबाद (2) नवदीप चेरीट बेल ट्रस्ट अहमदाबाद-नवदीय बील्डींग अहमदाबाद (3) मोसर्स टेस्टील लिमीट डे-नवदीय बील्डींग अहमदाबाद (4) इन्डीयल आंरल कोर्पोर शन-नवदीप बील्डींग अहमदाबाद (5) आंरीयन्टल फायर एन्ड जनरल इन्सु-रन्स-नवदीप बील्डींग अहमदाबाद ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त धक्यों और पवों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यया है।

अनुसूधी

मकान जिसका क्षेत्रफल 4704 वर्ग मीटर एफ. पी. 162 टी. पी. एस. 3 जो आश्रम रोड अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकीसत नं. 318, 319, 317, 316, 322, 321, 320 और 323/जुलाई 1981 में दिया गया है।

जीं. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोजना, अहमदाबाद

तारीब : 25-2-1982

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निद्धाः नं. पी आर. नं. 1723/23-1/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं सब प्लोट नं (4) 5, टी. पी. एस. 3, हैं। तथा जो जंगीसपुर अहमवाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-7-1981

स्त्रे पूर्वों कत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे स्वयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का विष्; आर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती इन्द्रमतीबन नलीन कुमार कोलेज संट सेवीयर्स कोनेर के नजदीक नवरंगपूरा, अहमवाबाद (अन्तरक)
- (2) श्री शैलेश डोलरराय पोरोचा महाराष्ट्र सोमायटी के पीछो मीट्ठासली अहमदाबाद (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफल 636 वर्ग मीटर जो चगीसपूर अहमदाबाद स्थित है जिसका वरणन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकासित नं. 2016/6-7-1981 में दिया गया है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज्-।, अहमदाबाद

तारीख : 25-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्रंज, अहमवाबाद

अहमदाबाद, विनांक 25 फरवरी 1982

निविशेष नं. पी. आर. नं. 1724/23 - 1/81 - 82 - - अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

अरि जिसकी सं. एफ. पी. नं. 407 पैकी सब प्लोट नं. 2 है। तथा जो चंगीसपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री सुधीर साराभाई (2) श्री साराभाई गोरधन दास (3) श्री सुरोग साराभाई (4) श्री सिद्धार्थ साराभाई (5) श्री योगेश साराभाई (6) श्रीमती सुलोचना सारा-भाई चीमनलाल गीरधर दास रोड, अहमदाबाद
- (2) आनन्दां कांपींरंशन हा. सोसायटी लिमिटेड संके-टरी श्री प्रफुलचंद्र परसात्तमदास लाल बंगला के पीछे स्युनिसिपल कवार्टर, अलिसब्रीज, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 2873 वर्ग यार्ड, एफ. पी. नं. 407 जो चंगीसपुर, अहमदाबाद स्थित है तथा जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिअस्ट्रीकर्ता किकीखत नं. 4465 से 4470/3-7-1981 में दिया गया है।

श्री. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 25-2**-**1982

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अहमवाबाद

अहमदाबाद , दिनांक 25 फारवरी 1982

निद्देश नं. पी. आर. नं. 1725/23-1/81-82--अतः सुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो नं. 311/1, 311/2, 105/1, 105/2, पैकी हैं। तथा जो थनतेज जिला अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री केशव लाल बनमाली दास (2) बाब् भाई केशव लाल गाँव-बामन, तालुका कडीगा जिला महोसाना (अन्तरक)
- (2) श्री कौलास क्रमार राधाकृशन और अन्य अमरत पार्क कानारीया हाउस, अहमदाबाद

(अन्त*रिती*)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जं. थलतंज, जिली अहमदाबाद में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 13552, 13552, 10527 और 2688 वर्ग यार्ड है, जिसका पूरण वरणन इहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकासित नं. 2939/22-7-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज्-।, अहमदाबाद

तारीख: 25-2-1982

महिरः

प्ररूप ग्राई० टी• एन०एस•⊶⊸

प्रायकर प्रधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज, अहमबाबाद अहमबाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निक्षेशः नं पी. आर. नं 1726/23-।/81-82—-अतः मुक्तो, जी. सी. गर्ग,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उइन ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से ग्रधिक है

और जिसकी मं. सर्वों नं. 85-1,2,4, टी. पी. एस. 1,7 एफ. पी. गं. 12 ही। तथा जो थलतंज अहमदाबाद में स्थित ही (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही); रिजस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-7-1981 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रद् प्रतिशत ग्रधिक है और श्रन्तरंक (अन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (का) अन्तरणा हुई किया आग्राकी बाजन, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसा बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातृह्य-

- (1) श्री वास्त्वेव शान्ती लाल वेशाई और अन्य सेंट सेवियर्स कोलेज के सामने नवरंगपुरा, अहमदाबाद (अन्तरक)
- (2) त्यू नामशपार्क को-ओ-हा. सोसायटी निमिटेंड के/ ओ नकरानी रमशक्रमार हरीभाईबी-1-127 स्वी-पाक सोसायटी रन्नापार्क के नजदीक अहमवाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षी : ---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जौ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रस्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्ष री के पाम लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त प्रिवि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 18029 वर्ग मीटर, सर्वो नं. 85-1 \pm 2 \pm 4, जो थलतेज जिली अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीसत नं. 9202/127-7-81 में दिया ग्या है।

जी. सी. ग्रं सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदानाद

तारीख: 25-2-1982

प्ररूप आर्द्दा. एन . एस . ------

भायक द अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निक्का नं. पी. आर. नं. 1727/23-1/81-82-- अत्: मुभो, जी. मी. गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 1184 और 1183-2 हैं। तथा जो बेजलपुर जीना - अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालद, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1981

(1908 का 16) के अधान जूलाई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क्कं) बन्तरण से हुई किसी जाम की बावत उक्त जिंध-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--11—26GI/82

- श्री मफलभाई मगनभाई पटोल औ रअन्य गांव जोध-पुर, जीला - अहमदाबाद, (2) श्री गांडाभाई उमेद-भाई पटोल गांव जोधपुर, जीला - अहमदाबाद (अन्तरक)
- श्री सुधीरभाई चीनुभाई शाह, घरमेन श्री वीलीपभाई मोहनलाल त्रीवेदी - मेक्नेटरी हुडोसीगपीर्का को. ओ.-रा.-सोसायटी लीमीटोड क्जलपुर, जीला -अहमदाबाद

(अन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं.

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकड़ 30 गूंट्ठा और 2 एकड़ 39 गूट्ठा, सर्वो नं 1184 और 1183/2, जो बेजल-पूर जीला अहमदाबाद में स्थित है, जिसका वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकिथित नं 8506/जुलाई 1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीस : 25-2-82

-<u>--</u>-----

प्ररूप आई. टी. एन.; एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निद्देश नं. पी. आर. नं. 1728/23-1/81-82-- अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वो नं. 679 ही। तथा जो गांव सानंद जिला अहमदाबाद मों स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित ही); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-81

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित क्षाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या—अन्ध/या
- (ल) एंसी किसी आय िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब ,उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीर निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री कानीयालाल भगवानदास पटांल हाली चकाला, गांव-मानंव. जिला - यहमहाहाद

· · · -----

(अन्तरक)

2 : आशा को . ओ हा . योगायटी लिमिटोड चेरमेन-डो-प्रभाणकार हे प . पट्ट , यार्गट - जिला - अहमबाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वत्या गपन्ति को अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

जमीन जिसका क्षेत्रफल 8 एकड 25 गूंडा है जो सानंद, जिला अहमदाबाद से स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्सा विकिथित गं. 453/जलाई 1981 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अ**हमदाबाद**

तारील : 27 2-82

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदंश नं. पी. आर्. नं. 1729/23-।/81-82-- अतुः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह गिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक. पी. नं. 27 टी पी एस 26 है तथा जो वासना, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिप्ट्रीकरण अधिनियाम, 1908 (1908 का 16) के अशीन, 24-6-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित वाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रचिक्त में, उस दश्यमान प्रचिक्त का पन्द्रह प्रतिशत सं गोधार प्रचार के लिए अन्तरिती (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच उस प्रचार किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उका अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से किथा नहीं किया गया हैं --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित् व्यक्तिस्यों, स्थिति≛-=

1. श्री भरतक मार न्रोत्तमभाई और अन्य नाग्जी भंडा-रीकी पोल, मांडवीकी पोल, अहमदाबाद

(अन्तरक)

2. मोनेका अपार्टमेन्ट असोसीयेशन की ओर से चेयरमेन श्री राजेन्द्रकुमार होमराज टीकरानी हरसिद्ध चेम्बर, आश्रमरांड, अहमदाबाद सेकेटरी - हरसे लालशंकर पंडिया पी अन्ड टी कोलोनी शारआलम रांड, टोल नाफा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करंके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 760 वर्ग यार्ड, एफ. पी. नं. 27 टी. पी. एस. 26, जो वासना अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकाखित नं. 8207/24-7-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, अहमदाबाद

तारीख: 25-2-82

प्रारूप नाई. टी. एन. एस. ----भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निंदोश नं. पी. आर. नं. 1730/23-।/81-82-- अतः मुभ्के, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रापए से अधिक है

और जिसकी मं. सर्वे न. 98+99, प्रायवेट सब प्लांट नं. 4 हाँ तथा जो दानी लीमज़ा, अहमवाबाद में स्थित हाँ (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हाँ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1981 को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हाँ और मृक्षे यह विश्वास करने के कारण हाँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिकृत से अधिक हाँ और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कीथत नहीं किया गया है।:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं. जयन्तीलाल एन्ड कपनी की ओर से श्री जयंती-लाल फालाभाई पटोल चन्द्रवाडी सोसाइटी, भैरवनाथ मदिर के नज्वीक, भैरवनाथ रोड, मनीनगर ,अहम-दाबाद

(अन्तरक)

2. मुंदर्शन मील की ओर से श्री निलंश नटवरलाल मोदी रसीक चोक, ढालकी पोल, आस्टोडीया, अहमदा-

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफाल 6643 त्रग योर्ड, सर्वो नं. 98+99 जो दानी लीगडा, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकालित नं. 7150/जूलाई 1981 में दिया गया है।

जी सी गर्ग मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीव : 25-2-82

त्रुक्य जार्<u>ष्ट्री. एन्. एक्. -----</u>---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भाउत् तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फारवरी 1982

निदंश नं. पी. आर. नं. 1731/23-1/81-82--- अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यति, जिसका उज्जित बाजार मृत्य 25,000 राज्य से कि स्थावर हैं

और जिसकी सं सर्वों नं , 111/1/3 पैकी टी पी एस 23, अफ पी-67, हैं। तथा जो पैकी अचीर साबरमती अहमदाबाद मों स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं); रिजस्ट्रोकार्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-7-81

को पूर्वो वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्ति में बास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः जब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलि चित्र व्यक्तित्यों मुर्गात्र —

 श्री बुधालाल शफरालाा, (2) श्रीमती मंगीबेन बूधा-लाल शफरालाल जुना बजार, कबीर चोक के नजदीक साबरमती, अहमदाबाद-5

(अन्तरक)

2. शांतीवन ओपार्टमेन्ट की ओर से (1) रमेशचन्द्र फेशरी-मल शाह (2) श्री कमल अरजनदास जेम्बनारा, सूले-लाल सोसायटी, जवाहर चौक, साबरमती, अहमदा-बाद-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच से
 45 दिन की सर्वाभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाभ, जो भी
 अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा
- [(क)] इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अभ्य व्यक्तित व्यास अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पद्धीक दुणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 504, जो अचीर अहमदाबाद में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता किकीसत ने 9371 और 9380/29-7-81 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

तारीम : 25-2-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 25 फरवरी 1982

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1732/23-1/81-82-- अतुः मुभ्के, जी. सी. गर्ग,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनितम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो नं. 128-1, 128-2-2, सरदारनगर, सी अस नं. है। तथा जा 2219 नरोडा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1981

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बृचने में सृत्रिधा के निष्; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन्:—

 प्रलयोमन जगुमल (1) श्री कनैयालाल वलीराम (2) प्रौपदी वलीराम, गोल लीमड़ा, म्नीनगर, अहमदा-बाद।

(अन्तरक)

2. स्वामी शांतीप्रकाश अपार्ट मेन्ट को-ओ-हा-सोसायटी लीमीटेड संकेटरी - श्री रमेश मोहनदास आहुजा डी-3, मोहन हाउसीच कोर्पोर शन सांसायटी भैरवनाथ रोड, काकरीया, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्तु सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्यादित;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसु अध्याय में दिया गुया हैं।

अमुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 509, 469, 509 और 507 वर्ग यार्ड है, सर्वे नं. 128-1, 128-2-2, जो नरोडा अहमदा- बाद में स्थित है तथा जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजस्ट्री- कर्ता बिक्रीखत नं. 8726, 8271, 9078 और 9111/ जुलाई 1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजु-।, अहमदादाद

तारीख: 25-2-82

प्ररूप आह .टी. एन्. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1733/23-1/81-82--- अतः मुभ्के, जी. सी. गर्ग.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकों मं पैकी नं 113, 127/2, 130/1 हैं। तथा जो घाटलोडीया जीला - अहमदाबाद मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुभूकी मों और पूर्ण रूप से दिणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , अहमदाबाद मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1981

1908 (1908 का 16) के अधीन, ज्लाई 1981 को पूर्वेक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिरियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मों कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

श्री शंकरलाल सोर्डीदास प्रजायती (2) श्रीमेती धर्मीष्टाबेन शंकरलाल सोडीदास (3) श्री परसोत्तम-भाई असे. प्रजायती (4) श्री नटवरलाल असे. प्रजा-यती और अन्य (5) श्री भरतकामार असे. प्रजायती और अन्य 4, भाग्योदय सोसायटी, गोमतीपुर, अहमदाबाद।

(अन्सरक)

 नीतीनगर को-ओ-हा-सोसायटी लीमीटोड, गांव-रखीयाल, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 18392 वर्ग यार्ड हैं, जो घाटलोडीया अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजिस्ट्रीकार्ता बिकीमत नं. 8830, 8831, 8832, 8833, 8835 जुलाई 1981 में दिया गया है।

जी सी गर्ग मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

तारीव : 25-2-82

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निद्धा नं. पी. आर. नं. 1734/23-1/81-82-- अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. अंफ. पी. नं. 29 पैकी सब प्लोट नं. बी. पैकी हैं। तथा जो टी पी अंस 3, उम्मानपुर अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-7-81

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त- विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौद्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिति व्यक्तियों, अर्थातुः—— श्री को शपलाल लल्ल्भाई पटोल उस्मानपुर अहमदा-बाद।

(अन्तरक)

 ओरियन्ट अपार्टमन्ट को-ओ-हा-सोमायटी लीमीटंड की ओर से श्री जगदीशभाई विनायकभाई वोरा, उस्मानपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्साक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे≀

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अमुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफाल 500 वर्ग यार्ड जो उस्मानपुरा अहमदा-बाद में स्थित है, जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजस्ट्री-कर्ता किकीसत ने. 9196/81 24-7-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहारक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।, अक्षमदाबाद

तारीव : 25-2-82

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फारवरी 1982

निद्शा नं. पी. आर. नं. 1735/23-1/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 193 + 194, अफ. पी. 328, सब प्लोट नं. 10, हाँ। तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित हाँ (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हाँ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-7-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्येषयों से उक्त अन्तरण िलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय ब्बी बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में स्थमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---12-26GI/82

 संजल फैस्ट्रक्शन की ओर से भागीवार श्री मतीशचन्द्र बुदालाल शाह गीता बाग के नजदीक, पालडी, अहमदाबाद

(अन्तरक)

 श्रीमती सरोजीनी वसंत गांधी श्री वसंत जी गांधी ''उदय'', 342, घंटली रोड, थाना पी. सी. नं. 400602

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विदः की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पध्यकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, घही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लोट जिसका बना हुआ अरियाका क्षेत्रफल 111 वर्ग यार्ड हैं जो पालडी अहमदाबाद में स्थित हैं तथा जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजस्ट्रीक तो विकासित नं. 9316/28-7-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीस : 25-2-82

प्ररूप बाई० टी॰ एन० एस०--

घ्र/यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1736/23-1/81-82--अतः मुभ्के, जी. सी. गर्ग,

षायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारग है कि स्थानर संगति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वे नं. 109-3 हैं। तथा जो सानंद, जीला - अहमदाबाद में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीटिंगी अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीटिंग अधिकार, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-7-81

- को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेक्स के दृश्यमान प्रति फल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रांतफ न से ऐसे दृश्यमान प्रति कर का पन्द्रह प्रतिशत से धिक्षक हैं भीर अन्तरक (यन्तरकों) और अन्तरिती (यन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---
 - (क) अभ्नरण से हुई किसो आय की बाबन खबत आधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
 - (भ) ऐसी किसी ग्राप या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर श्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री दालुभाई शीवाभाई शीसोदीया गांव - सानंद, जीला - अहमदाबाद श्री हशुभा होमतसीग सीसोदीया, गांव - सानंद, जीला - अहमदाबाद

(अन्तरक)

2. श्री सानन्द टोशटारल्स इन्डस्ट्रीज प्रारपंट लीमीटोड की आर में श्री अ. के. चेचानी, डायरोक्टर सानंद, जीला-अहमदाबाद

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वेक्त संपरित के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उरत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी खाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरगः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफाल 29524 वर्ग यार्ड, जो सानंद जीला-अहम्दाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजस्ट्रीकार्ता बिक्कीस्थित नं, 454 और 455/जूलार्ड 1981 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजि-।, अहमदाबाद

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों अर्थात् :---

तारीब : 25-2-82

प्रकृप पाई० टी**० ए**न० **एस०—**

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदंश नं. पी. आर. नं. 1737/23 - 1/81 - 82 - - 36ः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

शायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संयत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-क• से अधिक है

और जिसकी सं सर्वे नं 448-2, 447-1, 447-2, 455 हैं। तथा जो गांव-मोला जीला-अहमदाबाद में स्थित हैं। (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्होकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जूलाई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान शतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए ना पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- दिवालीबेन गंगाराम चतुरदास 7-बी, रंगज्येत सोसा-यटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-17, (2) मंगूबेन गंगाराम चतुरदास दरजीपालाका खांचा, मादलपुर, भगवानदासचाली, एतिसब्जि, अहमदाबाद श्री सुरशक्तुमार कालीदास पटाल और अन्य, मेवावा-लाल नगर, गोपायक सोसायटी के नजदीक, नवावाडज अहमदाबाद

(अन्तरक)

2. सफारी अंग्रो असोमीयंशन मेनेजर-श्री अंबालाल मगन-लाल पटाल और अन्य, अचेस कलेट नं 1-बी, अंकार रोड, नारनपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारा करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :→→

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव सोला, जीला अहमवाबाद में स्थित ही जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रिजस्ट्रीक र्ता बिकीस्त नं. 9270, 9363, 9318, 9271, 9317, 9372/जुलाई 1981 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।, अहमदाबाद

तारीय : 25-2-82

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्यायिस्य, सहायक_्क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निक्षेत्र नं. पी .आर. नं. 1738/23-1/81-82--अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वे नं., 392, 393, 394 और 395 हैं। तथा जो गांव - सोला, जीला - अहमदाबाद में स्थित हैं (और इस से उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-7-81

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्दोष्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, औँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ्थृत् :--- श्री गांडाभाई जुगलदास पटोल (2) फांबरवेन, मोरन-लाल छगनलाल की विधवा पत्नी, (3) श्री मफत लाल शीवाभाई पटोल, तीनो - गांव - सोला, जीला -अहमदाबाद

(अन्तरक)

2. श्री (1) अराजभाई परसोत्तमबास पटेल अच. यु. अफ. के कर्ता (2) श्री दिनशभाई भीखाभाई पटेल, अच. यु. अफ. के कर्ता, इन्डीयन इन्टीटयुट ओफ स्नेजमेन्ट के नजधीक, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1 अंकर 5 गुंडा 1 अंकर 36 गुंडा 1 एकड़ 31 गूंछ और 3 एकड़ 13 गुटा, जो गंव-सोला, जीला - अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूरण वरणन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीसत नं 6424, 6412, 6422 और 6413/23-7-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

धारील: 25-2-82

भोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निवंश नं. पी. आर. न. 1739/23 - 1/81 - 82 - - अतः मुभ्के, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. हैं। तथा जो मावडी प्लोट गोंडल शेंड के नज-वीक राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1981

को पूर्वेक्ति संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री वीपीनक मार गजानन जांधी नलीनी बी. जांधी, श्रीमती प्ररेणा औस. जोबी और अन्य, सुभाष रोड, मोटी टांकी के सामने, राजकोट

(अन्सरक)

 (1)इकरार इन्डस्ट्रीयल अंन्ड अंस्टेट गॉडल राड, राज-काट (2) श्री जगदीश कुमार अमरशीभाई (3) श्रीमती शारदा मधुसूदन (4) श्रीमती भावना रमनीकलाल् लक्ष्मीवाडी रोड, दारुवाला बिल्डिंग, राजकांट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूभना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुधी

अचितित संपन्ति गोडल रोड, माबडी प्लोट, राजकोट में स्थित है, क्षेत्रफल 1633.3 वर्ग यार्ड 1365.44 वर्ग मीटर जिसका पूरण वरणन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता विकिश्वित नं . 521/10-7-81 मे दिया गया है।

जी. सी. गर्ग मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थासु:——

तारीव : 25-2-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन् र^उज-।, अहम्दाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निद्धाः नं. पी. आर. नं. 1740/23-1/81-82--अतः मुभ्के, जी. सी. गर्ग,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 443 पंकी प्लोट नं. 12 है। तथा जो राजकाट में स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राज-कोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-7-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कड़ विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिदिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ः—-

 अमृता अन . देसाई नीना अन . देसाई रैया नाफा रोड , राजकोट

(अन्तरक)

2. श्री गोविंदभाई नाथाभाई श्री जयंतिलाल बल्लभद्रास विनोद निवास, सरदार नगर, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवां क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिए का सकोंगे।

स्पथ्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जमीन जो राजकाट में स्थित है, स्वें नं. 443 पैकी प्लोट नं. 12, क्षेत्रफाल 560-5-0 वर्ग यार्ड, जिसका पूरण वरणन राजकाट रजिस्ट्रीकर्ता विकासित नं. 5978/18-7-81 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।, अहमदाबाद

तारीय : 25-2-82

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-म(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत मरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निद्देश ने. पी. आर. नं. 1741/23-1/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीन समन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपा से श्रिधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 401 और 411 पैकी प्लोट नं. 61 पैकी हैं। तथा जो राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के युक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वापित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राक्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

स्रतः अन, उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री नटवरलाल केशवलाल बलाडा पी. अ. अच. विनोदकामार कान्तीलाल महोता भुपेन्द्र रोड, मरोना निवास राजकोट

(अन्तरक)

2. विक्रमिसंह वेरुभा जाडेजा श्री जाडेजा निवास, लक्ष्मीन्गर, मुख्य गेंड, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रश्नंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ला से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भंभोहस्ताक्षरी के पास
 निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्धों भीर पर्वो का, जो उच्त भ्रिष्ठिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचिलित संपत्ति जो राजकाट में स्थित है, सर्वो नं. 901, और 411 पैकी, प्लोट नं. 61, क्षेत्रफल 466-6-0 वर्ग यार्ड, जिसका पूरण दरणन राजकाट रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं. 2493/10-7-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख : 25-2-82

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर् आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 1742/23-1/81-82--असः मुभ्के, जी. सी. गर्ग,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छित्त बाजार मूह्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी मं. मर्वो नं. 404, प्लोट नं. 78 हैं। तथा ओ राजकोट में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राज-कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जूलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्पापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पग्डह प्रतिश्वत से अधिक है भीर धन्तरक (प्रन्तरकों) और भन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निजित में वास्तविक कप से किंवत नहीं किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, उन्त सिधिनयम के अधीन कर देने के सन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। सौर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः श्रव जनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिहिंबुत व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री रमनीकलाल इसाधिददास सवानी 3, रामनगर, राजकाट

(अन्तरक)

2. जयंतीलाल आध्यजी सम्मतीलाल आध्यजी भोगीलाल आध्यजी आशीवाद, 2, धमजीवी सोसायटी, राज-काट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल के 20 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

सम्ध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिचावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो राजकाट में स्थित है, सर्वो नं. 404, प्लोट नं. 78, क्षेत्रफल 1340-6-0 वर्ग यार्ड, जिसका पूरण वरणन राजिकाट रिजिस्ट्रीकार्ता बिकासित नं. 3633/जुलार्ड 1981 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र³ज-।, अहमदाबाद

तारीख : 25-2-82

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॅज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1743/23-1/81-82---अ्तः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूख्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं. सर्वें नं. 326 पैकी प्लोट नं. 25 हैं। तथा जो राजकोट में स्थित हैं (औ रइससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 8-7-1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की पर्ध है बीर मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि ययात्र्वेक्त नंपति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धीर प्रस्तरक (शन्तरकों) घीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निन्निविधित उद्देश्य से उचत प्रस्तरण लिखित में बास्त- विक स्प से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) धारतरण से हुई किसी भाग की बाबत बबत धार्य-नियम के धार्मीन कर देने के धारतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय मा किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या बनकर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविद्या के लिए।

भ्रतः अब, उक्त प्रधितियम की घारा 289मा के अनुसरण में, मैं, उक्त अकिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--13—26GI/82 प्रेमजी रावजीभाई टांक पी. अ. अंच. जेरामभाई शीवलालभाई, जन्रल प्रोस्ट ऑफिस के नजदीक, राजकोट

(अन्तरक)

 कुंबनबला रमनीकलाल भगवान्जी डायाभाई गोंडल राड, राजकाट

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

अनुसूची

जमीन जो राजकाट में स्थित है सर्वों नं. 326, प्लोट नं. 25 पैकी क्षेत्रफल 616-2-0 वर्ग यार्ड तथा जिसका पूरण वरणन राजकाट रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 5552/4-7-81 में दिया गया है।

जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रोज-। , अष्टुमदाबाद

तारीख : 25-2-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाव, विनांक 25 फरवरी 1982

निद्धा नं. पी. आर. नं. 1744/23-1/81-82--अत मुभ्के, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वें. न. 457., प्लांट नं. 28 वी पैकी हैं तथा जो राजकांट में स्थित हैं (और इससें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजम्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकांट में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री नीतीन कंस्ट्रक्शन कंपनी की ओर से मृख्य भागी-दार, श्रीनवीनचन्द्र ड्रांगरशीभाई दांषी, कांटचानग्र राजकांट

(अन्तरक)

 श्रीमती जसुमती नवीनचन्द्र वीरबारमा भक्तीला कालेज के पीछ राजकाट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पारेत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो राजकोट में स्थित है, सर्वें नं. 457 पैकी प्लोट नं. 28-वी, क्षेत्रफल 218-6-0 वर्ग यार्ड तथा जिसका पूरण वरणन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ला बिक्तीखत नं. 3868/1-7-81 में विया गया है।

जी. सी. गर्गं मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:---

तारीब : 25-2-82

प्ररूप आर्च. टी. एन्., एस्..-----

नाय्कर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुन्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निवोध नं. पी. आर. नं. 1745/23-।/81-82--अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 87, प्लोट नं. 39 हैं। तथा जो नाना माधा, राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप गे वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-7-81

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ृिलिखत, में वास्तियक रूप से कथिस नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; बार्/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाउतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तित्यों, अधीनः—

 श्री जयन्तीलाल बंचरवास दवे 'जयराम्कुंज्', कीशु-नयरा, कलागड रोड, राजकोट

(अन्तरक)

2. श्री जशवंतलाल मेधजीभाई राजानी के/ओ कमलाबेन सींगला दफ्तरी नीलय, पेलेस राड, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः---

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-षद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त **अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित** है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो नाना मावा राजकोट में स्थित है, सर्वों नं, 87,1 प्लोट नं. 39, क्षेत्रफल 683-1-0 वर्ग यार्ड तथा जिसका पूरण वरणन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 3404/1-7-81 में दिया गया है।

जी सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-। , अहमवाबाद

तारीख : 25-2-82

मोहर 🖫

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भिधितियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269=व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त र आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन् रोज-।, अहम्दाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निद्येश नं. पी. आर. नं. 1746/23-1/81-82--अत्ः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

मायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की छारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से धिषक है

और जिसकी सं. सर्वें 399 पैकी, प्लोट नं. 85 हैं। तथा जो राजकाट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राज-कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्न सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत, खक्त श्रिष्ठित्यम के श्रश्नीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (था) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या घनकर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अनील कुमार तुलशीदास बावीशी पी. अ. अच. शशीकान्त भृदरजीभाई सोलंकी बंदी नाका, राजकाट

(अन्तरक)

 डो. नराईभाई नानजीभाई पटले 10, लक्ष्मीवाडी, राजकोट

(अन्तुरिती)

की यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्येवाहियों करताहूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो खक्त अधिनियम के मध्याय-20क में परिभाषित है, बही मर्ब होगा को उस मध्याय में दिया नका है।

ममुज्ञी

जमीन जो राजकोट में स्थित हैं, सर्वो नं. 399, प्लोट नं. 85 पैकी क्षेत्रफल 616-8-0 वर्ग यार्ड, जिसका पूरण वरणन राजकोट राजस्ट्रीकर्ता बिकिस्ति नं. 5422/1-7-81 मे दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।, अहमदाबाद

तारील : 25-2-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निविश नं. पी. आर. न. 1747/23-1/81-82--यतः, मुझे, जी. सी. गर्ग,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से बिधिक है

और जिसकी मं. सर्यों नं. 35 पैकी प्लांट नं 11 हाँ। तथा जो जेतपुर में स्थित हाँ (और इसमे उपाबद्ध अन्मूर्ती मां और पूर्ण रूप से वर्णित हाँ); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1981

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नोलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के किए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्रुधीन, निम्निल्खित <u>व</u>्यक्तियाँ अर्थात्:—— (1) जलवीन्दर टोजटारल्स डाइंग एण्ड प्रीन्टींग वर्कम्, जतपुर

(अन्तरक)

(2) गोल्डन प्रोसेंसर्स भागीदार-कनक लाल मोहन लाल जतपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परितृ के अर्जनृ के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से से 4.5 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्य कार्यों कर अविद्यार में समाप्त होती हो . के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से
 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अश्वित संयत्तिका सर्वों नं. 35 पैकी प्लोट नं. 11 क्षेत्रफल 1326-6 वर्ग यार्ड, जो तेजपुर में स्थित है जिसका पूरण वरणन जेतपुर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 1281/1268/दिनांक 31-7-1981 में दिया गया है।

जी. मी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज्-।, अहम्दाबाव

तारीख : 25-2-1982

मोहरः

प्ररूप आई. 21. एन . एस . -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निविश न. पी. आर. नं. 1748/23-1/81-82--यतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

शायकर अंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी स. सर्वे न. 832/1 है। तथा जो जंतपुर में स्थित हैं (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्य से विणित हैं); रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय जंतपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-7-1982 का पूर्वानित संपन्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिप्तल के लिए अन्तरित की रहें हैं और मभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्तिका संपरित का उचित बाजार मृल्य उसके रायमान प्रतिप्तल से, एसे रायमान प्रतिप्तल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्तल निम्नितियों, के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्तल निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तीवक रूप से किया नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) लंट श्री ठाकरमी करान एले/एच श्री वृजलाल ठाकरमी बाबागालायरा, जेतपुर

(अन्तरक)

(2) श्री सवजी भाई गोकूल भाई वडालीया वृजलाल रामजी भाई वडालीया जेतपुर मनुभाई नानजी भाई गजेरा, गोडल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अयधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यांवित यों में से किसी व्यक्ति बुदारा,
- (ख) इस सूक्ष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर इक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर् के पासृ जि<u>ष्</u>धित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इतमे प्रणुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

जमीन राजकाट गांड, जेतपुर में स्थित हैं सर्घें नं 832/1 पैकी क्षेत्रफल 3 एकर-32 गुड़ा जिसका पूरण वरणन जेतपुर राजस्टीकर्ता विकासित नं 1176/21-7-81 में विया ग्या है।

> जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरक्षिण्) अर्जन् रोज्-।', अहमुदाबाव

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थासः---

तारीख: 25-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 1749/23-1/81-82--यतः म्भे, जी. सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी स ----है। तथा जो दोसाइवाडी जेतपर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर 27-7-1981 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इञ्यगान प्रतिफल से एसे इञ्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितिनों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय गया प्रति-फल, निम्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरं/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

उत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रूपचंद नेमनदास कुलवाडी जेतप्र

(अन्तरक)

(2) श्री शांती लाल मनीलाल खोडपरा जेतपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सं गंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर एकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्मीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान मील्कत जो दोसाइवाडी में स्थित है, क्षेत्रफल 277-6-0 वर्ग यार्ड है। तथा जिसका पूरण वरणन जेतपूर रिजस्ट्री-कर्ता विकासित नं. 1222/27-7-1981 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहम्दाबाद

तारीख: 25-2-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदोश नं. पी. आर. नं. 1750/23-1/81-82---यत. मुझो, जी. सी. गर्ग,

त्रायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' क्षा गया है), की धारा 269-ख के अधीय सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपाल जिसाक उचिन वा जार मुख्य 25,000/- इ. से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं. ——है तथा जो जेतपुर नेणनन ब्राइवा पर स्थित है (और असम उपाबद्ध अनुस्की मो अर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकरी अधिकारों के कार्यालय, जेतपुर मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-7-1981 को पूर्वीवत संपत्ति के रिचित बाजार मूल्य से कम के बूरमनान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है धौर मुझे यह जिण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से प्रधिक है और पन्तर्भ (अन्तर्भों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत छद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वाश्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त बधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में ,में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तित्यों अर्थात् :—— (1) श्री सृदर दास जीचंड्रम माधुमालवा शोरी, जेतपुर

(अन्तरक)

2. मेसर्म आर. को. टोक्टाइल्स म्बदोशी मारकेट **बां**म्बे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्र**जंन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजप इ में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अधिक या तरसम्बन्धी आक्तियों पर सूचला की तामीन में 30 दिन की अविधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भी छर पूर्वोक्त आवितयों में से जिसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूजना के राजास में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पणि में हिनबस किसी अस्य अ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंमें।

स्पर्धाकरण :--इसमें प्रणुक्त शन्दों और पत्नों का, औ खक्त अधि-त्रियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

अंचिलित संयस्ति का वरणन जेतपुर रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीसत नं. 1200 और 1201/23-7-81 में दिया गया है। जो नेशनल डाइवे ब्रीज पर स्थित है, -क्षेत्रफल 1327-08+1327-08 वर्ग यार्ड है।

जी. सी. गर्ग मक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-१, अहमदाबाद

ता्रीदः : 25-2-1982

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-घ (1) को अभी**न सम्मना

भारत सरकार

सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 25 फरवरी 1982

निद[े]श सं पी आर नं 1750/23-1/81-82---यतः, मुझो, जी. मी गर्ग,

और जिसकी संस्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मां और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय राज-कोट मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-7-1981

कों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह धिश्वास करने का कारण है कि स्थापवाँकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्माक की और अन्तरका (अन्तरका) और अत्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफन निम्नलिश्चित उद्देश्य से उसन ग्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 उर 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा की लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात :——
14—26GI/82

(।) एक एक आफ लट थी द्राप्रिसाद राधलाल अग्रवाल ओ गीराश द्राप्रिसाद, श्री नवीन द्राप्रिसाद और छह अन्य, क्ल म्बत्यार-सतीशचद्र डी अग्रवाल, आरा-भग द्यारमावाडी, राजकाटे।

(अन्तरक)

(2) श्री जमनभाई केशन जी भाई अन्नासना, गीतानगर, मुख्य संख, राजकाट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राहिया करना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

जमीन जो राजकोट मों स्थित है, सर्वो न 387, प्लाट न 12 पैकी क्षत्रफल 1349-4-0 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट राजिस्ट्रीकर्ला बिकीस्त न 6049/22-7-81 में दिया गया है।

जी सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाक

तारीच 25-2-198**2** महे**र**ः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनां ३ 25 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 1752/23-I/81-82----म्रतः, मझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिस की संबं नंव 383/2 है तथा जो गोंड न रोड़, राजकोट में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 17-7-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1522 के दिन्दा) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री दिकीन गुमार विभाग भाई, करनपार का, रामग्रि ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दयानजीभाई रागनीभाई, रनछोडनगर मोतागटी, राजकोट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्र्वंक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्वन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो राजकोट में स्थित है सर्वे नं० 382/2 क्षेत्रफल 634-6-0 वर्ग यार्ड, गोंडल रोड, राजकोट तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट राजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 4767/17-7-81 में दिया गया है।

जीं० सीं० गर्ग मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज-1 ग्रहमदाबाद

दिनांक : 25 फरवरी 1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) π श्रर्जन रेंज π श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांकः 25 फरवरी 1982

निदेश सं० पी०ग्रार० नं० 1753/23-I/81-82—ग्रातः, मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिस की संव सर्वे नंव 92/93 पैकी प्लाट नंव 27,30,31 पैकी है तथा जो रैया, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में र्राणत है); रजिस्ट्रीकार्त ग्रीधवारी के कार्यालय, राजकोट में राजिस्ति राजकोट में राजिस्ति ग्रीधवारी के कार्यालय, राजकोट में राजिस्ति 12-7-81

को पूर्वोक्त संपित्त के उित्त वाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उिचत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) लेट लभुबेन बाबुलाल की श्रोर से कुल मुखत्यार वर्साबेन बाबुलाल श्रौर श्रन्य बीना बाबुलाल श्रौर श्रन्य बीना बाबुलाल श्रौर श्रन्य श्रजय बाबुलाल श्रौर श्रन्य 2, पटेल कालोनी, जामनगर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) श्री मनसुखलाल द्वारकादास, धीरजलाल भानजी-भाई, राजेन्द्र द्वारकादास, गीरेगांव, वेस्ट, बोम्बे ।
 - (2) परषोत्तम रत्नाभाई, नेहरूनगर रैया, राजकोट ।
 - (3) बीना जयकान्त लोहनापारा, राजकोट।
 - (4) वासुमती भगवानजी स्रौर मिलन भगवानजी भुपेन्द्र रोड, राजकोट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्सूची

जमीन जो रैया राजकोट में स्थित है, सर्वे नं० 92/93 पैकी प्लाट नं० 27, 30, 30, 31 पैकी क्षेत्रफल 306-8-72+231-1-0+231-1-0+647-5-0 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्त्ता बिकीखत नं० 3075/2-7-81, 4093/1-7-81, 3072/1-7-81 ग्रीर 3070/1-7-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 25 फरवरी 1982

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

स्रहमदाबाद, दिनाक 25 फरवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी स० मर्वे न० 150, प्लाट न० 39 48 है। तथा जा राजकाट में स्थित हैं (स्रीर इससे उपावड़ अनुसूर्वे, म स्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), राजिस्ट्रीवर्ता श्रिधव र के दार्गाव्य राजवेट तारीख में राजिस्ट्रीवरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908 वा 16) के स्रीधीन तारीख 4-7-81

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल के एसे दश्यमान प्रतिफाल के प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतिरितियो) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखन उद्दृष्ट्य से उक्त अंतरण लिखन में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अमेरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिभ के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियो, अर्थात् ——

(1) श्री पोपटलाल रामजी भाई करनसिंहजी रोड राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जयनीलाल केमवलाल पीठाडिया पुजारा प्लाट, राजकोट ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मिरित को अर्जन् को सम्बन्ध में को इंभी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास गिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस उध्याय मों विया गया है।

अनुसुची

जमीन जो राजकोट म स्थित है, सर्वे न० 150 प्लाट न० 39 ग्रीर 48 है, क्षेत्रफल 415 6 415 7 वर्ग या**र्ड है तथा** जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट र्राजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखरा न० 5536, 5535/4-7-81 में दिया गया है।

जी० मी० गर्ग मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, श्रहमदाबाद

दिनाक. 25 फरवरी 1982 मोहर प्ररूप आई० टी०० एस०-

भागकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्राधीन सूचना भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , श्रहभदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1755/23-J/81-82---श्रतः, मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० सर्वो नं० 73/75 पैकी प्लाट नं० 64 है तथा जो नाना माता राजकोट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है); राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में राजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम 6-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिशक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविभा के लिए; और/या
- ग्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) सबीता श्रनंतराय मेहता
 कुल मुखत्यार—मनुभाई हिमतराय मेहता,
 मद्रेसा क्वार्टस्, स्टेशन दरवाजा के नजदीक,
 वंथली (सोरठ)।

(श्रन्तरक)

(2) श्री धरणीभाई खीमजीभाई णाह, गोडाउन रोड, श्रंबीका वे क्रिज के सामने, राजकोट ।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य- बाहियां करता हूं।

जबत सम्मन्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की धविष्ठ या तत्मभवन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष्ठ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से दि सी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूबना के राजपात में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए अ। सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दी भीर पदों का, जो खनत श्रिक्षिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो नाना मावा राजकोट में स्थित है, क्षेत्रफल 610.4 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजम्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 5600/6-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 25 फरवरी 1982

प्ररूप आई. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० श्राप्त नं० 1756/23-J/81-82—-श्रत:, मुझो,जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० सर्वे नं० 394 पैकी प्लाट नं० 3 है तथा जो राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-7-81

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचिन तारार मार से काम के दृश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एमें दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एमें अन्तरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अम्मरण में लिखित बास्तविक इप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उबल अधिनियम के अीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियमें अर्थात्:---

(1) श्री समरतबेन ताराचंद कुल-मुखत्यार— शरदचन्द्र ताराचंद मेहता 18, लेख रोड, बोम्बे-7।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीणभाई वेलर्जाभाई सुरेलीया, गोपालनगर, राजकोट ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुत्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो राजकोट में स्थित है, कुल क्षेत्रफल 812-4-0 वर्ग यार्ड, तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 5661/8-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I,ग्रहम दाबाद

दिनांक : 25 फरवरी 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-व (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) प्रजेन रेंज- ग्रेंज- ग्रेंज-

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1757/23-I/81-82—-म्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 196 प्लाट नं० 17 है तथा जो रैया, राजकोट में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्र अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 10-7-81

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिहित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती मुक्ता होत ग्रास्य गोष्ट कुल मुखत्यार—श्री प्रभुलाल डी० उडानी, दीवनपरा रोड नं० 1, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोरधनभाई वरमजीसाई टांक भवनभाई हरदासभाई टांक, गायती नगर, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचरा जारा १ एक स्वातिक सम्यास के अर्जन के लिए

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—=इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

जमीन जो रैया राजकोट में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 196 पैकी प्लोट नं० 17, कुल क्षेत्रफल 411-3-0 वर्ग गज है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 3367/10-7-81 में दिया गया है।

जी० मी० **गर्ग** सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 25-2-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज [, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेण सं० पी० श्रार० नं० 1758/23-J/81-82--श्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ध्रौर जिस की सं० सर्थे नं० 96, प्लाट नं० 52 पैकी है तथा जो नाना माबा राजकोट में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन 13-7-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अधीत्:--

- (1) श्रीमती चंद्रीकावेन ग्रमरतलाल पटेल
 कुल मुखन्यार—–धरमगीभाई वगरामभाई जवेरी,
 लक्ष्मीबाडी, मुख्य रास्ता, राजकोट ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुकेशकुमार चंदुलाल धुलीया, 'वर्धमान,' नालंदा सोसायटी, राजकोट । हंसाबेन लीलाधर कोटक "श्री रामकृपा" श्रभीलासासोसायटी, राज कोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्सू ची

्रमीन जो नाना मात्रा में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 96 प्लाट नं० 52 पैकी कुल क्षेत्रफल 400 वर्ग गाज है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 5770/13-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 25-2-1982

प्रकप धाई•टी•एन•एस•--

न्नायकर धामिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेश सं० पो० ग्रार० नं० 1759/23-I/81-82--- श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त प्रधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के भ्रभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 81, प्लाट नं० 5 पैकी है तथा जो नाना भावा, राज्कोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णिन हैं); रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 4-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्छ हु प्रतिशत से प्रक्षिक है प्रीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए, तय प्रयागयः प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से तुई किसी श्राय की बाबत उपत श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसा श्राय या किसा धन या ग्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्राधिनियम, या धन कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सन, उक्त प्रधिनियम के धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, बक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा, (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--15—26G1/82

(1) श्रीमती कोकिला लिल मरचन्ट, "गुरुकृपा", सयान, वेस्ट बोम्बे।

(अन्तरक)

(2) श्रोमता हरीबेन प्रेमजी भाई वीनाबेन प्रभुदास कुंदनामी, शास्त्रीनगर, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोन्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस जूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो खकत ग्राधिनियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रार्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

जमीन जो नाना मात्रा, राजकोट में स्थित है, सर्वे नं० 81 पैकी प्लाट नं० 5 पैकी कुल क्षेत्रफल 353-1-68 वर्ग गज है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 3768/14-7-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 25-2-1982

म्हिर 🗓

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ा, ग्रह्मदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1760/23-I/81-82--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 81, प्लाट नं० 5 है तथा जो नाना मावा, राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह सिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिषक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किए जाना चाहिए था, कियान में सूरिका के लिए;

बतः जब उक्त अधिनियम की धार 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

 श्रीमती ह्रीक्षेन प्रेमजीभाई वीनाबेन प्रभुदग्ग, शास्त्री नगर, राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती भावनाबेन भुपेन्द्रभाई लखानी, 3. वाडी प्लाट, पोरबंदर,

> श्रीमनी गीताबेन किरणकुमार ठक्कर, कलावड रोड़, हार्जीयग बोर्ड सोमायटी, राजकोट ।

> > (भ्रन्तरिती)

को यह भूचना मारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भातर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या ग्या है।

अनुसूची

जमीन जो नाता, माया, राजकोट में स्थित है, सर्वे नं० 81 पैकी प्लाट नं० 5, कुल क्षेत्रफच 353-1-68 वर्ग गण है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजर्म्ट्रीफर्ना बिकीखत नं० 5863/15-7-81 में दिया गया है।

> जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहनदाबाद

दिनांक : 25-2-1982

प्ररूप आर्हा.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1761/23-I/81-82---- श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 489 पैकी प्लाट नं० 59 है तथा जो राजकोट में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप ने वाणत है), राजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में राजरट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 27-7-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिरियम, या धन-कर अधिरियम, या धन-कर अधिरियम, या धन-कर अधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अअ, उक्न अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु :-- (1) श्री मान्तीलाल जेरामभाई सपारीया, बजरंगवाडी, राजकोट

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जीयराजभाई तपुभाई भंडेरी, गांव खडबेला, तालुका पढारी, जिला राजकोट ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो राजकोट में स्थित है, जिसका मर्वे नं० 489 पैकी प्लाट नं० 59 है कुल क्षेत्रफल 930-8-0 वर्ग गज है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट राजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 6113/27-7-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाव

दिनांक : 25-2-1982

प्रकृष बार्ड. दी. पुनु, पुस्, ------

यायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1762/श्रर्जन रेंज 23-1/ 81-82--श्रत: मुझे, जी०सी० गर्ग

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 489 पैकी व्लाट नं० 88 पैकी है तथा जो राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-7-81

की पूर्वीवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंफरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तु- विक रूप से कृथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः कषा, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बुधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों बुधीत ड्रास्ट्र (1) श्री जेराम वशराम वाघेला,
कुल मुखत्यार—हीमतलाल घरमशीभाई राठोड,
2, कैलाशवाडी "मानेक कृपा",
राजकोट।

(अन्त<u>र</u>क)

(2) श्री प्रभुदास राघवजीभाई कोराडिया, 8-2, सोरठीया वाडी, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, शो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्रची

जमीन जो राजकोट में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 489 पैकी फ्लाट नं० 44 पैकी कुल क्षेत्रफल 955-8-0 वर्ग गज है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत न० 6133/27-7-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 25-2-1982

मोहरः

प्रइप धाई• टी० एन• एस•⊸--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1763/ श्रर्जन रेंज 23-I/81-82—-श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधि नेयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संव सर्वे नंव 74, प्लाट नंव 20 पैकी है तथा जो नाना मावा, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विशित है); र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन 28-7-81

को प्रविक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिक नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वागिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (छ) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तिनीं को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, धारा की 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथित !--- (1) श्रीमती लताबेन राजेन्द्र कुमार, 1, रामकृष्णनगर, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीणकुमार हरीलाल श्रीर श्रन्य, 5, भक्तिनगर सोसायटी, राजकोट।

(म्रन्तरिती)

को यह गुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में शकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शरा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो समत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में बिया गया है।

अनुसूची

जमान जो नाना माया, राजकोट में स्थित है, जिसका सर्वे नंब 74, प्लाट नं० 20 पैकी कुल क्षेत्रफल 444-4-0 वर्ग गज है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 3312/ 28-7-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-I श्रहमदाबाद

चिनांक: 25-2-1982

प्ररूप शाइ. टी. एन., एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1764/श्रर्जन रेंज 23-1/81-82—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मर्वे नं० 399 प्लाट नं० 80 है तथा जो राजकोट में स्थित ह (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 1981 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल में, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री स्निध बी० गण्जर, कुल भुष्कयार--वीटलदास डी० गज्जर, मोटी टांकी के नजरीक, राजकोट ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री जयन्तीलाल देवचंदभाई गंगदेव, श्री राजेश जशवन्तलाल रूपारेल, श्री कान्तीलाल मगनलाल सचदेव, के/ग्रो जलाराम मगीनरी स्टोर्स, कोडीनार (सौराष्ट्र)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्धों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्वी

जमीन जो राजकोट में स्थित है जिसका सर्वे नं० 399, पैकी प्लाट नं० 80, कुल क्षेत्रफल 594-6-0 वर्ग गज है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 4871/जुलाई 1981 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I; श्रहमदाबाद

भरा: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निकालिख्त व्यक्तियों, अधीत्:—

दिनांक: 25-2-1982

प्रकृप श्राई० दीं० एन० एम० ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, श्रहसदाबाद श्रहसदाबाद, दिसाक 25 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० श्राप्त न० 1765/श्रजन रेज~23-1/81-82 —श्रद मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स दो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसवा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा सं अधिक है

श्रौर जिसकी स० पर्वे न० 410 है तथा जो जेतपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम 21-7-81

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिरात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक हए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्र. रामजीभाई जीनाभाई बाबा बाला परा, जेनपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रवीतचन्द्र हीरालाल ग्रीर ग्रन्य महातमा गाधी रोड़, जेतपर

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिता में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो जेनपुर में स्थित है जिसका सर्वे न० 410, कुल क्षेत्रफल एकड 5-38 तथा जिसका पूर्ण वर्णन जेनपुर जिस्ट्रीकर्ता विकीखन नं० 1171/21-7-81 में विधा गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज I श्रहमक्षाका

दिनांक: 25 फरवरी 1982

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शाउव व्डक्ट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-], भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 25 फरवरी 1982

मिदेश न० पी० श्रार० न० 1766/श्रर्जन रेज-23-I/81-82--श्रत मुझे, जी० पी० गर्ग

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि शावर पम्पत्ति, जिसका रिचत वाजार मूल्य 25,000/- रुक्त से अधिक हैं

स्रोर जिस की स० सर्वे न० 404 पैकी हैतथा जो जेनपुर में रियत है (स्रोर इससे पाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण घर से अणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्री अकारी के व योलय, जेतपुर में रिजस्ट्रीय रण श्रीधनियम, 1908 (1908 को 16) के स्रोन 21-7-81

को पूर्वीक्षर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफंश के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सपित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अग्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) मन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भूम या अन्य नास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुमा था या किया जाना जाहिए था कियाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण की, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री मनजीभाई धरमशीभाई बायावालापरा, देसाइवाडी, जेतपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पुनाभाई उकाभाई ताकुडापरा, जेनपुर

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने॥

उक्तु सम्पत्ति को वर्षम् को सम्बन्धः में कोई भी बाक्षोप्ः ---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सरवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तियां।
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उन्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किली अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकिर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया ग्या हैं।

अन्सूची

श्रचलित सपत्ति जो जैतपुर में स्थित है, सर्वे न० 404 पैकी क्षेत्रफल एकड 5-05 तथा जिसका पूर्ण वर्णन जैतपुर रजिस्ट्रीयती बिकीखत न० 1172/21-7-81 में दिया गया है।

> जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रुजंन रेज I श्रह्मदाबाद

दिनाक 25 फरवरी 1982 मोहर: प्ररूप आह. टी. एन्. एस.,----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरा 1982

निदेश नं० पी० भ्रार० नं० 1767/म्रजन रेज-23-I/81-

82---- प्रतः, मुझे, जी० सी० गर्ग

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० कलासवाडी, शेरी नं० 5, हैं तथा जो राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं); राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-7-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्गे) और अन्तरिती (अन्तरितयार्गे) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--16—26GI/82

(1) श्री जीनाभाई म्रानंदभाई 6, गीतानगर, राजकोट

(अम्तरक)

(2) श्री मंतोषकुमार बुलचन्द गोगीया 7, गायकवाडी, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तक, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

श्रचलित संपत्ति जो कैलासवाडी, शेरी नं० 5, राजकोट में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 153-1-72 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 5461/2-7-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजंन रेंज-I, म्रहमवाबाद

दिनांक : 27 फरवरी 1982

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज. श्रह्मदाक्षाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० भ्रार० नं० 1768/ग्रर्जन रेंज--23-I/81-82--श्रत:, मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आगरण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० सर्वे नं० 451, प्लोट नं० 101 है सथा जो राजकोट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 18-7-81

करें पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आदु/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिायम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिवित व्यक्तियों, अधीत्:-- श्री छोटालाल दुर्लभजी मोढा जगवन्ती छोटालाल मोढा,
 वैगालीनगर, राजकोट

(श्रन्तरक)

(2) डा० श्रह्मदभाई श्रलीभाई लूखावा, सारबाई सुलेमान लूखावा, णाकी नाका, चांदीवली, ग्रंधेरी, बोम्बे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचितित संपत्ति जो राजकोट में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 451, प्लाट नं० 101 है, कुल क्षेत्रफल 251-4-0 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 5967/ 18-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी हहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 27 फरवरी 1982

नोहर 🎨

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1769/म्रर्जन रेंज-∙23-।/81 -82—म्प्रत:, मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिस की सं० भिक्तनगर स्टेणन प्लाट, गेरी नं० 10, वार्ड 7 है तथा जो राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन 21-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य ने कम को क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्के वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मौं मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) मेसर्स कारीया भ्रोयल इन्डस्ट्रीज की श्रोर से भागीदार श्री रमनीकलाल वल्लभदास श्री वल्लभदास वणरामभाई 4., भक्तिनगर सोसायटी, राजकोट (बन्तरक)
- (2) मेसर्स एणियाटिक इन्डस्ट्रीज की ग्रोर से भागीदार श्री जयन्तीलाल रावजीभाई पटेल, तक्षणिला को० ग्रो० हा० सोसायटी, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पृथ्विकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का, थो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मन्स्ची

अविलित सम्पत्ति जो भिक्तिनगर, स्टेशन प्लाट शेरी नं० 1, बार्ड नं० 7 राजकोट में स्थित हैं जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 6951/21-7-81 में दिया गया है। जी० सी० गर्ने सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाब

दिनांक : 27 फरवरी 1982

मोहरः

प्रस्त आहें.टी.एन.एस.,------

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 2694(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उंचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 153, प्लोट नं० 32 है तथा जो राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-7-81 को पूर्वोक्त संपीत के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीत का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री खेलशंकर दयाशंकर दफ्तरी
 1, जन कल्याण सोसायटी,
 प्लाट नं० 32, राजकोट

(ग्रन्तरक)

(2) विनयकान्त पानाचंदभाई टालीया श्रीमती रमागौरी विनयकान्त टालीया

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्चं}

मकान मिलकीत जो राजकोट में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 153, प्लोट नं० 32 है कुल क्षेत्रफल 344-2-0 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 5430/ 2-7-81 में दिया गया है

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर जायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-, स्रहमदाबाद

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण वो- मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः——

दिनांक : 27 फरवरी 1982

मोहर 🖫

प्रकल बाहें. टी. एन. एस . ------

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1771/श्रर्जन रेंज→23-1/81-82----श्रतः, मुझे, जी० सी० गर्ग

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परेचात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक है

श्रीर जिस की सं० लेख नं० 424 पैकी है तथा जो जंकणन प्लाट, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1981

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्बर्धय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्य में कभी करने या उससे ब्यूने में सूजिका के लिए बुरि/या
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया। गया धाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीरा, पिम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--4—16GI/82

(1) डा॰ इन्दुबेन इरीमाई पटेल 3, जंकशन ज्लोट, राजकोट

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोगीया बाशाराम बालचंद 7, गायकवाडी प्लाट, राजकोट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पीत्त की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिंत- अव्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान मिलकीयत जो जंकशन प्लाट राजकोट में स्थित है, जिसका खेख नं ० 424 पैकी कुल क्षेत्रफल 150-0-0 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं ० 3547/ जुलाई 1981 में दिया गया है।

जी सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 27 फरनरी 1982

ँमोष्ट्ररः ;

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1982

न्त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण् है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕रा. से अधिक है

स्रौर जिस की सं० प्लाट नं० 59 सेक्टर नं० 8 है तथा जो गांधीधाम में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रानुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय स्रजार में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 29-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिपन्न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रुयमान प्रतिपन्न से एसे द्रुयमान प्रतिपन्न का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शिधिन्यम् के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बाँद/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्चित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती लवनयाबेन चीमनलाल रावल श्री लेहरचंद चीमनलाल रावल श्री मफतलाल जेसंगलाल णाह श्रौर दो प्रन्य के/ग्रो होटल सत्कार, नेशनल हाईवे, गांधीधाम, (कच्छ)

(अन्तरक)

(2) श्री लछमन श्रलीमचंद भाटिया श्री श्याम श्रलीमचंद भाटिया पी० श्रो० बोक्स नं० 6510, श्रमु धाबी (यु० ए० ई०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जनुको सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्युष्टि करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

श्रचलित संपत्ति जो गांधीधाम में स्थित है, प्लाट नं० 59, सेक्टर नं० 8 है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रंजार रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1428/29-7-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आजृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 27 फरवरी 1982

मोहर 🕃

प्रकप आई० टी० एन० एस•→

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक, 27 फरवरी 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1773/अर्जन रेज≁23-]/81-82—– श्रत: मुझे, जी० मी० गर्ग

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 252 प्लाट नं० 12 से 14 श्रौर 22 से 24 है तथा जो जोरावर्रीमह की वाडी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भुज में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ट-नियम के श्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बीर/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के अभीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों अर्थातु:-- (1) महाराज कुमार श्री जोरावर्सिह गोडजी जाडेजा

(अन्तरक)

(2) दीपा एन्टरप्राईसीज 126, दादु साहेब फालके रोड, माबा मलासीग एस्टेट, दादर, बोम्बे -14

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जी भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी जन्म व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास विश्वित में किए गासकेंग।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त श्रिष्ट-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रष्टें होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचलित संपत्ति जिसका सर्वे नं० 252 प्लाट नं० 12 से 14 श्रोर 22 से 24 है तथा जिसका पूर्ण वर्ण न भुज रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 700/14-7-1981 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 27 फरवरी 1982

मोहरः

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी, 1982

निदेश सं० पी० भ्रार०नं० 1774/म्रर्जन रेंज-23-I/81----82-- भ्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

न्नौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3, 4, 5, 9, 10 भौर 11 है, तथा जो जोरावर सिंह कि वाडी में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय भुज में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-7-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिक स के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिकल से एसे दूरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्सियों का, जिल्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप्धारा (1) के अधीन, निक्तृतिकृत व्यक्तिवों, अधीत्:——

- (1) महाराज कुमार श्री जोरावर सिंह गोडजी जाडेजा (ग्रन्तरक)
- (2) जे० के० एन्टरप्राइसीज, 13, नानाभाई कोर्ट, गोविंदजी केन्या रोड, हिंद माता, दादर, बाम्बे-14। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

श्रचलित संपत्ति, प्लाट नं० 3 4, 5, 9 से 11 है। जो जोरावर्रीसह की वाडी पर स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भूज रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 701/14-7-1981 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज- ${
m I}$, श्रहमदाबाद

तारीख: 27-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1786-ग्रर्जन रेंज-23-I/81-82 श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रूप हे पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी मं० ———है तथा जो गांव चामराजपुर, तालुका जेतपुर में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचीं में ग्रीर पूर्ण ल्प से विजित हैं)' रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जेतपुर सें रजिस्ट्री-

जेतपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण लप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जेतपुर में रिजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 10-7-81 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिबत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के फ़िए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
17—26 GI/82

(1) देवीकूपा भ्रोयल मिल्स, की भ्रोर से भागीदार श्री पटेल जादव जे राम श्री वल्लभ मदन श्री रणछोड़ गोरधन भ्रीर भ्रन्य जेतपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स राजकमल ग्रोएल मिल्स की ग्रोर से भागीदार ग्रम्तलाल नथुभाई मांडलिया चामराजपुर, फुलवाडी, जेतपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकरेंगे।

स्युक्तीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मिल्कत जो चामराजपुर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1105 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जेतपुर रिजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं 0 1092/10-7-81 में दिया गया है।

जी० सी० **गैंग** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज I ग्रहमदाबाद

दिनांक: 3-3-1982 ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

हमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1785/ ग्रर्जन रेंज 23–I/81–82 श्रत: मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- फि. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० — है तथा जो खारा कुंबा रोड मोरबी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है); र्राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, मोरबी में रिजस्ट्री-करण ग्राधिनियम 1808 (1908 का 16) के ग्राधीन जुलाई 1981

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्त्राक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नटिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री वोरा असगरश्रली श्रब्धुलग्रली श्री जाफरअली असगरश्रली, श्री युसुफश्रली श्रसगरगली, वोरवाड (ग्रन्तरक)
- (2) डा० नवीनभाई नगीनदास पारेख सारसार प्लाट, मोरवी महेशकुमार जयन्तीलाल बाविशी, लीलावती चेम्बर, राजकोट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकारी।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

श्रचलित संपत्ति जो खाराकुंग्रा रोड मोरबी में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 3098-7-8 वर्ग फीट है तथा जिसका पूर्ण वर्णन मोरबी रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 2379/जुलाई 1981 में दिया गया है ।

> जी० सी० गर्ग, मक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (विरीक्षण), स्रर्जन रेंज-I स्रहमदाबाद

तारीख: 3-3-1982

प्ररूप आहू .टी .एन .एस . -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1784/23-I/81-82--श्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 25,000/रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी मं० जी०—1—60 है तथा जो लीमडा लेन, जामनगर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 4-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन. निम्निणियन व्यक्तियों अधीत:——

- (1) श्री रानीवेन एथीयाभाई चारन नाघेड़ी, जामनगर (श्रन्तरक)
- (2) यूनाइटेड शेयर्स लिमिटेड, क्रान्च टाउन होलफे नजदि क जामनगर ।

(श्रन्त[रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थानतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित- धब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मों दिया गया हैं।

जन्सूची

ग्रचलित संपत्ति जिमका कुल क्षेत्रफल 145.02 वर्ग मीटर है, नं० जी०-1-60 तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 2405/4-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

नारीख: 3-3-1982:

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस . -------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1982

निदेण सं० पी० म्रार० नं० 1783/23–I/81–82–– श्रत: मुझे, जी०सी० गर्ग,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ई के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उन्तित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० एच० 4-348 पैकी है तथा जो दिग्विजय प्लाट, जामनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 26) के श्रिधीन 29-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सो, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बृचने में सुनिधा के लिए; आर्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिल व्यक्तियों, अधित् :--

(1) श्री मोहनलाल पूंजाभाई शाह धनानी, विश्विजय प्लाट, शैरी नं० 45-46, जामनगर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वसंतराय जैरामभाई गुलाबराय जेरामभाई श्रौर दो श्रन्य दिग्विजय प्लाट, शैरी नं० 45, जामनगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां किंद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचलित संपत्ति जो दिग्बिजय प्लाट पर स्थित है जिसका सी० एस० नं० एच०-4-348 पैकी कुल क्षेत्रफल 186-64-28 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रिजस्ट्री-कर्ता बिक्रीखत नं० 2641/29-7-81 मे दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 3-3-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

न्नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निद्रीक्षण)

भ्रजन रेंज, भ्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1782/23-/81-82--भ्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

प्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूख्य 25,000/- इ. से प्रिक्षक है

प्रोप जिसकी सं मी एस नं 39 जी-5 पैकी प्लान नं एन है तथा जो पैकी पटेल कालोनी जामनगर में स्थित है (प्रोर इससे उपाबब प्रनुस्वी में प्रोप पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकरण प्रधिकारों के कार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22-7-81 को पूर्वीकर सम्पत्ति के उचित नागार मूल्प से कम के पृथ्यमान प्रतिकल के लिये अस्तरित की गई है प्रोर पृत्ते यह विश्वास करों का कारण है कि पयाप्रवीन मम्बत्ति का उचित वागार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्राधिक है और मन्तरिक (मन्तरिक) प्रोर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्श्य से उसत प्रस्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कियत नहीं किया गया है!---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या मि किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-गुके अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री लालजी भवान, कुल मुख्यार--ह्रागेविद रामजी भगदे, हवाई चौक, जामनगर।

(श्रन्तरक)

(2) श्रा धारजलाल भगवानजी भाई वडागमा पटेल कालोनी, शैरी नं० 7, जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

खकत सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप । --

- (क) इत सूचना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधात्रस्ताक्षरों के पास निखित में किए जा सकेंगे।

ह्पड**ीकरण:—इ**समें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान मी क्ष्मत जो जामनगर में स्थित है जिसका सी ० एस ० नं ० 39-जी - 5 पैकी प्लान नं ० ए-6, प्लाट नं ० 28-2 पैकी ब्लोक नं ० 28-2- छी है। कुल क्षेत्रफल 174.32 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रिजस्ट्रीकर्ती बिकी खत नं ० 2582/22-7-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

निरोख : 3-3-1982

प्रूरूप आहूर. टी. एन. एस ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **269-प (1) के प्रधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1982

निदेश सं०पी० ग्रार० नं० 1781/23-T/81---82---ग्रतः मझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- वपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 4-1-1982 है तथा जो दिग्वजय लाट-7 जामनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्याचय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-7-1981

को पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित प्रम्लरण लिखित में अस्तिक कम से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रकारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अधीत् ≟—— (1) श्री शामल शस मोहनलाल महेंद्र कुमार मोहनलाल, रमेण चन्द्र मोहन लाल श्रीर पांच श्रन्य स्वर्गीय श्री मोहन लाल श्रमरणी कुल मुखत्यार—राजेन्द्र कुमार मोहनलाल न्यु जेल के सामने, जामनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शेखर जिला सिधे। पंचायत की श्रीर से इस्टी, (1) नंदी राम मेहरचन्द परगती (2) जीवनदास तेजुमल सुखेजा श्रीर पांच श्रन्य, श्री शंखर जिला सिधी पंचायत दुस्ट श्रोफिस, खंशालिया नाका बाहर, न्यू दिग्वजय स्कूल के सामने जामनगर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

ष्रचिलत संपत्ति का सर्वे नं० एच०→1-81 है जिसका कुल क्षेत्रफल 266-72-55 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रोकरणकर्ता बिक्रीखत नं० 2596/23-7-81 में दिया गया है।

जीं० संहि गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

दिनांक : 3 मार्च 1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1780/23-1/81-82--श्राः मुझे, जी० सी० गर्ग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका संव सर्वे नंव 207-जं (-1 है तथा जो जासनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रतुसूच। में श्रीर पूर्ण व्य से बणित है); रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जासनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत 23-7-1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उवत अन्तरण निखित्र में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण गे हुई थिशी आय की वाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कीं धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री बृजकुमार कालीदास लीमडा लेन, जामनगर (श्रन्तरक)
- (2) श्री वांसा हरीलाल हीरजीभाई न्यू सुपर मारकेट, जामनगर।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुस्ची

श्रचलित मंपत्ति जो जामनगर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 207-जी-1 पैकी कुल क्षेत्रफल 1250 वर्ग फीट है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रिजर्स्ट्राकर्ता बिक्शिखत नं० 2593/ 23-7-1981 में दिया गया है ।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिवारी सहायक ग्रायकर ग्रायु३न (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

नारीख: 3-3-1982

प्ररूप काई. टी. एन्. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1982

निर्देश मं० पी० द्यार० नं० 1779/23-I/81-82--अतः मुझे, जी० सी० गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० मी० एम० नं० 62, सर्वे नं० 3835 है तथा जो दवाखाना के पिछे, कपील निवास के सामने, राजुला मे स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजुला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-7-1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्विषय से उसते अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अप्रिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उत्कत अधिनियमं की धारा 260-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) श्री राजुला स्थानकवार्सा दशा श्रीमाली जैन संघ की श्रोर में श्री हिमनलाल शामजीभाई वीरा श्रीर श्रन्य मुख्य बाजार, राजुला जिला श्रमरेली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाबुभाई बचाभाई पटेंल श्रीर श्रन्य गाव मोटी मान्दरडी, तालुका राजुला, जिला श्रमरेली (श्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो राजुला में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 362 वर्ग मोटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजुलका रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 1672/11-7-81 में दिया गया है ।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेजमी, श्रहमदाबाद

तारीख: 3-3-1982

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण)

म्रजन रेज∫, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 भार्च 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1778/23-I/81-82--यत: मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 5867 वार्डनं० 4, है तथा जो कनबीवाड, भावनगर में स्थित है (ग्रीर हमसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी के कायलिय भावनगर में रिजस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 23-7-1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दुश्यमान प्रविफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर भ्रग्तरक (भ्रग्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निशिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए: भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 गको अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269- वुकी उपधार (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थाल् :--

(1) श्री रामजीभाई जगजीवन (एच० यू० एफ०) ठाक्रद्वारा स्ट्रीट, फनाकीवाड, भावनगर (भ्रन्तरक)

(2) इन्द्रमतीवेन गभरूभाई पटेल नेरा रोड, कनाबीवाड़, भावनगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क रता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टी तर्ग: -- इसमें प्रयुक्त गाउदों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथं होगा, जो उस ग्रंडवाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मल्कत जिसका सी० एस० नं० 5867 वार्ड नं० 4 है, कुल क्षेत्रफल 93.84 वर्गमीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 1839/23-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी॰ गर्ग सक्षम प्राधिकारी अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजा-, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 2-3-1982

मोहरु 🖫

18-26G1/82

र∙ से प्रधिक हैं।

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

भायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 क) 43) भारा की 269 घ (1) के प्रजीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च 198**2**

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1777/23-1/81-82-भ्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्द भ्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के भ्रशीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्व 25,000/-

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2205-ए है तथा जो कृष्ण नगर भावनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-7-1981

को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एई हैं और मुभ्रे यह विश्वास क्रने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अति इश्यमान प्रतिफल के, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में शम्निक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीविनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य धस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री राजेन्द्र रजनीकान्त मोदी, प्रशांत रजनीकान्त मोदी 8, शंकर भवन, वी० पी० रोड, वीले पारले (वेस्ट) बोम्बे~56, वनमालीदास डी० मेहता गांव डेदाह, वाया-श्रंबा, पीला श्रमरेली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित गोदावरी बेन कानजीभाई पीताम्बर श्रसरा, ब्रह्मशास्त्रीय कन्या छात्नालय, की श्रीर से ट्रस्टी, रमेश चन्द्र हिमतलाल, 2205, ए, कृष्ण नगर, भावनगर (श्रन्तरिती)

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनिष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिष्ठ, जो भी घनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 तिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पठ्योकरण।—इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, जो छक्त घिधिनियम के श्रष्टमाय 20का में परिकाषित है, वहीं घर्ष होगा, जो उस अघ्याय में विया गया है।

जन्त्रची

ग्रचलित संपत्ति जो कृष्ण नगर भावनगर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1753.07 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 519/14-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

तारी**ख** 2-3-1982 **मोहर**≌ प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 2 मार्च 1982

निर्देण सं० पी० ग्रार० नं० 1776/23—1/81-82— श्रतः मझ, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० सर्वे नं० 266 पैकी मी-1, मी-2, एण्ड सी-4 पैकी है तथा जो प्लाट नं० 28 श्रनंतवाडी भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ; रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-7-1981

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ं:— (1) श्रीमति णारदाबेन कृष्णदास संघानी णीकागो (यू० एस० ए०)।

(श्रन्तरक)

(2) श्री जतीन प्राणलाल परीख, 301, ममता को० घ्रो०-हा० सोसायटी, नवीन ठक्कर रोड, बिले पारले (पूर्व), बोम्बे-57।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, ओ भी ग्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित- बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मफ्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गया है।

वनुसूची

मकान मिल्कीत जो भ्रानंतवाडी भावनगर में स्थित है। जिसका सर्वे तं० 266 पैंकी सी-1, सी-2 ग्रौर सी-4 पैंकी प्लोट तं० 28, क्षेत्रफल 288 + 241 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1789/17-7-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-I, स्रहमदाबाद

तारीख 2-3-1982 **मोह**र : प्ररूप् आई. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) को अभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-J, श्रहमधाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च 1982

निर्देण सं० पी० म्नार० नं० 1775 23—I/81—82— श्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूख्य 25,000/-एक. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 2197-की है तथा जो कृष्णनगर भावनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ; रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भाव-नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-7-81

का पूर्विक्स संपित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक कप से किथ्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बुचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं सिआ गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्तं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिहित व्युनितर्यों, अधृति :--

(1) श्री हरी लाल बल्लभदास पारेख की ग्रोर से मुखत्यार वसन्तराय बी० मेहता 30, प्रकृतिकुंज सोसायटी, श्रीयर्स टेकरो, ग्रहमदाबाद-15।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भांतीलाल भिवलाल पटेल श्री परमानन्द भीवलाल पटेल कनबीवाड, धजागा स्ट्रीट, भावनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मील्कत जी डील ड्राइव भावनगर में स्थित हैं जिसका कुल क्षेत्रफल 949.19 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 1760/ 15-7-1981 में दिया जाता गया है ।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमवाबाद

तारीख: 2-3-1982

मोहर 🗵

प्राक्प माई॰ दी॰ एन॰ एस॰-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन 🗓 रेंज श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1791/23-1/81-82---श्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आमकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परथात् 'उनत प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० सनद नं० 213-95 श्रौर 108/73 श्रौर 101/72-73 है तथा जो गोरजीका दहेला, जगमाल चोक, जूनागढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1981

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और ग्रन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिक रून से कांबत नहीं चिया गया है:——

- (क) भग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भौजित्यम के भौजीत कर देने के भग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भीधिनियम, या धन-कर भीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अवः, उस्त ग्रश्विनियम की घारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) को अधीन्, निम्न्लिखित् व्यक्तियों, अधीत् ह⊢- (1) श्री हेमत लाल नेमचन्द दोषी उपरकोट रोड, जूना-गढ

(श्रन्तरक)

(2) श्री जयसुखलाल जीवराज शाह हीतेन ट्रेडिंग कारपी-रेशन महालक्ष्मी स्ट्रीट, जूनागढ़।

(भ्रन्तरिती)

(3) (1) श्रीमित इन्दुमती नेमचंद श्रांबली, महालक्ष्मी स्ट्रीट जूनागढ़ (2) श्री प्रतापराय जमनदास लोढीया गोरजीक सहेला, जगमाल चोक, जूनागढ़ (3) श्रीमित ललीता बेन जमनदास जाढा, गोरजी का दहेला जगमाल चोक, जूनागढ़

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोगमें सम्पत्ति है)। को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धान्य व्यक्ति द्वारा भोधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हीगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका सनद नं० 215.95 श्रीर 108/73 श्रीर 101/72—73, जो गोरजीका दहेला, जगमाल चोक जूनागढ़ में स्थित है तथा जिसका पूर्ण बणन जूनागढ़ रजिस्ट्री-कर्ता बिक्रीखत नं० 2225 श्रीर 2226/9–7–81 में दिया गया है ।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज-, श्रहमदाबाद

तारीख: 11-3-1982

मोहर ः

प्ररुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1790/23-1/81-82 अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाजार मूस्य 25000/- द० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० सव नं० 855/1 है तथा जो बेजलपुर, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अग्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत स्वत अधिनियम के मधीन कर देने के अग्तरक के दायिश्व में जभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (ब) रेसो कियो आर्या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उन्त अग्निनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त अग्निनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के के ग्रदीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अग्नित:— (1) श्री ग्रमृतलाल वशराम भाई "हवा भुवन", बहेराम-पुरा, एस० टी० बस वर्कशाप के नजदीक, श्रहमदा-बाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सूर्यकान्त मनीलाल पटेल मौन रीयांज, श्राश्रम रोड, एलिसबीस, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की घविद्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की घविद्य, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पर्श में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राध्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, को उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अयं होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़ 31 जुंडा, 13431 वर्ग यार्ड है सर्वे नं० 855/1, जो बेजलपुर, भ्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रिजस्ट्री-कर्ता बिक्रीखत नं० 9023, 9023, 9022 भ्रौर 9023/ जुलाई 1981 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 11-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-I, श्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक, 11 मार्च 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1789/23-I/81-82— श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 334 पार्ट (एस० पी० नं० ए) टी० पी० एस० 6, है तथा जो पालडी श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 28-7-1981

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः। अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरमानभाई शंकर भाई पटेल, श्रोल्ड विकास गृह फतेहनगर मोसायटी, पालडी श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) सुवास फलेट श्रोनर्स एसोसिएणन की श्रोर से श्री रजनीकान्त शाह 1602, वीछीकी पोल, मांडवी पोल, श्रास्टोडीया चकला, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर मूचना की तमील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क्षेत्रध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 600 वर्ग यार्ड है जो पालडी में स्थित है टी० पी० एस० 6 श्रहमदाबाद तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 9314/28-7-81 में दिया गया है।

> जी० सी० **गर्ग** सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-J, श्रहमदाबाद

तारीख: 11-3-1982

प्ररूप् आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1788/23—J/81-82— श्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 805 सब प्लोट नं० 3, टी० पी० एम० 3 है तथा जो पैकी कोचरब श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निल्खित उद्देश्य से उच्तु अन्तरण लिखित में वास्तियुक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- ा. (1) कुमारी भ्रनीला चंदुलाल; (2) दिनेश चंदुलाल ;
 - (3) चंद्रकारत चंदुलाल; (4) विश्वत चंदुलाल;
 - (5) कोकीला चंदुलाल; (6) भरतकुमार चंदुलाल;
 - (7) सरस्वतीयेन चंदुलाल~⊸दोसीपाङाकी पोल, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

अन्य सरस्वती एपार्टमेंटस भ्रोनर्स एसोमियेशन प्रमुख— सरस्वती चंदुलाल जवेरी, 'गीरीकुंज', मथुरदास रोड, कांदीपली (वेस्ट), बोम्बे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जो कोचरब, प्रीतमनगर हाल ग्रहमदाबाद में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 3430, 3431, 9393, 9395, 9396, 9457, 9458, 9395 श्रीर 9396/ जुलाई 1981 में (दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

तारीख: 11-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1787-23-- । 81-82--- श्रतः मुक्षे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० सी० एस० बोर्ड —I शीट नं० 60 है तथा जो गोपाल पचाडा मांडवी कच्छ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबक्ष श्रनुसूची मेश्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजिस्ट्री-कर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय माडवी मे रिजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 8-12-1981

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उदयमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- (1) शाह धरमशी प्रेमचन्द गोपाल पचाडा, मांडवी, कच्छ (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमति मालतीक्रेन जयमृखलाल सोनी नवा परा मांडवी, कच्छ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में कि मी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अन्स्ची

मकान मिकत जो माडबी में स्थित है, शीट नं० 60, मी० एस० वार्ड नं० 1 है जिसका कुल क्षेत्रफल 146.53 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन माडवी रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखन नं० 1259/8-12-81 में दिया गया है।

> जीं० सीं० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज J, श्रहमदाबाद

दिनांक: 5-3-1982

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 🔢, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1982

निर्देश मं० पी० आर० नं० 1520/ पत्रवी/23-H/81-82- अतः मुझे, जी० सी० गर्ग

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सिटी सरवे न.ं० 1711 है तथा जो बाबाजीपारा, बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ज्लाई 1981

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः अन्न, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिति व्यक्तित्यों, अर्थातः—— (1) श्री मान्तीलाल कानजीभाई चौकाई और दूसरे लाद-वादा कात्री पोल, बड़ौदा ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री कौणिक चुणभाई पटेल, कुलमुक्त्यार : कीरीन भाई चुणी भाई पोल, 9/602 सामला टौक्स, नापीनस रवड बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त प्रज्वों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अमुस्ची

जमीन और मकान जो बिकीखत नं० 3913 पर जैसे पर जैसे विणित किया गया है और जुलाई 1981 में सब रिजिस्ट्रार बडौदा के कार्यालय में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II श्रहमदाबाद

नारीख: 5-3-1982

प्ररूप आईं, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज ।। श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 5 भार्च 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1530/एक्वी०/23-11/81-82-श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० न० बी० टिका नं० 7/1, एस० नं० 30, है तथा जो काछी पोल, राबुपुरा, बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विण है), रिजर्स्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बडौदा में रिजर्स्ट्रीकरण श्रीधिन-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान जुलाई 1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

क्षत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात हु--

(1) श्रीमित तारागैरी श्रम्बालाल ठाकार, सागर टार्काज, रावुपुरा, ढोर, बड़ोदा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रः छोटाभाई छेनाभाई नाष्पावाना, एम-18, गुजरात हार्जासग बोर्ड, ग्राजबा रोड, बड़ौदा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना ल नाजपन मा प्रकाशन करे लागीए भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन धाँर मकान जो निकीखत नं० 3915-धीर 3916 पर जैसे वर्णित किया गया है, सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा के कार्यालय में जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जीं० मी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , ग्रहमदाबाद

नारीख 5-3-198 । मो**हर** : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 5 मार्च 1982

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 1531/एक्वी०/23-I1/81-82--म्रात: मुझे जी० सी० गर्ग

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बी० टिका नं० 27/3, सर्वे नं० 1/3 है तथा जो प्लाट नं० 43—44, बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ; रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 1(1908 का 16) के ग्रधीन 8-7-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उाचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

(1) श्रीमिति शारदाबेन सभापित श्रायार, 44, शिन्दे कलोनी, नवापुरा, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामन भाई रनछोड़ भाई शाह, श्वामी। सदन, बाबाजीपुरा बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि गाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्वीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

जमीन धौर मकान जो बिकीखत नं० 4026 पर जैसे वर्णिन किया गया है सब रजिस्ट्रार बड़ौदा के कार्यालय में तारीख 8-7-1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज II; भ्रहमदाबाद

तारी**ख** : 5-3-1982।

भोहर :

प्ररूप गाइ. टी. एत. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज ।।, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 5 मार्च 1982

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 1532/vक्वी०/23-H/81-82--श्रनः मुझे जी० सी० गर्ग

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं अमर्थे नं 85 प्लाट नं 18, है नथा जो जेनलपुर, बड़ीदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ अनुसूर्वा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ; रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान जुलाई 1981

को पूर्वो कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कित संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धत प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंकोरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:--- (1) श्री कृष्णकान्त छगनलाल शाह, नारमीजी, पोल बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवाण चल्हा ए० मेहता (एच० यू० एफ०), 705, णारता चेंबूर, न्यू मारिन लैन्स, बाम्बे— 20 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स संपत्ति के क्रार्जन के लिए कार्यवाह्यां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में ं आधान की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सभ्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंद- ब्र्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन भ्रौर मकान जो बिऋत्यित नं० 4076 पर जैसे वर्णित किया गया है बड़ौदा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में जुलाई, 1982 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्गे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज ।। श्रहमदाबाद

तारीख : 5-3-1982 ।

प्रकप आई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की वारा 269-म (1) के सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज ।। ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनाक 5 मार्च 1982

निर्देश स० पी० प्रार०नं० 1533/एक्वी०/23-।।/ 81-82--- अत मझे जी० सी० गर्ग ग्र⊲यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, त्रिसका मुल्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है श्रीर जिसकी स० नं० 28/1 बी० टिका नं० 1/4 है तयाजो वाबाजीपुरा, बडीदा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ; रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय बडौदा में राजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रवीन 10-7-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिद्धी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निक्निलिखित व्यक्तियों अधीत--

(1) सेठाणी कमलावती टोडेरमल, शाय बेछारणी पोल, बडौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सिंह सभा, के ब्रारा ट्रस्टी दीवार सिंह सुरेन्द्रसिंह सन्धू, खानदेरायु मारकेट के पीछे, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझेप:---

- (क) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की भन्निया तालसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भन्निया, जो भो भन्निया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद किसी भन्य स्थावत द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होता जो उन मध्याय में विसा वया है।

नन्त्ची

जमीन भ्रौर मकान जो बिक्रीखत नं 4091 पर जसे वर्णित किया गया है बड़ौदा सब रिजस्ट्रार के र्यालय मे तारीखा 10-7-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग; सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ।।, ग्रहमदाबाद

तारीख :-5-3-1982

मोह्नर 🕃

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1982

निर्देश स० पी० ग्रारं० नं० 1534/maa10/23-11/81-82--श्रतः मुझे जी० मो० गर्ग

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पटि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं सर्वे नं 305/1 है तथा जो रणोली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बड़ौटा में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (198 का 16) के ग्रधीन 13-7-1981

को पृत्रों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि दथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में गृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नुलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थास् :⊶ (1) श्र श्रमृतलाल विभवनदास तम्बाकुवाला राणोली बड़ौदा तालुका ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री दीपकभाई रतीलाल पटेल, राणोली, बड़ौदा तालुका ।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृथाँक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युष्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

तामाकु गोडौण श्रीर कमरे जो राणोली में स्थित है है श्रीर जो बिकीखत न० 4094 श्रीर 4094 पर जैसे वर्णित किया गया है बड़ौदा सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 23-7-1981में रिजस्ट्री की गई है।

> र्जिं० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज ॥, श्रहमदाबाद

ता**रिख** : 5-3-1982 ।

मोहरु

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-च (1) के प्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ।।, श्रहमदाश्राद अहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1982

निदेश नं० पी० आर० नं० 1535/एक्वी/23-11/81-82--- अत: मुझे जी० सी० गर्ग आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-ख के अधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० नं० 3/1 है तथा जो बड़ौदा सिटी में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित बाजार मूस्य से कम के बृध्यमान प्रतिफल के लिए प्रनिरंत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित बाजार मृत्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से ऐसे पृत्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिमत से श्रीक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरित्यों) के बीव ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिका, विम्तिजित छहेज्य ने उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधी। कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रक्रितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रियम, या प्रन-कर प्रक्रितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, छिपाने में सुविधा के लिए;

भिन्नता अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयति :— (1) ललिताबेन पे

(अन्तरक)

(2) श्रीमिती प्रभावेत हरीवल्यभदास रावुपुरा, बडोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ख से 30 दिन की घवधि, को भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दोकरणः - इसमें प्रयुक्त शक्यों और पक्षों का, जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्च होगा, जो उस अध्याय में विया गय है।

अनुसूची

जमीन श्रौर मकान जो विकीखत नं० 4121 पर जैसे वर्णित किया गया है सब रजिस्ट्रार बडौदा कार्यालय में जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जीं० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 5 मार्च 1982

मोहरु 🛭

प्ररूप **आद^{*}.टी.एन्.एस**्-----

माय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-।।, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1982

निवेश नं० पी० श्रार्० नं० 1536/एक्बी/23-॥/81-82----श्रतः मुझे, जी० मी० गर्ग

श्रायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रोर जिसका सं० टीका नं० 1/9, में नं० ए/6 है तथा जो फानहगनण, बडोदा में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद झनुसूची में स्थीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जुलाई 1981

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्ल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; शौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 20-26GI/82

(1) श्री कालुराम चेलाराम ब्रह्माकासित्रय। डाणडिया बाजार, बडौदा

(भ्रन्तरक)

(2) (1) डा० एम० के० श्रीनगर (2) डा० (मिसिस) किरण श्रीनगर दोनों बि—-19/181, जि० मै० डी० सी० कालोनी, माकरपुरा, बड़ौदा-10

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्वों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उसु अध्याय में दिया ग्या है।

धन्सूची

प्लाटस जो फानगनण विस्तार में स्थित है विकीखत नं० 4211 और 4213 बड़ीदा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गई हैं।

> जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- ॥, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 6 मार्च 1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्रायकर रुक्ति वस, 1961 (1861 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-।।, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 6 मार्च 1982

निदेश नं० पीँ० प्रार० नं० 1537/एसवीं/23-11/81-82---प्रत: मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रीर जिसके। सं० नं० 2021. पर्लंट नं० 8, है तथा जो सायाजी-गंज विस्तार, बडीदा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची। में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बडीदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन 30-7-1981

को पूर्वोक्ष्स संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिपन्न को लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफाल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिंबत में बास्तिक रूप से कांभ्त नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिक्ष-ित्यन के प्रचीन कर रेते के प्रन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐंसी किसी भाष या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुश्रिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अधीत् :--- श्रीमती पारवताबेन नानुभाई नायर, कुन्ज सोमाइटी, अलकापुरी, बर्गैदा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री समसुद्दीन सुभानभाई, लोखनडवाला, अलकापुरी, वड्डौदा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि आद में समापन होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारी ख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रब्दीकरण .--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियस के अख्याम 20-क में परिभाषित है, वही अबंहोगा, जो उस अख्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्नेट जो सथाजीगगंज विस्तार में स्थित है। बिक्रीखत नं० 4566 पर सब रजिस्ट्रार बड़ौदा के कार्यालय में तर्राख 30-7-81 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जेन रेज-।। ,श्रहमदाबाद

दिनांक: 6 मार्च 1982

श्रुरूप आर्द. टी. एन. एस.-------

अ। यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 6 मार्च 1982

आयक र अधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिस की मं० 78/1, प्लाट न० 1 है तथा जा जेतलपुर विमार, बड़ौदा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं); रिजम्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, वड़ौदा में रिजर्स्ट्राकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 की 16) के श्रधीन 22-7-1981

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित दृती गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिश्वा से अधिक है और अंतरक (असरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों स्थीतः— (1) श्री पुरुषोत्तम दास जे पटेल

(अन्तरक)

(2) मेमर्स कोई बीम कन्मद्रवगन कम्पर्नाः रेस कोर्म, बडौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकरीं।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उत्स्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

जमीन जेतातपुर विस्तार में स्थित है धौर जो बिकीखान नंज 1348 पर बड़ीदा सब-रजिस्ट्रार के कार्यातप में तारीख 22-7-1981 में रजिस्ट्री का गई है।

> जी। सी। गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर शादान (ए नीक्षण) ग्राजैन रेज-11, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 6-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1982

निर्देश नं पी० ग्रार० नं ० 1539/एक्वी/23-II/81-82----ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिस की सं० हैं तथा जो एक्सप्रैस होटल के पीछे, रेस कोर्स रोड़, बड़ौदा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंति, रितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; सूर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखिल व्यक्तियों, अधीत् उ—

(1) श्रांसती मर्णाबेन ग्रम्बालाल पटेल, नानडलजा, बड़ौदा

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स मेरकुरी फारमेस्यूटिकल इन्डस्ट्रीज, गोरवा, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलकीयत जो एक्सप्रैस होटल के पीछे, रेस कोर्स रोड़, बड़ौदा में स्थित है श्रौर जो बिकीखत जैसे वर्णित किया गया है बड़ौदा सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में जुलाई 1981 में रिजस्ट्री की गई है ।

> र्जी० सी० गर्भ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

विनांक 6 मार्च 1982 मोहर : प्रारूप आई. टो. एन. एस. ---

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1982

निदेश सं० पी० ऋरि नं० 1540/एक्टी/23-II/81-82---

स्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अबीत सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूच्य 25,000/- ध्यये से प्रधिक है स्रौर जिसकी संग्नं 532 (भाग) है तथा जो प्लाट नं 72 (भाग) बड़ौदा कसबा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में स्रौर पूर्ण रूप मे विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जुलाई 1981

को पूर्वीकत सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल हे लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्मत्ति का उतित वाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिकल हो, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल हो पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरहों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीवित्यम, या धन-कर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के के अभीन, निम्निष्टिष्ट स्पृतिस्यों, अभित्रिक्त- (1) स्वस्तिक लैण्ड ग्रीर कारपोरेणन, के द्वारा कुष्णकान्त जयन्तीलाल पटेल, वाडी, छेलबी पोल, बडीदा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गीरीशभाई बाबुभाई शाह, मर्वोदय सोसायटी, निजामपूरा, बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उत्रत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबा किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्यध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 30-क में परिभाषित है, वहीं श्रय होगा, जो उस श्रध्याय में हिया गया है।

अनुसूची

्रजमीन श्रौर मकान जो एस नं० 532 (भाग) प्लाट नं० 72 जैसे बिक्रीखत पर वर्णित किया गया है वैसे बड़ौदा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-II ग्रहमदाबाद

दिनांक : 6 मार्च 1982

मोहर 🖫

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1982

मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारीको यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये में ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी संव नंव 100, 102/3, 104, 165/1, 166/1, 166/2 है तथा जो 167, 168, 169 श्रीर 171, सगाड गांव, गांधीनगर सालुखा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजर्ट्रिकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 17-7-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकृत के निए पनारित की गई है और मुमे यह विष्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्त मम्मित का चित्रतास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्त मम्मित का चित्रता बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दत्र प्रतिशत श्रीधक है और प्रकारक (अन्तरकों) और प्रकारिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रकारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमारण लिखन में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है।——

- (क) भ्रम्तरण से टुई किसी मान की बाबत उक्त भक्षि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या घन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर म्नधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निखिखत व्यक्तियों, ग्रर्थात्।—— (1) श्री जोनेन्द्रा अमृमलाल शेहतः (2) नरेन्द्रा अमृमलाल शेहतः जन्मभूमि चैम्बर्सः, बालचन्द हीराचन्द महिः, बेलाई एमटेटः, वम्बई-400038 ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री अनिल रितलाल बेकरी
 - (2) प्रभून रतालाल बेकरी
 - (3) पंकज रतीलाल खेकरी,
 - (4) श्रीमती चन्द्रिका बेन नरेन्द्रा ल्यास सब रहते हैं ''संस्कृत'' हाई कार्ट के पास, नवरंगपूरा, श्रहमदाबाद-91

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रन्थ क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठित नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन फ्रौर ग्रचल संपत्ति मुणाड गांव में जो स्थित है बिकीखत नं । 1431 ग्रौर 1435 पर जैसे वर्णित किया गया है वैसे गांधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में 17-7-1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० मी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

विमांक: 6 मार्च 1982

माहर 🛭

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-11 ,ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1542/एक्बी/23-II/81-82--श्रातः मुझे जी० सी० गर्ग

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फाइनल प्लाट नं० 477, टी० पी० एस० 1, है तथा जो ग्रानद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 17-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे रह वि व स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण लिखित में वास्तिक हम ने किया नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की वाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; जौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रजट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) पोलसल लिमिटेड,658, डाकयार्ड, बम्बई-10

(अन्तरक)

- (2) (1) श्रहमदभाई हसनभाई.
 - (2) इब्राहीम भाई हसनभाई,
 - (3) ग्रयूबभाई ग्रहमद भाई,
 - (4) प्रब्दुल रहीम प्रहमद भाई, पोलसन डेयरी के पास, भ्रांनद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण ..—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खाली जमोन जो फाइनल प्लट नं० 477 टी० पी० एस० 1 म्रानद में स्थित है मीर जो बिक्शेखत नं० म्रा.२० 1512 पर संपूर्ण विणित में वस्बई सब रिजिस्ट्रार के कार्यालय में तारोख 17-7-1981 में रिजिस्ट्री की गई है।

> जीं० सीं० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-¹I, श्रहमदाबाद

दिनांक 6 मार्च 1982 मोहर : प्ररूप् भाई. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-11, महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं ं नं 296 है तथा जो हंसापुर गांव, पाठान तालुखा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पाटन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रधीन 13-7-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त क्रिमिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य मंकमी करने या उससे बचने में तृतिथा के लिए; और/या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के उनुसरण में, मे, उक्त आधिनियम का धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कान्तीलाल प्रभुदास पटेल पाटन

(अन्तरक)

(2) श्री राजेनकुमार श्ररविन्द कुमार (2) नलीनकान्त नन्दलाल, दोनों पाटन में रहते हैं।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध साद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीन जो हंसापुर गांव में स्थित है बिक्रीखत नं० 1377 पर संपूर्ण वर्णित में पाटण सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 13-7-1981 में रिजस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 8 मार्च 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1982

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 1544/एक्वी/23-I1/81-82-- श्रतः मुझे पी० सी० गर्ग

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्वत बाजार मूल्य 25,000 र रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० नं० 138 है तथा जो सुगडह गांव, गांधीनगर तालुका में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-7-1981

को पृथोंकत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात् :--- 21---26GI/82

- 1 ठाकर फुल्लाजी बछेरजी खुद श्रौर हिन्दु संयुक्त कृटुम्ब के लिये ,
 - (2) भीखाजी फकीरजी खुव श्रौर हिन्दु संयुक्त कुटम्ब के लिये,
 - (3) बाबीबेन फकीरजी,
 - (4) संतोखा, फकीर बछेरजी की विधवा, सब गांव भात, गांधीनगर तालुका में रहते हैं। (श्रन्तरक)
- 2 चौधरी बाबलभाई नत्थु भाई, चोराडा गांव, विजापुर सालुका , (2) शंकरलाल पुन्जीराम, मध्मन गांव,

विजापुर तालुका ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अम<u>ु</u>सूची

जमीन जो एस नं० 138 सुगाड गांव बिक्रीखत नं० 1364 पर संपूर्ण वर्णित में गांधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 7-7-1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 8 मार्च 1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1982

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० नं० 35/2, 35/2, 36/1, 36/2 ग्रौर 36/3 हैं। तथा जो गागडी पटी, पाटण में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं); रजिस्द्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पाटण में रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रिधीन 13-7-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और, अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगं, अर्थात् :--

- . (1) केवलभाई प्रभुदास, जोगीवाडा, पाटण
 - (2) गैंडालाल मफतलाल,
 - (3) कन्हैयालाल मफतलाल,
 - (4) नारायणवाई बछेरदास,
 - (5) ग्रमतलाल बछरदास,
 - (6) श्रम्बाराम ज्योताराम,
 - (7) शंकरभाई पुरुषोत्तम , सब जय चौक पाटान में रहते हैं ।

(अन्तरक)

- (1) हीराभाई बाबलदास, गाजा गांव, पाटान तालका
 - (2) श्रम्बालाल बाबलदास,
 - (3) पुरुषोत्तम केशवलाल, मधुकुज सोमायटी, पाटान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खुला जमीन जो गुगडी पटी बिक्रीखत नं० 1445, 1446, 1447, 1448 श्रीर 1449 पाटान सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में संपूर्ण वर्णित पर तारीख 13-7-1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक 6 मार्च 1982 मोहर:

प्रस्प धाई• टी• एन• एत•---

आयकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ${f x}$ र्जन रेज- ${f I}$ ज, फ्रह्मदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 1254, ब्लाक नं० 1053 है तथा जो छत्राल गांव, कलोल में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलोल में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 13-7-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तर (प्रन्तर कों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितीं) के बीब ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित छदेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/श
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त भिव्यतियम की धारा 269-ग के भनुसरण में,मैं, उक्त भिर्वियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भिर्वान निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— सैयद प्रकबर श्रली फाजुमिया, गांव छत्राल, कालोल तालुका

(भ्रन्तरक)

2: (1) पटेल छगनभाई णंभुदास, कुण्डल गांव,

(2) पटेल मुरेशभाई श्रम्बालाल, गांव वामाज,

(3) रबारी गोविन्द भाई रामजी भाई, गांव छत्राल.

(4) रबारी हरीजीभाई जयसिंहभाई, गांव छक्काल, सब मेहसाना जिल्ला में महवासी है।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति है अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास खिखिल में किये जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा, नो उन श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो छत्नाल गांव बिक्रीखत नं० 773 पर संपूर्ण वर्णित में कलोल सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 13-7-1981 में रिजस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 8 मार्च 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-II, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1547/एक्टी/23-II/81-82---श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रिधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र के से अधिक है ग्रौर जिसकी संग्ने १ 981, 982, 984 ग्रौर 985/1 है तथा जो एफ पि नं ० 69, कलोल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलोल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह बिण्वास करने का कारण है कियथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त ग्रांतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रम्लरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिन नियम के प्रधीन कर देने के प्रम्लरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रम्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ध्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कौं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- 1. (1) भासकभाई जयदेवभाई मुक्ला,
 - (2) रघुदेव मोहनलाल णुक्ला,
 - (3) उरमिल रघुदेव, णुक्ला
 - (4) जयदेव भाई मोहनलाल श्कला,
 - 1 श्रीर 4 में 7, महाराष्ट्रा सोसायटी एल्लीस ब्रिज, श्रहमदाबाद-6,
 - 2 <mark>श्रौर</mark> 3 में 2-ए, सुरेश कालोनी, नानावती हास्पिटल के पास, पारले, बम्बई-56

(भ्रन्तरक)

श्री योगेशकुमार शिवप्रसाद ठाकर,
 कृष्णा कारपोरेशन के भागीदार पीलाजी गुनज,
 मेहसाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो विकीखत नं० धार-801, धार-789 और धार-763 पर संपूर्ण वर्णित में बम्बई सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख जुलाई, 1981 में रजिस्ट्री की गई हैं।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 8 मार्च 1982

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1982

निदेश नं० पी० म्रार० नं० 1548/एक्वी/23-IT/81-82--भ्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूज. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० नं० 537, हिस्सा नं० 2-2 है तथा जो खावाज गांव, गांधीनगर तालुका में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण स्प से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 28-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्युने में सुनिषा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

(1) श्री खोडाभाई नत्यूभाई रेबारी, महेन्दी कूवा, शाहपुर, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री परमानन्द मोहनलाल तलाटी, कल्याणश्वाग, जूना दोर बाजार के पास, ग्रहमदाश्वाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

जमीन जो खवाज गांव में स्थित है बिक्रीखत नं० 1487 पर गांधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 28-7-1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाश्राब

दिनांक : 8 मार्च 1982

प्ररूप मार्ड, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, श्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1982

निदेश नं० पी० घ्रार० नं० 1549/एक्वी/23- $\mathrm{II}/81$ -82— घ्रत: मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० नं० 175 है तथा जो गोली रोड़, बड़ौदा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूचि में स्रोर पूर्ण क्य से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, जुलाई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करूने या उससे स्वाने में सुविभा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:—

(1) नरेन्द्राभाई देशाभाई पटेल श्रौर 9 दूसरे,
 कोठी पोल,
 बडौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री देसाई एपार्टमोंटस की० हाउ० सोसाइटी लिमिटेड । गोती रोड़, बड़ौदा । के द्वारा हरेशभाई फुल्लाभाई श्रमीन (प्रेसीडेंट) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन श्रौर कुर्सी क्षेत्रफल बिक्रीखत पर संपूर्ण वर्णित में बड़ौदा सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में जुलाई 1982 में रिजस्टी की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-I^I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 8 मार्च 1982

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1982

निदेश नं० पी० म्रार० नं० 1550/एक्द्री/23-II/81-82---म्रातः मुझे, जी० सी० गर्ग

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भ्रौर जिस की संव नंव 1248, ब्लाक नंव 926 है तथा जो छन्नाल विल्लेज, कलोल तालुका में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कलोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री सयैद सादुमिया वालुमिया, छन्नाल गांव, कलोल तालुका

(अन्तरक)

(2) मेवाली पल्प ग्रौर पेपर मिल्स (प्रा०) लिमिटेड, के द्वारा पटेल गोविन्दभाई नरिसहभाई, श्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो बिकीखत नं० 798 पर संपूर्ण वर्णित में कलोल मब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 14-7-1981 में रजिस्ट्री की गई हैं।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज—[[श्रहमदाबाद

दिनांक 9 मार्च 1982 मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 19th March 1982

No. A.32014/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public No. A.32014/1/80-Admin.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate as Deputy Controller (DP) on ad-hoc basis for the further period from 1-3-82 to 31-5-82 or until further orders, whichever is earlier. The appointment of Shri M. L. Dhawan as Deputy Controller (DP) is purely on ad-hoc and temporary basis and will not confer upon him any title for absorption or seniority in the grade.

grade.

KULDEEP KUMAR Section Officer for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi, the 25th March 1982

No. A.32014/1/80-Admn.II.—In partial modification of this office Notification No. A.32014/2/80-Admn.II dated 3-3-1982, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Miss Santosh Handa, officiating as Assistant Controller (DP) on ad-hoc basis, to officiate as Deputy Controller (DP) on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission in the scale of pay of Rs. 1100—50—1600 for the period from 1-3-1982 to 31-5-1982, or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Miss Santosh Handa is purely on ad-hoc basis and will not confer upon her any title for absorption or seniority in the grade.

No. A.32012/1/81-Admn.II.-In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated the 13th November, 1981, the Chairman. Union Public Service Commission hereby appoints Shri K. R. P. Nair, a Permanent Senior Research Officer of the office of UPSC to officiate as Officer on Special Duty (I ang.) in the Commission's office on ad-hoc basis for the period from 19-2-1982 to 18-5-1982 or until further orders whichever is earlier.

> P. S. RANA Section Officer for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 15th March 1982

No. P/2424-Admn. III.—Consequent on his having been nominated to the Department of Food on the basis of Com-bined Limited Departmental Examination 1980. Shri Chiranii Ial Iangain, Section Officer of the CSS of Union Public Service Commission is relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 15th March 1982

the 18th March 1982

NO. A. 32014/1/81-Admn. I-The President is pleased to appoint the folloing Selection Grade Personal Assistants of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad hoc capacity with effect from the dates mentioned below:-

S. No. Name Pe		Period	Remarks		
1. Shri I	I. C. Katoch	1-3-1982 to 30- 4-1982 or until further orders, whichever is earlier.	rarily o	y tempo- lown-grad- of Private	
2. Shri T	R. Sharma	Do.	D	o.	
3. Shri S	ham Parkash	Do,	Against chain yac	resultant ancy.	

2. The avove mentioned persons should note that their appointment as Sr. P. A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary

and on ad hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Gd. B of CSSS or for seniority in that grade.

> Y. R. GANDHI Under Sccy. (Admn.) Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th March 1982

No. A/19036/23/78/Ad.V.—The services of Shri Abhay Shankar, Dy. Supdt. of Police on deputation of Central Bureau of Investigation from Uttar Pradesh Police have been placed back at the disposal of Uttar Pradesh Government with from 12-3-1982 (AN).

The 26th March 1982

Kashmit Government with effect from the afternoon of 15th

No. A/19036/2/82/Ad. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police. Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Kali Prasad Mishra, OPS, an officer of the Orissa State Police to officiate as Dv. Supdt. of Police on deputation in Central Bureau of Investigation with effect from the afternoon of 17-3-1982 until further orders.

> R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation New Delhi.

DIRECTOR ATE GENERAL CFNTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 25th March 1982.

No. O. II.1467/80-Estt -The President is pleased to accept the resignation of Dr. Kandra Kesalah, GDO Grad-II (Dy. S.P./Coy Comdr.) in the CRPF w.e.f. 9-3-1982 (F.N.).

No. O.II-1716/82-Estt,--The Director General CRPF pleased to appoint Dr. (Miss) Sncha Latha as J. M. O. (GDO Gr. II) in the CRPF on ad hoc basis w.ef. the F. N. of 11-3-82 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is carlier.

The 26th March 1982

No. O.II-1323/76-Estt.—The President is pleased to allow Shri Santokh Singh Dy. S.P. in the CRPF, to retire voluntarily from service under Rule 43 (d) of CRPF Rules.

2 Shri Santokh Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., 2 Signal Bn., CRPF on 01-3-1982 (FN).

No. O.II-28/77-Estt.(CRPF).—Consequent on his repatriation to narent State i.e. Madhya Pradesh Shri S C. Vidvarthi. IPS has relinquished charge of the Post of DIGP. CRPF, New Delhi in the afternoon of the 20th March 1982.

The 27th March 1982

No. O II-31/76-Fstt. Consequent on his renatriation to Parent State i.e. West Bengal Shri R. K. Trivedi, IPS, has relinquished charge of the Post of DIGP CRPF, Calcutta in the afternoon of the 20th March, 1982

A. K. SURI Assistant Director (Fstt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL

New Delhi, the 24th March 1982

No. 11/102/79-Ad.I(1).—In continuation of this office Notification of even number dated 9-7-1981, the President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Assistant Director of Census Operations, (Technical) to the post of Deputy Director of Census Operations, in the offices as mentioned against their names, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto the 31st May, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

S. No.	Name of the offic	çr	Office in which working
1	2	•	3
1. Shri	O. P. Sharma .		RGI, New Delhi.
2, Shri	M. Panchapakesan		DCO, Tamil Nadu, Madras.
3. Shri	S.P. Sharma .		DCO, A&N Islands, Por Blair.
4. Shri	R.P. Tomar .		DCO, Punjab, Chandigarh.
5. Shri	M. K. Abuja .		RGI, New Delhi.
6. Shri	V.P. Rustagi		RGI, New Delhi.
7. Shri	A.K. Biswas		RGI, New Delhi.
8. Shri .	A. Pyrtah .		DCO, Assam, Gauhati.
9. Shri	Y.G. Krishnamurth	y	DCO, Andhra Pradesh, Hydera- bad.
10. Shri	R.K. Singh ,		DCO, Punjab, Chandigarh.
11. Shri	S.P. Grover .		DCO, Punjab, Chandigarh.
12. Shri	Ram Singh .	•	DCO Madhya Pradesh, Bhopal.
13. Shri	D.N. Mahesh .		DCO, Rajasthan, Jaipur.
14. Shri :	S.C. Saxena .		DCO, Bihar, Patna.
15. Shri .	Ajit Singh .		DCO, Uttar Pradesh, Lucknow.
16. Shri	M. Nagappan		DCO, Tamil Nadu, Madros.
17. Shri :	Phool Singh .		DCO, Uttar Pradesh, Lucknow.
18. Shri	R. K. Bhatia		RG's office, New Delhi.
19. Shri .	A. K. Dutta ,		DCO, West Bengal, Calcutta.
20. Shri l	R.B. Singh .		DCO, Bihar, Patna
21. Shri	H. L. Kalla .		DCO, J&K., Srinagar.
22. Shri	K. S. Dey .		DCO, West Bengal, Calcutta.
	D.P. Khobragade		DCO, Maharashtra, Bombay
24. Shri	S.K. Swain .		DCO, Orissa, Cuttack.
25. Shri	B. Satyanarayana	•	DCO, Andhra Pradesh, Hyderabad.

No. 11/102/79-Ad. 1(2)—In continuation of this office Notification of even number dated 9-7-1981, the President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Assistant Directors of Census Operations to the post of Deputy Director of Census Operation in the office of the Director of Census Operations in states as mentioned against their names, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto the 31st May, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:

Sl. No.	Name of	Officer		Office i	n	which	working
1	2	7	-		-	3	
1. Shri (C.D. Bhatt	•	•	Director of Himacha	_		Operations, , Simla.
2. Shri S	S.L. Bahl			Director of Haryana,			Operations, arh.

The 25th March 1982

No. 11/44/80-Ad.I.—In supersession of this office Notification of even number dated the 19th January, 1982, the President is pleased to appoint Shri K. K. Muhammad, an officer belonging to the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, on a purely temporary and ad hoc basis for a period of one year with effect from the 1st July, 1981 to the 30th June, 1982.

- 2. His headquarters will be at Calicut.
- 3. His services may be terminated at any time at the discretion of the appointing authority, before 30-6-1982, without assigning any reason therefor.

The 27th March 1982

No. 11/74/80-Ad. I.—In supersession of this office Notification of even number dated the 20th January, 1982, the President is please to appoint Shri P. Bhaskaran Nair, a retired officer of the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 1st December, 1981 to the 30th November, 1982.

- 2. The headquarters of Shri Nair will be at Kottayam.
- 3. The services of Shri Nair may be terminated at any time before 30-11-1982 at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

SECURITY PAPER MILL HOSHANGABAD

Hoshangabad, the 20th March 1982

No. 7(58)/13524.—Shri Gurmit Singh, Foreman (Production) is appointed to officiate as Assistant Works Manager in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 20-3-1982 (F.N.) until further orders.

S. R. PATHAK General Manager.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 30th March 1982

No. 6700/A-Admn/130/79-81— The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the under-mentioned, substantive Section Officers (Audit), to officiate as Audit Officers, until further orders, in the offices and from the dates noted against each:

Sl. No.	Name	Office to which appointed	Date of Appointment
	Shri		
1. D. V	enkateswar .	Joint Director of Audit DS, SC, Poona.	18-7 -81
2. K.P.	Ramakrishnan	Jt. Director of Audit DS, EC, Patna.	27-2-82
3. S.K.	Bose	Jt. Diector of Audit (OF) Jabalpur.	29-1-82
4. T. Sr	inivasa .	Jt. Director of Audit DS, WC, Meerut.	29-1-82
	. Vedasubra- nian	Jt. Director of Audit DS, SC, Poona.	12-2-82

R. S. GUPTA
Joint Director & Audit
Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 22nd March 1982

No. 13/A/G.—The President is pleased to grant extension of service to Shri D. P. Chakravarti, Offg. ADGOV

Grade I (Subst. & Permt. Sr. DADGOF/Manager) for a period of 3 months w.c.t. 5th Jan., 1982 (FN).

This office Gazette Notification No. 8/A/G, dated 24-2-82 is nereby cancelled.

V. K. MEHTA

Assit. Director General, Ordnance Fys.

MINISTRY OF COMMERCE, CAVIL SUPPLIES & CO-OPERATION

OFFICE OF THE JOIN'I CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORT

Bombay--400020, the 18th June 1981 ORDER

Subject—Order of Cancellation of Exchange Control Copy of Licence No. P/S/1923951 dated 6-11-1979 for Rs. 50,000/- issued in favour of M.s. Pharmachine Mfg. Co., Bonthay.

916 148039 SSI/AM.80.AU-II/3406.--M/s. No. Order No. 916 148039 SSI/AM.80.AU-II/3406.—M/s. Pharmaching: Mig. Co. 327, Champaktal Industrial Estate, Plot No. 105, Sion (East), Bombay-400022 were granted Import Licence No. P/S/1923951 Dated 6-11-1979 for Rs. 50,000/for import of items shown in Appendix 7 of A.M. 80 policy book for the end product "Punches and Dies for Pharmaceutical Machinery" during April-March 1980 period. They have now applied for duplicate exchange control copy of above licence on the ground that licence has been Lost. above licence on the ground that licence has been Lost/ Misplaced having been registered at Customs House, Bombay but not utilised. The total amount for which the licence was issued is for Rs. 50,000/- only and the total amount for which the duplicate licence required is to cover the balance of Rs. 50,000/- only.

In support of this contention the applicant have furnished an Allidavit on Stamped Paper duly attested by Registrar & Metropolitan Magastrate, Esplanade Court Bombay.

I am satisfied that the original exchange control copy of Licence No. P/S/1923951 Dated 6-11-1979 has been lost after having been registered with Bombay and not utilised and direct that the duplicate exchange control copy of the above Licence should be issued to the Applicant, The original Exchange Control Copy of Licence No. P/S/1923951 dated 6-11-1979 is cancelled.

N. K. JAGTAP

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Jt. Chief Controller of Imports & Exports

Bombay, the 26th November 1981 ORDER

SUBJECT: —Order of Cancellation of Custom: Purpose Copy of licence No. P/S/1445180 dated 23-2-1981 for Rs. 4,81,792, issued in favour of M/s. Refrigeration and Machinery Corporation, Bombay-400080.

No. 1605/AM.81/Auto/SSI/AU-II/6452.—M/s. Order No. 1605/AM.81/Adto/SSI/AU-11/6452.—M/s.
Refrigeration and Machinery Corporation, Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund (West), Bombay-400080 were granted Import I icence No. P/S/1445180 dated 23-2-1981 for Rs. 4,81,792 for import of Appx. 7 items upto Rs. 3,63,342 and Appx. 5 items upto Rs. 1,17,950/- of AM 81 Policy Book for the End product Wire drawing machinery, religing mill for the End product Wire drawing machinery, rolling mill equipment, draw benches, galvanising plant during April-March 1981 period. They have not applied for Duplicate Custom Purpose Copy of the above licence on the ground that the original Custom Copy of the above licence lost/misplaced after having been registered with the Custom House, Bombay and partly utilised. The total amount for which the licence was issued is for Rs. 4,81,792/- and the total amount for which the Duplicate Custom Purpose Copy required now is to cover the balance value of Rs. 184.783. 1,84,783/-.

In support of this contention the applicant have filed an affiidavit on stamped paper duly attested by Registrar, Mctropolitan Magistrate, Bombay.

I am satisfied that the original Custom Purpose Copy of licence No. P/S/1445180 dated 23-2-1981 has been lost after having been registered with Bombay Customs and utilised partly and that Duplicate Custom Purpose Copy of the above licence should be issued to the applicant. The original Custom Purpose Copy of the licence No. P/S/1445180 dated 23-2-1981 is cancelled.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports, For Jt. Chief Controller of Imports and Exports Bombay-400020, the 19th December 1981

ORDER

SUBJECI: Older of Cancellation of Customs Purpose Copy of licence No. P/S/1445738 dated 27-6-1981, for Rs. 12,88,600/-, issued in favour of M/s. Jaisings Plastic Industries, Bombay.

Order No. 194/6275/AM.82/SSI/Auto/AU.II/6764.—Ms. Order No. 194/6275/AM.82/SSI/Auto/AU.II/6764.—Ms. Jaisingh Plastic Industries, Bombay were granted Import Licence No. P/S/1445738 dated 27-6-1981 for Rs. 12,88,600/for import of items shown in Appx. 5 of AM-82 Policy Book for the Fnd Products.—Plastic moulded household utility and other articles during AM-82 period. They have now applied for Duplicate Custom Purpose Copy of the above licence on the ground that the licence has been lost/misplaced after having been registered with the Collector of Customs, Bombay and utilised partly. The total amount for which the licence was issued is Rs. 12,58,600/- and the total amount for which the Duplicate licence required is to cover the balance of Rs. 12,41,257/-. balance of Rs. 12,41,257/-.

In support of this contention the applicant have furnished an allidavit on stamped paper duly attested by the Metropolitan Magistrate, Bombay.

I am satisfied that the original Custom Purpose Copy of licence No. P/S/1445738 dated 27-6-81 has been lost after having registered with Bombay Customs and utilised partly and direct that Duplicate Custom Purpose copy of the above licence should be issued to the applicant. The original Custom Purpose copy of licence No. P/S/1445738 dt. 27-6-81 is cancelled.

N. K. JAGPAT

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Jt. Chief Controller of Imports & Exports

Bombay-400020, the 8th January 1982

ORDER

SUBJECT:—Order of Cancellation of Customs Purpose Copy of licence No. P/S/1926119 dt. 29-10-80 for Rs. 52,094/-, issued in favour of Mfs. Reno Chemicals Pharmaceuticals and Cosmetics Pvt. Ltd. Bombay-400055.

Order No. 353/30789/AM.81/ESSI/AU.II.—M/s. Reno Chemicals Pharmaceuticals and Cosmetics Pvt., Ltd., Bombay Reno House, shantinagar, Vakola, Santacruz (east), Bombay-400055, were granted Import Licence No. P/S/1926119 dated 29-10-1980 for Rs. 52094/for import of Appx. 5 items of AM/81 policy book for the end product Pharmaceutical Products during April March 1980 period. They have now applied for Duplicate Custom, Purpose copy of the above licence on the ground that the original Custom Copy of the above licence lost/misplaced after having been registered with the Custom House, Bombay and partly utilised. The total amount for which the licence was issued is for Rs. 52,094/-and the total amount for which the Duplicate Custom Purpose Copy required now is to cover the balance value of Order No. 353/30789/AM.81/ESSI/AU.II.—M/s. pose Copy required now is to cover the balance value of Rs. 30,976/-.

In support of this connection the applicant have filed an affidavit on stamped paper duly attested by Registrar, Metropolitan Magistrate Bombay, they have also produced the letter no. s/3 2368/81/acu dated 3-10-81 of Asstt. Collector of Customs, showing balance in the licence for Rs. 30,976-

I am satisfied that the original Custom Purpose Copy of the licence No. P/S/1926119 dated 29-10-80 has been lost after having been registered with Bombay Customs and utilised-partly and that Duplicate Custom Purpose copy of the above licence should be issued to the applicant. The original Custom Purpose Copy of the licence No. P/S/1926119 dated 29-10-80 is cancelled.

N. K. JAGTAP

Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Jt. Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 25th March 1982

No. 1/10/72-Admn. G—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amond the Small Scale Industries Organisation [Class I and II (gazetted) posts] Recruitment Rules, 1962, namely:—

- (1) These rules may be called the Small Scale Industries Organisation (Class I and II (gazetted) posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1982.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Small Scale Industries Organisation [Class I and II (gazetted posts] Recruitment Rules, 1962;—
 - (i) for rule 1, the following shall be substituted, namely:-
 - "1. Short title. These rules may be called the Small Industry Development Organisation (Group 'A' and Group 'B' (gazetted posts) Recruitment Rules, 1962;"
 - (ii) in Schedules I to VIII, for the words and figures, "Class I" and "Class II", wherever they occur, the words and letters "Group A" and "Group B", shall respectively be substituted;
 - (iii) in Schedule VI, for item 2, relating to the post of Director (Grade II) and entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

Name of post	Vo, of post	Classification	Scale of	pay	Whether sel- tion post or selection pos	non- direct recruits	Whether bone- fits of added years of service admissible un- der Rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.
1	2	3		4	5	6	6(a)
Director (Gr II) General Administrative Division)	4	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1300 1700.	0-50-	Selection	Not applicable	Not applicable
Education & other qualificati required for direct recruitment	nt Acation	r age and education as prescribed for di ants will apply in the	rect rec-	Period tion if	any r	Method of recruitment or by nd percentage of the led by various metho	deputation/transfer vacancies to be
7		8			9		10
Not applicable.	Not	applicable.	<u> </u>	2 years		promotion failing wideputation.	hich by transfer
In case of recruitment by prom tion transfer, grades from whi deputation/transfer to be made	ch promotion/	If a DPC exists,	what is th	ne compo		Circumstances in white consulted in ma	
11	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	12				13	<u></u>
Promotion: 66% % of the promotion (i) Deputy Director in Management and Sion with three year vice in the grade.	the Industrial Fraining Divi-	A. Group A D motion) 1. Chairman/M 2. DC, SSI 3. Director (Adi B. Group A Di mation.	ember, U. nn)	P.S.C.Cl Mer Men	nairman r nber nber	nsultation with U.P. while selecting an of ment to the post.	•
(ii) 33½% of the promotion Deputy Director in Administrative Di years regular service	n the General vision with 3	 DC, SSI Director (Ac An officer of longing to SC 	appropri	Mate statu	irman ember is be- ember.		

11 12 13

Transfer on Deputation

- (a) Officers from the All India Services
 Group 'A' with 7 years services as such;
 or
- Note: The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval, if, however, these are not approved by by the Commission, a fresh meeting of the DPC to be prosided over by the Chairman, or member of the U.P.S.C. shall be held.
- (b) Officers from the Central Government holding analogous posts or with 3 years service in post in the scale of Rs. 1100-1600 or equivalent; and
- Possessing experience of administration, establishment and accounts matters (period of deputation shall not exceed 3 years).

Norm:—The Small Industry Development Organisation (Group A and Group B (Gazetted posts) Recruitment Rules, 1962 where amended vide notification as under:—

(a) C.S.R. 69	dt. 5-11-1963
(b) C,S.R. 1911	dt. 4-12-1963
(c) C,S.R.	dt, 27-8-1965
(d) C,S.R.	dt. 11-10-1965
(e) C.S.R.	dt. 8-6-1966
(f) C.S.R.	dt. 18-7-1967
(g) C.S.R.	dt. 3-10-1967
(h) C.S.R.	dt. 16-12-1967
(i) C.S.R.	dt. 22-11-1975
(j) C.S.R. 137	dt. 28-2-1977
(k) C.S.R.	dt. 5-9-1977
(I) C.S.R.	dt. 6-1-1978

The 27th March 1982

No. 12(364)/62-Admn.(G):—The President is pleased to appoint Shri K. S. Krishna Rao, Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) SISI, Bangalore as Dy. Director (Mechanical) on ad-hoc basis at SISI, Hyderabad with effect from the forenoon of 8-3-82 until further orders.

The 29th March 1982

No. 12(639)/69-Admn(G).—Consequent upon his reversion from deputation as Specialised Expert on Small Industries Development with the Commonwealth Secretariat under Commonwealth Fund for Technical Co-operation in ST. Lucia, Shri N, K. A. Rao has assumed charge of the post of Director (Gr. I)(Mech.) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi on the forenoon of 18-3-1982

The 30th March 1982

No. 12-(632)/69-A(G).—The Development Commissioner (SSI) is pleased to permit Shri O. C. Richards, Assistant Director (Gr.II) in the office of the DC(SSI), New Delhi. to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from afternoon of 31-12-1981.

C. C. ROY Deputy Director (Admn)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 30th March 1982

No. A-17011/210/82-A6.—The Director General of supplies and Disposals has appointed Shri I. Junior Field Officer in the office of Directorate and Disposals Madras to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Directorate of Inspection. Calcutta with effect from the forencon of 8th March, 1982 and until further orders.

N. M. PERUMAL, Deputy Director (Administration.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 22nd March 1982

No. 2456B/A-19012(3TKM)/80-19B.—Shri T. K. Mondal, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 7-12-81 (AN).

J. SWAMI NATH, Director General, GSI

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 26th March 1982

No. A:12025/3/81(HQ)Admn.L.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Laxmi Datt Vasishta to the post of Industrial Establishment Officer (Stores) in the Directorate General of Health Service, New Delhi in a temporary capacity with effect from 26th February, 1982 (forenoon) and until further orders.

T. C. JAIN, Deputy Director Administration (O&M)

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 15th February 1982

No. 4-3/81Estt(Spl.).—Shri Mohinder Singh, Asstt. Admn. Officer is appointed to officiate in the post of Administrative Officer, Delhl Milk Scheme in the pay scale of Rs. 840-1200 (Group 'B') Gazetted w.e.f. 30-11-1981 (FN) purely on ad-hoc basis for the period of 6 months or till the post is filled up on regular basis which ever is earlier.

No. 4-3/81Fstt(Spl.).—Shri Mohinder Singh, officiating in the post of Administrative Officer on ad-hoc basis is appointed to officiate on a regular basis in the post of Administrative Officer in the pay scale of Rs. 840-1200 (Group 'B' Gazetted), in the Delhi Milk Scheme with effect from 26-12-1981 until further orders,

No 43 81 Est(Spl)—Shri V D Kochiar Ast Acinn Officer is appointed to efficient in the post of Admir to is Officer, Delhi Mik Scheme in the pay since R is 6-20 (Group F Cazittee), with effect from 9 1981 (AN) until further orders

J K APORA Genel Vinner

BIAFH ATOMIC PER PROLEMENT PERS Y VEL FINISION

Bomb, y 5, the 6t 1 M rch 1982

No PA/79(4)/80-3-III—Controller Bh bba Atomic Research Centre appoints Sall attended I in M b dep Naik SGC to of leader is Assistant dependent of error R 600 both in this Research Centre on adjace basis for the graded om November 16 1981 (TN) to February 26 125 (AN)

A SANT JAKUMARA MEN ON D F t al r) K r

TEPAPTMENT OF ATOMIC ENERGY (TOMIC MUJERALS DIVISON)

Hiderab d 500016 the 22nd March 1080

No AMD-1/1/81 Rectt—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Dinesh Kumar Mathur a Scientific Offic /Finitesi Grade 'SB in the Atomic Minerals Division in a traine ary capacity vith effect from foreneon of Mathy 1882 until further orders

No AMD-1/1/81 Rectt—Director Atomic Min 198 Division Department of Atomic Energy hereb appoints Shri Mohan Babu Verma as Scientific Office Inguiser Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of March 8 1982 until further orders

M S P VO Sr Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008 the 25th March 1982

No 05000/R-152 1084—Officer on-Special Daty, Heavy Water Projects appoir's Shri Srinivasia Raman a quasi-permanent Divisional Accountant in the office of Accountant General Tamiliad'i to officiate as Assistant Accounts Officer in Heavy Water Plant (Tutlcorin) on deputation beginntrally for a period of 2 years wield Nevember 21, 1981 (FN) or until further orders

R C KOTIANKAR Admustrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO TAPS the 25th March 1982

No TAPS/2/622/68—Thef Superintendent Talanur Atomic Power Station is pleased to accept the resignet on from service tendered by Shri P Bilikirishnan a permanent SA 'C' and officiating SC/Fnor SB in the same Power Station with effect from 22 3 1982 A

No TAPS/2/365/71—this Scherint ident Tarapur Atomic Power Station is plessed to accept the restauction from service tend ted by Shirk N. Durey is principled SA. C' and officiating SO/Tair SB in the same Power Station with effect from 18.3.1982. AN

ChifAhrnetate ChifAhrnetate

MINISTRY CF TOUTING & C'VT AV'ATION OTHER THE TOUTON AUGUST AND AUGUST AND AUGUST AUGU

New Delbi-3 the 26th Warch 1982

No E(1)05407—The Pesident has been plea ed to an prove proforma promotion of Slin N S Ruisop I r Ne e-orologist Grade II India Meteorological Department to the

pot o Meteoreloust Grade I will effect from 29 12 1979 n the sum De at a few le he wir an depitation with the Central form of Pot

I has is a comman ten of or German of even number (13d \times 3 1 18)

Dency Der Gerent dutes of Director Gerent of Meteorology

OFFICE OF THE DIPEC OR GENE AT OF CIVIL AVE TON

N v D h, the 22rd March 1982

To A32+4/4/27-IC—It commutation of this office Galette Notification No A2 01/1/81 Γ ditted the 22nd to 87 then mean all 1 to 3 me be merold to 100 a so that the N there is a solution of the N

PRIM CHAND,
Asstt Directo of Admn
fo Director General of Civil Aviation

New Dohn tho 17th Warch 1982

No A=310 3/2/80 I I= T = President is pleas d to appoint the following of cell in the globe of Director of Communication in the C vi Avaitable Department in a sibilant /e capacity with effect from the decision and a substant has no mes

S	No Name of th Office D	ate
1	Shri S Balarara, Director of Communication (Planning)	9-2-79
2	Shri T S Venkataraman, Director of Communication (Technical & Maintenance)	31-7-80

S GUPTA,

Deputy Director of Administration

Ne v Delbi the 24th Murch 1982

No A 32013/5/80 EC—In continuation of this Department's Notification No A 32013/5/80 EC dated the 13th April 1981 the President's pleased to continue the ad-hoc appointment of Shii Risal Singh in the grade of Deputy Dir ctor/Controller of Communication for a further period upto 30 4 82 or till the regular appointment to the grade is made whichever is caller

The 29th March 1982

No A 32012/ ^/301C (pt)—The President is pleased to appoint SFri T S Moos d Communication Officer, Aeto Cori Sin Mad r to ne g ade of Senior Communication Offi er on ad-hr. best, for a period of six months wef 12 82 at 1 to post him at the same station

PREM CHAND Assistant Duecto (Admn)

OVERSONS COMMUNICATIONS SERVICE

Ber's 7 to 2011 Mar h 1082

Communicates five the appoints for Kellel Nath R. I power fire To since Pele Force is Security Officer in a firm accessive in the equipment of the control o

P K G NAYAR,
Directo (Ad nn)
for Directo General

(OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Bombay, the 27th March 1982

No. II/3F-7/82—The following Senior Grade Inspectors have on their promotion assumed charge as Officiating Superintendents of Central Excise, Group 'B' in the Collectorate of Central Excise Bombay-II, with effect from the dates shown against their names.

Sr. No.	Name			Date of assumption of charge
(1) Shri]	N. V. Godbole		 ·	19-12-1981 F.N.
(2) Shri 1	R.R. Tiwari	÷		18-12-1981 A.N.
(3) Shri '	V.R. Mannur			22-12-1981 F.N.
(4) Shri 1	N.T. Joseph			21-12-1981 F.N.
(5) Shri (C.K. Mayekar			31-12-1981 F.N.
(6) Shri l	H. A. Gaonkar			31-12-1981 F.N.
(7) Shri I	3.R. Chauroshiy	1		8-1-1982 F.N.
(8) Shri /	A.D. Kate .			23-12-1981 F.N.

No. II/3E-7/82—The following Office Superintendents have on their ad-hoc promotion assumed charge as 'Administrative Officer' of Central Excise, Group 'B', in Bombay Central Excise Collectorate-II, with effect from the dates shown against their names.

Sr. No.	Name		Date of assumption of chargo	
I. Shri S. J 2. Shrimati	. Kapadne S. T. Jadhav	 •••		28-12-1981 (F.N.) 2-1-1-1982 (F.N.)

F. No. 11/3E-7/82.—Shri G. N. Dabake, Superinten-Fycise, Collectorate has expired on 21st February 1982, dent. Central Tycise, Group 'E' in Bombay-II Central

V. K. GUPTA, Collector, Central Excise: Bomb 19-II,

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPCT. OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1986 and of T. Abdul Wahld Training Corporation Private Limited.

Madras-600 006, the 23rd December 1981

No. 6525/560/81.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of T. Abdul Wahid Tanning Corporation Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ULLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu, Madras.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Mittal Industries Private Limited.

New Delhi, the 13th January 1982

No. 3122/644—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mittal Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Maira Industries Private Limited.

New Delhi, the 13th January 1982

No 3205/647.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Maira Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Great Indua Llectronics Private Limited.

New Delhi, the 13th January 1982

No. 3224/648.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the exputation of three months from the date hereof the name of the M/s. Great India Flectionics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Leading Chit Fund &Finance Private Limited

New Delhi, the 13th January 1982

No. 4185/658.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Leading Chit Fund & Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck of the Register and the said Company will be dissolved.

D. N. PFGU, Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Paramount Investment Private Limited.

New Del'ni, the 8th February 1982

No. 5845/2467.—Notice is hereby given pursuant to subsection (1) of action 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of he M/s. Paramount Investment Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. B. SAXENA. Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Shivakrupa Chit Fund & Finance Company Private Ltd.

Bangalore, the 13th March 1982

No. 2647/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Shivakrupa Chit Fund & Finance Company Private 1 mited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P T. GAJWANI Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

In the matter of the Companies Act. 1956, and of M/s. Param Chemi Steels Private Limited.

Jullundur, the 26th March 1982

No. G/Stat/560/3565/10610.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act,

1956, that the name of M/s Param Chemi Steels Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

> Sd/- ILLEGIB! E Registrar of Companies, Punjab, H.P. & Chandiga ii

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay, the 20th February 1982

No. F.71-Ad(AT)/81.—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Income-tax Appellate Pubunal hereby makes the following rules further to amend the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963 :-

- 1. (1) These rules may be called the Income-tax (Appellate Tribunal) Amendment Rules, 1982.
 - (2) They shall come into force immediately.
- 2. For rule 33 of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, the following shall be substituted, namely:
 - before the Tribunal--Except Proceedings cases to which the provisions of section 54 of the Indian Income-tax Act, 1922, and/or section 137 of the Act are applicable and cases in respect of which the Central Government has issued a notification under sub-section (2) of section 138 of the Act, the proceedings before the Tribunal shall be open to the public. However, the Tribunal may, in its discretion, direct that proceedings before it in a particular case will not be open to the public.'
- 3. In rule 34 of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, after the sub-rule (1), the following shall be inserted, namely :

"The Members constituting the Bench or, in the event of their absence by retirement or otherwise, the Vice-President or the President may mark an order as fit for publication.

By order of the Appellate Tribunal

G. P. BAJPAI, Registrar, Income-tax Appellate Tribunal.

INCOMI-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400000, the 27th March 1982

No. F 48-Ac(AT)/1982.—Shri R. K. Ghosh, apetintendent Income-tax Appellate Tril unal, Assistant Superintendent Income-tax Appellate Tril unal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of one month with effect from the 6th January, 1982 vide this office Notification. No. F.48-Ad(AT)/81, dated 7-1-1982, is now permitted to continue to officiate as Assistant Eggistrat, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabao Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity to a further period of six months with called from the 6th February, 1982 of till the post is filled to on regular basis whichever is earlier. Superintendent Bombay up on regular basis, whichever is earlier.

above appointment is ad-hoc and will not upon Sha R. L. Ghosh, a claim for regular appointment in the grade and the se vice tendered by h m on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

B. B. PALHKAR,

President.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQ, RANGE

BANGALORE.

CORRIGENDUM

Publication of cases in the Official Gazette-Subject: regarding-

Reference: This office letter No. CR. 62/Publn/81-82/Acql B dated 16.1.82.

Bangalroe, the 29th March 1982

No. (R. 62/Publin/81-82/Acq./B.—In the notice No. (R 62/31082/81-82/Acq./B dated 2-1-82 published in the Gazette of India dated 6th March 1982 vide page No. 3006 the line "Document No. 1542 on 29-3-81" may be read as "Document No. 1542, on 29-6-81."

MANJU MADHAVAN, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

FORM 1.T.N.S ------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/409,—Whereas, I, ANAND SINCH IRS.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. One house in Kot Baba Deep Singh situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the sail instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any neome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ninmjan Singh s/o Thakur Singh r/o Guru Rum Dess Nagar, Amritsai.
- (2) Sh. Joginder Singh 5/0 Tata Singh r/o house No. 3752 old No. 8508 Gali No. 1, Kot Baba Deep Singh Amritsat.
 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated in Kot Bub. Deep Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4802/dated 21-7-81 of the legistering authority Amritsa.

ANAND SINGH (I.R.S.)

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 9-3-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/410.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot at Circular Road situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—26GI/82

Bhatia w o Lt. Col. Sukhdev Raj r/o Delhi Safoa ganj Enclave.

(Transferor)

(2) Smt. Kuldip Kaur w/o Parabhsharn Singh & Sh. Prabhasharan Singh s/o Gurbax Singh r/o Imperial Hotel Janpath, Delhi

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in movable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring about 348 sq. yds. situated at Circular Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10113/dated 27-7-81 of the registering authorit. Amritsar,

ANAND SINGH (I.R.S.)

Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 9-3-82

Scal:

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/411.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Kothi No. 104 lawrance Road, Amritsar

situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at SR Amritsar in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nimal Mehra w/o Maj. Genl. Kıshan Chand Mehra through Gauri Shanker Mukhtaram, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Vinod Kumar Soni s/o Sh. Saran Dass Soni r/o Kothi No. 104, Lawrance Road, Amiitsar, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential portion of Kothi No. 104 situated on Lawrance Road, Amritsar as mentioned in the scale deed No. 8561 dated 1-7-81 of the registering authority Amritsar,

ANAND SINGH (I.R.S.)

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amiitsar.

Dated: 9-3-82

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/412.—Whereas, J, ANAND STNGH 1RS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One house on Cooper Road, Amritsar situated at Amritsar

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar, in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mehra Khanna Lucky Scheme Amritsar Cooper Mal Road, Amritsar through Rakesh Khanna Managing Director.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Sharma wd/o Sh. Madan Lal Sharma r/o 4-Cooper Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 150-151-152/13-2 situated on Cooper Road, near Bhandari Bridge, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9979/dated 23-7-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH (I.R.S.)

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 9-3-82

Seal:

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1982

Rcf. No. ASR/81-82/413.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. One property on Cooper Road, ASR situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Punam Builders, Rani Ka Bagh Amritsar through Shri Punam Tuli, partner of the firm.
- (2) Smt. Krishna Sharma wd/o Sh. Madan Lal Sharma, r/o 4-Cooper Road, Amritsar.
- (3 As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 150-151-152/XIII-2 situated on Cooper Road, near Bhandari Bridge, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9327/dated 9-7-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH (I.R.S.)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 9-3-82

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/414.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land at Pathankot situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Pathankot in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sushita Devi w/o Late Dr. Parkash Chand Mehta through Mrs. Chand Dewan w/o Sh. Narinder Kumar Dewan r/o Dhangu Road, Pathankot. (Transferor)
- (2) Maj, Harjit Singh Grover c/o S. Kuldip Singh r/o 44-Dodu Colony Industrial Area, Jullundur, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring one kanal situated at Daulatpur Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1299/dated 20-7-81 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH (I.R.S.)
Competent Authority
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 12-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritser, the J2th Merch 1982

Ref. No. ASR/81-82/415.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in July 1981

No. Land situated at Pathankot

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sushila Devi w/o Late Dr. Parkash Chand Mehta through Smt. Chand Dewan w/o Sh. Narinder Kumar Dewan r/o Dhanug Road, Pathankot. (Transferor)
- (2) Maj. Harjit Singh Grover s/o S. Kuldip Singh r/o 44-Doda colony, Industrial Area, Jullundur.

 (Transferee)
- (3) As at SR, No. 2 above and tenants(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 marlas situated at Daulatpur oppst. Patrol Pump Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1368 dated 29-7-81 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsra.

Dated: 12-3 82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 27th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Roha/Aug. 81/579/81-82,---Whereas, J. R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 101, Hissa No. 2 situated at Village Dhatau, Tal. Roha, Dist. Kolaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at SR Roha in Aug. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

1. Sh. Prakashchand Nathmal Jain,
 2. Smt. Nirmalbai Prakashchand Jain,
 At 530, Kanchwala Building,
 5th Floor, Chitrabazar,
 Girgaum Road,
 Bombay-2.

(Transferor)

(2) Colour-chem Limited, At Ravindra Annexe, Dinshaw Vachha Road, 194, Churchgate Reclamation, Bombay-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 101, Hissa No. 2, situated at Village Dhatau, Tal. Roba, Dist. Kolaba.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 199 in the office of the Sub-Registrar, Roha in the month of Aug. 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Dated: 27-2-82

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 27th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Roha/Aug. 81/580/81-82.— Whereas, I. R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 100, Hissa No. IA situated at Village Dhatau Tal. Roha Dist. Kolaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registering Officer at SR Roha in Aug. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under such Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Maneckchand Nathmal Jain,
 Smt. Laxmi Maneckchand Jain,
 Harsha Maneckchand Jain (Minor)
 At 530, Kanchwala Building,
 Floor, Chirabuzar,
 Girgaum Road, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Colour-chem Limited. At Ravindra Annexe, Dinshaw Vachha Road, 194, Churchgate Reclamation, Bombay-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acuisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 100 Hissa No. 1A situated at Village Dhatau, Tal. Roha, Dist. Kolaba.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 200 in the Office of the Sub-Registrar, Roha in August 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated: 27-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 27th February 1982

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Roha/Sept. 81/581/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 96, Hissa No. 1+2A situated at Village Dhatau, Tal. Roho, Dist. Kolaba

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR. Roha in Sept. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—26GI/82

(1) Shri Ganeshmal Nathmal Jain & Other 4, 530, Kanchwala Building, 5th Floor, Chirabazar, Girgaun Road, Bombay-2.

(Transferor)

 Colour-chem Limited, Ravindra Annexe, Dinshaw Vachha Road, 194, Churchgate Reclamation, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 96 Hissa No. 1+2A situated at Village Dhatau, Tal. Roha Dist. Kolaba.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 203 in the office of the Sub-Registrar, Roha in the month of Sep. 81).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated: 27-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 27th February 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Roha/Sept. 81/582/81-82 — Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 101 Hissa No. 1 situated at Village Dhatau Tal. Roha, Distt. Kolaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Roha in Sep. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Shantilal Nathmal Jain, Smt. Sumitra Shantilal Jain, Yasika Shantilal Jain (Minor) 530, Kanchwala Building, 5th Floor, Chim Bazar, Girgaum Road, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Colour-chem Limited. At Revindra Annexe. Dinshaw Vachha Road, 194, Churchgate Reclamation, Bombay-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 101, Hissa No. 1 situated at Village Dhatau, Tal. Roha, Dist. Kolaba.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 207 in the office of the Sub-Registrar, Roha in

Sep. 1981),

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Dated: 27-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 4th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/July 81/598/81-82.— Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shet S. No. 163/2 situated at Mouje Mehrun Tal. & Dist. Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), uas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Jalgaon in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reisons, namely :--

(1) Sh. Bhagwat Ananda Kolhe & Others 5, 437, Vitthal Peth, Jalgaon.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Gopal Ramdas Patil, 2. Sh. Nilkanth Ramdas Patil,
 - 3. Sh. Ranjit Kumandas Ved, 4. Sh. Pushpa Narendra Ved, 5. Sh. Jayant Ganesh Patil,
 - 6. Sh. Mandakini Ganesh Patil,
 - 7. Arun Govinda Mahajan, 8. Sh. Rajshekhar Bhagwat Choudhari, 9. Sh. Madhay Govinda Patil.

Ring Road, Subhash Wadi, Jai Vipay, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land occurring Shet S. No. 163/2 situated at Mouje Mehrun, Tal, & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2855 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon in the month of July 1981).

> R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poona.

Dated: 4-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 4th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Bombay/July 81/599/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P. No. 22 T.P.S. Lonavala situated at within Lonavala Municipal Council,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Bombay in July 81

for such transfer as agreed to between the parties has not been value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Razia Quisar Ali Quisar Ali,
 O01, Green Acres,
 61B, Pali Hill, Bandra,
 Bombay-400 050.

(Transferor)

 Badruddin Taherally Halwadwalla, 69, Pakmodia Street, Bombay-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing final plot No. 22 T.P.S. Lonavala I situated within Lonavala Municipal Council.

(Property as described in the sale deed registered under document No. R774 in the office of the Registrar, Bombay in July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Dated: 4-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 6th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR Karvir/July 81/600/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.S. No. 208B, Hissa No. 1/3 situated at Gokul-Shirgaon Tal. Karvir Dist. Kolbapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Karvir in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Prakash Trimbak Gore, At Gokul-Shirgaon, Tal. Karvir, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

 (2) Sh. Dadasaheb Bnaurao Shinde, Unity Metal Works, 2079C, Bharat Co-op. Housing Society, 20
 Plot No. 46, Rajarampuri 9th Lane, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing R.S. No. 208B Hissa No. 1/3 situated at Gokul-Shirgaon, Tal. Karvir, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2389 in the office of the Sub-Registrar, Karvir in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Dated: 6-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 4th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/July 81/602/81-82.— Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Shet S. No. 58/2 & Shet S. No. 58/4 situated at Mouje Khedi Bk. Tal. & Dist, Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Jalgaon in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nansfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Supdu Nathu Bari 2. Shri Shankar Nathu Bari. Shri Nathu Tapiram Bari. Vitthal Peth, Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shti Omprakash Sitaram Agrawal, Partner of Saibaba Development Corporation Jalgaon, 122, Navi Peth, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet S. No. 58/2 and 58/4 situated

at Mouje Khedi Bk. Tal. & Dist. Jalgaon,
(Property as described in the sale deed registered under
document No. 2958 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon in the month of July 1981).

> R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poons.

Dated: 4-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF FICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE-1 Pune-1, the 6th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Karvir/July 81/603/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 67 situated at Pratibhanagar Co-op.

Housing Society Ltd., Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR. Karvir in July 81

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Vinayak Dattatray Lingnurkar, Through Hemant Vinayak Lingnurkar, A2/23 Rambaug Colony, Pune-400 030.

(Transferor)

(2) Sh. Uday Bhaskarrao Suryavanshi, C.S. No. 1683; E-Ward, Rajarampuri, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 67 situated at Pratibhanagar Co-Op. Housing Society Ltd. Kolhapur. (Property as described in the sale deed registered under document No. 2474 in the office of the Sub-Registrar, Karveer in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Dated: 6-3-82

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 8th March 1982

Ref. No. 1AC/CA5/SR Roha/July 81/604/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 100 Hissa No. 1B situated at Village Dhatau, Tal. Roha, Dist. Kolaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Roha in July 81

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Sh. Kantilal Nathmal Jain & Other 4, 530, Kanchwala Building, 5th Floor, Chira Bazar, Girgaum Road, Bombay-400 002.

(Transferor)

(2) M/s Colour-Chem Ltd. Ravindra Amexe, Dineshaw Vachha Road, 194, Churchgate Reclamation, Bombay-400 020,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 100 Hissa No. 1B at Village Dhatau, Taluka Roha, Dist. Kulaba admn. 9889 sq. mts. (Property as described in the sale deed registered under document No. 189 in the office of the Sub-Registrar, Roha in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Dated: 8-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 8th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Roha/July 81/605/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 96, Hissa No. 1+2B situated at Village Dhatau, Taluka Roha, Dist. Kulaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Roha in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-26GI/82

- Sh. Ratanchand Umaji Nathmal Jain & Others 5, 530, Kanchwala Building, 5th Floor, Chira Bazar, Girgaum Road, Bombay-400 002
- (2) Coloui-Chem Ltd., Ravindra Annexe, Dinshaw Vachha Road, 194, Churchgate Reclamation, Bombay-400 020.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 96, Hissa No. 1+2B situated at Village Dhatau, Taluka Roha, District Kulaba.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 190 in the office of the Sub-Registrar, Roha in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated: 8-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PUNE-1

Pune-1, the 8th March 1982

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Ahmednagar/July 81/606/81-82.—Whertas I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. C.S. No. 253, Mun. No. 7291,

situated at City Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at SR. Ahmednagar on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Ahmednagar Imarat Co. Ltd. President Shridhar Rangnath Tamboli, Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shri Tikamdas Ghanshyamdas Gujrathi, At Adatebazat, Ahmeduagai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 353, Mun. No. 7291, situated at City Ahmednagar.

(Property as described in the salt deed registered under document No. 1960 in the office of the Sub Registrar, Ahmednagar in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge, Poona

Date: 8-3-1982

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 8th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Satara/July 81/608/8182.—Whereas I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 66, 63/12, 63/15, situated at Mouja Karanje, Tal. & Dist. Satara (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Satara in July 1981

101 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Smita Shankar rao Desai, r/o Satara Camp, Satara.

(Transferor)

 Shri Haribhai Narayan Panwal, r/o Daulatnagar, Sevasadan, Satara

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing R. S. No. 66, 63/12, 63/15, situated at Mouje Karanje, Tal. & Dist. Satara.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1793 in the office of the Sub Registrar, Satara in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date : 8-3-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 8th March 1982

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Nasik/July 81/612/81-82.—Whereas I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No 233-3-3 C.S. No. 2588, situated at Deolali, Nasik Road, Dist. Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering

Officer at

SR. Nasik on July, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dinanath Bapubhai Talajiya, r/o Old Tambat Ali, Nasik.

(Transferor)

Sou, Sunitadevi Subhash Sharma.
 Shri Subhash Sundarlal Sharma,
 Ambedkar Road, Prakash Hotel,
 Nasik Road, Dist. Nasik.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said îmmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 233-3-3 C.S. No. 2588, situated at Deolali, Nasik Road, Dist. Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2782 in the office of the Sub Registrar, Nasik in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poons

Date · 8-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 12th March 1982

IAC/CA 5/SR. Nasik/July 81/620/81-82.-Ref. No. Whereas I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 870/3, Plot No. 21 to 25, situated at Near Bombay Agra Road, Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Nasik on July, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Madhav Tabji Maru, At Shivaji Road, Nasik City-1, 2. Shri Tabji Palji Maru

 - 2. Safri Tabji Palji Maru
 3. Shri Jivraj Tabji Maru
 4. Shri Keshavji Tabji Maru
 5. Shri Arun Tabji Maru
 6. Shri Premji Tabji Maru
 7. Shri Prakash Tabji Maru
 8. Shri Ramesh Tabji Maru All r/o Shivaji Road, Nasik.

(Transferors)

(2) Shri Nagesh Umanath Bhat & Others 5, At Patna (Bihar State).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 870/3, Plot No. 21 to 25, situated at Near Bombay-Agra Road, Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3274 in the office of the Sub Registrar, Nasık ın the month of July, 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 12-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune 1, tho 12th March 1982

Ref. No IAC/CA 5/SR. Miraj-T/July 81/620/81-82 — Whereas I, R k AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S No 19/2

situated at Kupwad, Tal Miraj, Dist Singli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Miraj I on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liebility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

 Shri Shabbir Ismail Shaikh, r/o Kupwad, Tal Miraj, Dist Sangli

(Transferor)

(2) Sou Ashalata Annasaheb Upadhye,
 r/o Kupwad,
 Tal Miraj, Dist Sangli

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used Lerein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing S No. 19/2, situated at Kupwad, Tal Miraj Dist Sangli (Property as described in the sale deed registered under document No. 1595 in the office of the Sub Registrar, Miraj I in the month of July, '81)

R K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona-

Date 12 3-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Pune-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Miraj-Π/July 81/625/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 238 situated at Miraj, Dist. Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Mirai-II on July 81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dilip Narayan Patwardhan & Others 2, Brahmanpuri, Miraj (Distt. Sangli).

(Transferor)

(2) Shri Narayan Bhairu Mandale. Malabhaag, Mirai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing R. S. No. 238 situated at Miral, Distt. Sangli.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1291 in the office of the Sub Registrar, Miraj-U, in the month of July, 1981).

R. K. AGGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 12-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I PUNE-1

Pune-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Jalgaon/July 81/628/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shet Gat No. 371 situated at Mouje Manyar Khede Tal. & Dist. Jalgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Jalgaon on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Abhaykumar Ramchandra Joshi, 144, Navi Peth, Jalgaon.

(Transferor)

(2) Jalgaon Aatonagar Company B-Group Jalgaon, Partner Shri Damodaran Chhatu Malbari, Nerinaka, Zilla Peth, Jalgaon.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet Gat No. 371 situated at Mouje Manyar Khede, Tal. & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2211 in the Office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of July, 1981).

R. K. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poone

Date: 12-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 25th February 1982

Ref. No. AR-II/3208/81-82.—Whereas, I,

A. H. TEJALE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 167 TPS III situated at Vile Parle

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 17-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26-26GI/82

(1) Shrı Rajendra Kantilal & Smt. Kantaben Kantilal. (Transferor)

(2) Shri Shantilal H. Vaid.

(Transferee)

(4) Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the registered deed No. S-879/78 and the same is registered with Sub-Registrar, Bombay on 17-7-1981.

A. H. TEJALE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 25-2-1982.

(1) Ram Nagar Trust No. 1

(Transferor)

(2) Municipal Employees Trupti Co-operative Housing Society Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Members of the society.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 25th February 1982

Ref. No. AR.II/3212-13/81-82.—Whereas, I, A. H. TEJALE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 20 S. No. 8 to 13 situated at Magathane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 21-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S. 41/80 and the same is registered with sub-registrar, Bombay on 21-7-1981.

A. H. TEJALE, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 25-2-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(1) East Andheri Co-operative Housing Society Ltd.

(2) 'Deep Sagar' Bank of Baroda Employee Co-op. Soc. Ltd

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th March 1982

Ref. No. AR-III/2001-7/81.--Whereas. I. SUDHAKAR VARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 1, 2, 3 & 4 S. No. 29, H. No. 1 (pt.) S. No. 26A, H. No. 3 situated at Village Gundavli Andheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 21-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-656/74 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 21-7-1981.

> SUDHAKAR VARMA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-3-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th March 1982

Ref. No. AR-JUI/ $\frac{1999}{5}$ /81-82.—Whereas, I,

SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 233, Old Plot No. 81 C.T.S. No. 5779, New Plot No. 220, situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-7-1981 Document No. S-989/81,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pundlik Arjun Kadam.

(Transferor)

(2) Mesers. K. K. Putel and Sons.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-989/81 and registered on 13-7-1981 with the Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 4-3-1982

(1) Shri Anil Kumar Saxena.

(Transferor)

(2) Shri Chamanlal Chowla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1982

Ref. No. TR-128/81-82/SL 604 IAC Acq.R-UCal.— Whereas, I M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 13 situated at Kyd Street. Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-8-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concessment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Flat No. 5 on the 4th floor at 13 Kyd Street, Calcutta-16 measuring 743 sq. ft. vide Deed No. 7191, dated 26-8-81 registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta
> 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-7,00016

Date: 15-2-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

1040-0111011 122-1-1

Calcutta, the 5th March 1982

Ref. No. TR-85/81-82/Sl.602 IAC|Acq.R-1|Cal. Whereas, I M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/1 & 6, 2 situated at Suddar Street and Stuart Lone, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-7-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mathura Nath Sett.

(Transferor)

- (2) Mrs. Shirian Bai Ali Hussain Ahmedabadwala.
 (Transferee)
- (4) Beiov Kumar Sett (1/2 share owner).

 (Persons whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/2 shares of 6, Suddar Street, III storeyed Building (area 5K 14Ch. 3 sft.), 5/1 Sudder St. II storeyed building (area 11K 15Ch. 42 sft.), 2 Stuart Lane, I storeyed office of Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 5887.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-7,00016

Date : 5-3-1982

Seal

FORM I.T.N.S.---

(1) Gour Mohan Seth & Ors.

(Transferor)

(2) Sri Rabindra Nath Kundu.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 4th March 1982

Ref. No. 1029/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15 situated at Simla Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 17-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied building with land about 3 cottahs 9 chittacks 14 sq. ft. situated at 15, Simla Street, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-7,00016

Late: 4-3-1982

(1) Shri Gopal Chandra Sett & ors.

(Transferor)

(2) Shri Hanuman Das Khettry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1982

Ref. No. TR-89/81-82/SI 603 IAC|Acq.R-I.Cal.—Whereas, I M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9D situated at Ganguly Lanc, Calcutta-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 7-7-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Partly two and partly three storeyed building at premises No 9D, Ganguly Lane. Calcutta-7 on land measuring 1 cottah 3 chittacks 33 sq. ft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No 5650 dated 7-7-81.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwar Road, Calcutta-7,00016

Date: 5-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(4) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CAICUTTA

Calcutta, the 8th March 1982

Ref. No. 1030/Acq R-III/81-82.—Whereas, I M AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 22,000/- and bearing

No. 37 situated at Bellygunge Terrace, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-81

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—27—26GI/82

(1) Ramapati Guin

(Transferor)

(2) Sii Amarnath Guin

(Transferce)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of the piece or parcel of land measuring 5 cottens 2 chittacks with building situated at 37, Ballygunge Tenace Colcutta

M, AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-UI
54, Rafi Ahme I Kidy ii Road, Calcutta-7,00016

Date: 8-3-1982

(1) Rampati Guin

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th March 1982

Ref No 1031/Acq R-III/81-82 - Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No 37 situated at Ballygunge Terrace, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsect (n (1) of Section 269D of the said Act, to the followang persons, namely -

(2) Sri Sachipati Guin

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicetion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of the piece or parcel of land measuring 5 cottahs 2 chittacks with building situated at 37, Ballyugunge Terrace, Calcutta

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmod Kidwai Road, Calcutta-7,00016

Date : 8-3-1982 Seal .

(1) Ramapati Guin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Balinakasha Guin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th March 1982

Ref. No. 1032/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 37 situated at Ballygunge Terrace, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapetr.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/12th share of the piece or parcel of land measuring 5 cottahs 2 chittacks with building situated at 37, Ballyugunge Terrace, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-7,00016

Date: 8-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th March 1982

Ref. No. 1073 Acq. R-111/81-82—Whereas, I. M. AHMAD being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ro. 25,000/- and bearing

No 5/1D situated at Deshapriya Park East, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratoin Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at calcutta on 18-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been taily stated in the said instrument or transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely: ~

(1) Sint, Gita Mitra & Sri Parth Mitra

(Transferor)

(2) Sm Ava Banerjee

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, winchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Instrumentation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or patcel of land measuring 5 cottahs 2 chittacks situated at 5/1D, Deshapriya Park East, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-7,00016

Date : 8 3-1982 Shal :

(1) Sm. Birra Mukherjee & ora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Sandhya Mukherjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th March 1982

Ref. No. 1034/Acq R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28 situated at Rahim Ostagar Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 4 cottahs 7 chittacks 39 sq. ft. situated at 28, Rahim Ostagar Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 8-3-1982

(1) Ram Gopal Shaw Estate (P.) Ltd.

may be made in writing to the undersigned :---

(2) Sri Banwarilal Lohia & ors.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th March 1982

Ref. No. 1035/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 9B situated at Esplandade Row East, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 5 cottahs 15 chittacks with building situated at 9B, Esplanade Row East, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 10-3-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Ram Gopal Shaw Estate (P.) Ltd.

(Transferor)

(2) Ram Kishan Dhanuka Charity Trust,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th March 1982

Ref. No. 1036/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9C situated at Esplanade Row East, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 5 cottahs 15 chittacks 30 sq. ft. with building situated at 9C, Esplanede Row East, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 10-3-1982

Soal:

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1982

Ref. No. 1037/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 20 situated at Kusthia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Calcutta on 27-7-81

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mt. Sultan Ahmed & Md. Samsad Ahmed & ors.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 4 bighas 7 cottahs with building situated at 20 Kusthia Road, Calcutta.

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 11-3-1982

FORM I.T.N.S.———

(1) Sri Dhlrendra Nath Sett.

(Transferor)

(2) 1. Sm. Chandra Devi Bothra

2. Sm. Purnima Bothra 3. Sm. Indu Bothra.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1982

Ref. No. 1038/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 45 situated at Chittaranjan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—28—26GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of 1 ad measuring 7 cottahs 5 chittacks 37 sq. ft, with structure situated at 45, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 12-3-1982

Senl

FORM I.T.N.S.

(1) Haradhan Kundu

(Transferor)

(2) 1. Shew Murath Show 2. Ram Balli Show

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1982

Ref. No. 1039/Acg. R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1B situated at Madhab Das Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2 cottabs 3 chittacks 33 sq. ft, with building situated at 1B, Malhab Das Lanc, Calcutta-6.

M. AHMAD
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-7,00016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1982

(1) Smt. Rani Chatterjee.

(Transferor)

(2) Smt. Arati Ganguly.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1982

Ref. No. 1040/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1B situated at I ovelock Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutt, on 23-781

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2 cottahs 14 chittacks 38 sq. ft. with tolly-shed room situated at 1B, Lovélock Place, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-7,00016

Date: 12-3-82 Seal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Tarulata Rudra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Samir Biswas 2. Soumitra Biswas,

(Trausferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1982

Ref. No. 1041/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 58B situated at Puddopukur Road and 34, Subarban School Row, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 9-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/7th share in immovable property at 58B, Puddapukur Road and 1/14th share in 34 Subrarban School Row, Calcutta and agricultural land and house at Jangipara, Dist. Hooghly.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-7,00016

Date: 12-3-1982

FORM INTS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderahad, the 4th March 1982

Rel No RAC 261/81 82—Whereas, I S GONDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No 20 Acrs situated at Gachi Bowli Rajendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R R Dt on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any nicome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Smt H Shinta W/o R Hemiaj 3 4 376/11 Lingampaliy, Behind Basanth Talkies, Hyderabad

(Transferor)

(2) M s The Fertilizer Corporation of India Employees co op Housing Society Ltd (Reg No ΓAB 280) Secretary Sri D Lakshminarayana 10 104 Sripuri Colony, Maulali, Hyderabad 40

(Transleree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

20 Actes of land in Survey No. 124 & 125 at Gachibowh vill ge Rajendranagir Taluk R.R. Dt. registered with Sub-Registrar Rangureddy District vide Doc. No. 4453-81

S GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date 4 3-82, Seal,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

fycerabad, the 4th March 1982

Act. Sc. RAC 262/81-82 'Viteress, J. S. GOV NDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1962) hereinafter referred to as the 'said Act'), have maken a college that the immovable populty having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Open plot situated at Mass btank

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at Khairataba, on Sept 8

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the if-cleared property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument outransfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. L. Verkat Subbalah S/o Sri Laxminarayana Gupta 11/342 Main Bazur Proedatur, Cucdepah Dt.

(Transferor)

(2) Dr. Mond. Shahasi Gir Sir iqu. S/o Sri Mohd. Shahasi Gir Sarqu (G.F.A. Mohd. Ladardan ad Equ.) 3-4-663/36 Natayanguda Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 cays from the date of publication of this notice in the toffinal Bazete er a period of 30 days from the service of notice en the respective persons, whichever period expire later;
- (t) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FX' AMAGEEN. - Fig. with and exercision used herein as one do in do in chapte XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot 650 sq. yard, at Masab Tank Highlevel in W. No. 10 B. No. 3 registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 1925 81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date: 4-3-82.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th Match 1982

Ref. No. RAC 263/81-82.-Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vilue exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D. R. Maha) situated of Theatre at Timpathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferrel under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathi on Ju'y 81

for an approent consideration which is tess than the fair mo ket value of the afor "said r operty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agre d to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) 1. Sri Duggandla Rami Reddy S/o Peda Muni Reddy
 - 2. Sri D. R. Purushotham Reddy 3. Sri D. R. Subrahmanya Reddy

 - D. R. Karunak ir Reddy
 D. R. Venkatadri Reddy
 D. R. Mohan Rami Reddy

 - 7. D. R. Kumaraswami Reddy 8. M. Subbaretnamma W/o Subba Rami Reddy 464 Bandla Vecdhi Tirupathi

(Transferor)

- (2) 1. Sri Vakucherla Venkata Muni Chetty S/o Veeraswamy Chetty V. Municatnam Chett/
 - S/o Venkata Muni Chetty
 - 4. V. Purardhar Mad Srit. V. Kusmalatha Piakusam Road, Tirupathi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove sle property, within 45 days from the Cfficial Gazetto.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Cuapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Theatre Building by name "D. R. Mahal" in J. S. No. 132/ 4-5 ward No. 10 Door No. 305/14 Govindaraja Puram Near Hnd choultry Tirupathi registered with Sub-Registrar Thirupathi vide Doc. No. 3509/81.

> 5. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-82,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th March 1982

Ref. No. RAC 264/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Pedda Harijanwada, Chittor

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chittoor on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. B. M. S. Nageraj S o Late M. Balakrishna Naidu Door No. 14 Loco works Road, Yawaharnagar Madras City, Madras-600082.

(Transferor)

(2) Smt. Uppu Induamma W o Rajubather Naidu 10-2-/2-32 Doroswamy Iyyengar Road, Chittoor, A P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land 1.257 sq. yards in survey No. 552/2B adjacent to Pedda Harijanwada Chittoor registered with Sub-Revistrat Chittoor vide Doc. No. 6704/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-3-82, Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 10th March 1982

Ref. No. RAC 265/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. Office situated at Sagarview Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

29-26GI/82

(1) M/s. Swastik Builders 1-2-524/3 Domalguda Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri P. Lukshminaiayana S/o P Rajaiah 15-8-417/1 Feelkhana, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 320 (50%) in HIrd floor Sagarview 1-2-524/3 Domalguda Hyderabad area 1,218 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 4789/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-3-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 11th March 1982

C. R. No. 62/31384/81-82/ACQ/8.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Com-MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acqunisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (Old)7-A, Later numbered as 11 and now as No. 52 situated at Church Street, Bangalore-560001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shiyajinagar, Doc. No. 1282/81-82 on 17-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. K. N. Harikumar, K. N. Tilak Kumar, K. N. Shantha Kumar and Smt. Jambavathi Nettakallappa. No. 173, Subbaramiachetty Road, Basavanandi, Bangalore-560 004

(Transferor)

(Transferee)

- (2) M/s, K. N. Hari Kumar Investments (Pvt.) Ltd., No. 174, Subbarame Chatty Road, Basayanagudi, Baag love-560 004
- (3) The Printers (Mysole) Private 1td., No. 16, Mahatur Flordhi Pord, Bangalore-560 001.

(Petson(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1282/81-82 Dated 17-7-'82]

Land bearing Old No 7-A, later numbered as 11 and new as 52, Church Street, Bangalore-1, bounded on the East by property belonging to Higgin Bothams (Pvt.) Ltd., West by property belonging to Lady Thambu Chetty, North by Property No. 15 & 16, Mahatma Gandhi Road, and South by Church Street.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 11th March 1982

C. R. No. 62/31393/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

612, situated at H.A.L. Hnd Stage. Indiranagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Doc. No 1426/81-32 on 31-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ruoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Phillips Levis, No. 381, 16th Main, Hosahalli Extension, Bangalore-560 040.

(Transferee)

(2) Shri Charles Victor Lewis, No. 381, 16th Main Magadi Road, Magadi Road, Prosahalli Extension, Bangalore-560 040.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1426/81-82 Dated 31-7-'81] No. 612, H A L. Hnd Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-3-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1712 Acq. 23-I/81.82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-S. No. 85-3, Plot No. 15, situated at

Kyshod, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Keshod in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ':—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Patel Arjan Ladhabhai Ruparalia;
 Behind Amratnagar, Keshod, Dist. Junagadh.
 (Transferor)
- (2) Goswami Enterprises; through: Partner Shri Goswami Jaisukhpari Ratanpari, Keshod, Dist. Jungadah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 4566.96 sq. mts. bearing S. No. 85-3, Plot No. 15, situated at Keshod Dist. Junagadh, duly registered by Sub-Registrar, Keshod vide sale deed No. 690/July, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 23-2-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1713 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 141-2, Plot No. 10 to 15 situated at Aerodrome Road, Keshod, Dist. Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Keshod in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Durlabhii Mohanlai Nathwani; Aerodrome Road, Keshod, Dist. Junagadh. (Transferor)
- (2) Manglam Coop. II. Socy. Ltd. Through: Shri Suresh M. Joshi; Keshod, Dist. Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1260-00 sq. yds. beaning S. No. 141-2 Plot No. 10 to 15, situated at Aerodrome Road, Keshod, duly registered by Sub-Registrar, Keshod vide sale-deed No. 701/July, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 23-2-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd February 1982

Ref. No. P.R. No. 1714 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sanand No. 9/200/- No. 25 situated at Outside Wanthali Darwaja, Junagadh

has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Junagadh in 8-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 Shri Rameshchandra Diwakarrai Vaishnav; through P.A. Holder Shri Diwakarrai Jadavrai Vishnav, Junagadh.

(Transferor)

(2) M/s. Harsukhlal & Co. through: Shri Mohanlal Ravjibhai Tilva (Patel) Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, standing on land 1236-21-711 sq. gaj, situated at Junagadh duly registered vide sale-deed No. 2185/8-7-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedebad.

Dated: 23-2-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1715 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 248-2 situated at Thaltej, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kachatabhai Keshavlal Barot; Village: Thaltej, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Ashok Shankarlal Shah;
 Shri Subhash Shankarlal Shah;
 B, Sankar Niketan Society, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1A—37 G situated at Theltej Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 7208 & 7210/1-7-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 25th February 1982
No. P.R. No. 1716 Acg. 23-1/81-82 —Where

Ref. No. P.R. No. 1716 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 107-2, Plot No. 5, situated at Achier, Sabarmati, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on July 81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) faiclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mafatlal Narandas Prajapati; Sabarmati, Ramnagar, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Shri Govindlal Ambalal Shah; Ambicanagar, Narayan, Apartment, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netter in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intrievable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hetein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 102 sq. yds. built up area situated at Ashier, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 8623/13-7-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedebad.

Date: 25-2-82

FORM LT.N.S.-

(1) Shri Kalaji Bapuji, Village Ambli, Dist Ahmedabad.

(liansfeioi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shii Rajeshbhai Jaikrishnabhai Harivallabh; 2 Paruben Jayantilal Shah, both at "Gokul", Shahibaug, Camp Road, Ahmedabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1717 Acq. 23-1/81-82—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S No. 1039, situated at

Village Vejalpur, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on 4-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

30-26GJ/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land beating S. No. 1039 adm 1A—36 G situated at village Vejalpur, Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 8224/4-7-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date 25-2-82 Scal; FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGL I, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1718 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, J.G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No 1040, 1041, 1043 situated at Village Vejalpur, Dist, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tanaferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bhaichandbhai Amthabhai, Village: Ambli, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

Sh. Rajeshbhai Jaikrishnabhai Harivallabh;
 Paruben Jayantilal Shah;
 both at "Gokul", Shahibaug,
 Camp Road, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

I and adm 2A—OG—beating S. No. 1040,1041, 1043, situated at village Vejalpur, Dist. Ahmedabad duly, registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 8222, 8223, & 8225/July, 1981 i.e. properties as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1719 Acq. 23-1/81-82, Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

F.P. No. 13 parki, Plot No. 8, TPS. 6, situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule

anuexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad in 15-7-81

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereofic, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- Sh. Hirbai Pethalal Patel; "Rajbai Niketan" Kutch Kadva Patidar Colony, Behrampura Road, Ahmedabad.
 - (Transferor)
- (2) Evergreen Apartment Owners Association; Promoter: Shii L. M. Pathan, 7-Liberty Apartment, P.T. College Road, Paldi, Ahmedobad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inunovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

l and adm. 650 sq. yds. with plinth situated at Paldi. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 8770/15 7-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1720 Acq. 23-1/81-82,—Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 202/1/1(A), Block No. 326 situated at Village Bopal, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad in 9-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Chamanlal Manilal; 2. Shri Prahladbhai Manilal;

both at Village: Bopal, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Prahladbhai Shambhubhai Patel;

Shri Mangalbhai Kandas; both at Rachana Society, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm 29136 sq mts. i.e. 34963 sq. yds. situated at village Bopal, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar. Ahmedabad vide Sale Deed Nos. 8530, 5829, 8526 & 8525/luly, 1981 i.e. properties as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

FORM No ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 25th February 1982

Ref No PR No 1721 Acg 23-1 81 82 — Whereas, I G C GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fail market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

S No 546 & 547 Sub Plot No 10 parki, EP 680 situated at Wada, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on 13 7 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is iforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- b) tacilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

- (1) Sh. Gunendrabhai I albhai Sheth, Kalyan Society, Flisbridge Ahmedabad
 - (Transferor)
- (2) Shivam Coop Housing Society Ltd, through Chairman Shri Naranbhai Joitaiam Dariapui Patel Society Usmanpuia Ahmedabad

(Ttansferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPIANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

† and adm 729 93 sq mts situated at Wadej, duly registeri by Sub-Registrar Ahmedabad, vide sale deed No 6435/ 13-7-81 re property as fully described therein

G C GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ringe I Ahmedabad

Dated 25 2-82 Seal

NOTICE UNDER \$1 CTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OILICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIGNER OF INCOME LAX.

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmed thad 380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1722 Acg. 23 1/81-82 —Whereas I, G. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

FP No 163 TPS 3 situated at Ashram Road, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Officer at Ahmedabid in July 81

no apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as itorestid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen pil cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) fruittating the concealment of any lucome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is ue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Sheth Shri Navnitlal Ranchhodial Charitable Trust, through trustees 1 Sheth Shii Navnitlal Ranchhodial & others, Shahibaug, Ahmedabad

(Transferor)

(2) 1 Sh. Purmmaban Navnitlal Charmble Trust, Shahibag, Ahmedabad 2. Kusumlataben Navnitlal Charitable Trust, Shahibag, Ahmedabad 3 Ranchhodlar Acharitlal Charitable Trust, Shahi

bag, Ahmadabad

4 Navdeep Charitable Frust Shahibag Ahmedabad 5 Radhaben Ranchoodlal Frust Shahibag, Ahmedabad

6 Varshaben Dipabhai Churitable Trust, Shahibag, Ahmedabad

I Darshaben Navnillal Chantable Trust Shahibag, Ahmedabad

ಕ Dipakbhai Navnitlal Charitable Trust Shahibag, Ahmedab d

(Liansferee)

(2) I Gujarit Small Indus. Corpn Ltd Navdeep Bldg. Ahmedabad

2 Navdeep Chairtable Trust Abid Navdeep Bldg Ahmedal id

3 M/s festels Ltd Navdeep Buldg Ahmedabad 4 InJun Oil Corpn Nevdeep Bldg Ahmedabad 5 Ouental Fire & Gen Insurance Navdeep Buldg Ahmedabad

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plds standing on 1 and 1 dm 4704 sq mts bearing FP 162. TP 3 attented at 5 hr m Rd Ahmedabad duly registered by Sul Recistrar 5 Ahmedabad vide 5 de deed No 318, 319, 317-316-32, 320 × 323 luly, 1981 ac property 8 fully described therein

G C GARG Competent Authority, Inspecting \sstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated 25-2-82 Se il

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1723 Acq. 23-1/81-82 —Wherens, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sub-Plot No. (4)5, TPS, 3, situated at Changispur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in 6-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to nav tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Indumatiben Nalinkumar, Near St. Xavier's Corner, College, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

 Sh. Sailesh Dolarrai Porecha; Behind Maharashtra Society, Mithakhali, Ahmedobad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHIDULE

Bldg, situated standing on land 636 sq. mts, situated at Changispur, Ahmedabad duly registered vide sale deed. No. 2016/6-7-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1724 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

FP. No. 407 paiki, Sub-Plot No. 2, situated at Changispur, Ahmedabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-cax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Sudhir Sarabhai;
 - Sh. Sarabhai Gordhandas;
 Sh. Suresh Sarabhai;
 Siddharath Sarabhai

 - 5. Sh. Yogesh Sarabhai; 6. Smt. Sulochanaben Sarabhai;
 - All of Chimanial Girdhardas Road, Ahmedabad, (Transferor)
- (2) Anando Coop. H. Socy. Ltd. Secretary: Shri Prafulchandra Parshottamdas; Behind Lal Bungalow, Municipal Quarters, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Open land adm. 2873 sq. yds. bearing FP. No. 407 situated at Changispur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar Ahmedabad vide sale deed No. 4465, to 4470/3-7-81 i.e. property as fully described therein.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1725 Acq. 23-I/81-82,--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 311/1, 311/2, 105/1, 105/2 paiki situated at

Thaltej, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--31 26GI/82

- (1) 1. Shri Keshavlal Vanmalidas; Shri Babubhai Keshavlal; Village Vamaj, Tal. Kadi, Dist. Mehsana. (Transferor)
- (2) Sh. Kailashkumar Radhakrishna & others; Amrat Park, 'Kanoria House', Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thaltej, adm. 13552, 13552, 10527 & 3668 sq. yds. paiki situated at Thaltej, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 2939/22-7-81 i.e. property as fully described therein.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1726 Acq. 23-I '81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 85-1, 2,4 TPS. 1, FP. No. 12, situated at Thaltej, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Ahmedabad in 27-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Vasudev Shantilal Desai and others; Opp. St. Xavier's College, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) New Nameshpark Coop. Housing Society Ltd., C/o Nakrani Rameshkumar Haribhai; B-1-127, Swipark Society, Nr. Ranna Park, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 18029 sq. mts. bearing S. No. 85-1+2+4 situated at Thaltei, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 9202/27-7-81, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1727 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1184 & 1183-2 situated at Vejalpur, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on July 81

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Mafatbhai Maganbhai Patel & others;
 Village: Jodhpur, Dist. Ahmedabad.
 Shri Gandabhai Umedbhai Patel;
 Village: Jodhpur, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

Sh. Sudhirbhai Chinubhai Shah, Chairman;
 Sh. Dilipbhai Mohanlal Trivedi, Sccretary;
 of Hathisingh Park Coop. H. Socy. Ltd.,
 Vejalpur, Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. A-3 G-30 and 2A-39 G. bearing S. No. 1184 and 1183/2 respectively situated at Vejalpur, Dist. Ahmedabad, duly registered vide sale-deed No. 8552 and 8506/July, 1981 respectively.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1728 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 679 situated at

Village Sanand, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on 24-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 cf 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kanaiyalal Bhagwandas Patel; Holi Chakla, Village: Sanand, Dist. Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Asha Coop. Hsg. Society Ltd. Chairman: Dr. Prabhashankar M. Rawal, Sanand, Dist. Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EARLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 3A—25 G situated at Sanand Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 453/July, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1729 Acg 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 27, TPS. No. 26, situated at

Vasna, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on 24-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a ofresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fo'lowing persons, namely:—

 Sh. Bharatkumar Narottambhai & others; of Nagji Bhudar's Pole, Mandvini Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Moneca Apartment Owners Association (Proposed) through: Chairman: Shri Rajendrakumar Hemraj Tikrani; Harsiddh Chambers, Ashram Rd. Ahmedabad. Secretary: Sh. Haresh Lalshanker Pandya; P. & T. Colony, Shahalam Road Tol Naka, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land adm. 760 sq. yds. bearing situated at Vasna, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 25-2-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1730 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-

S. No. 98+99, Private Sub-Plot No. 4 situated at Dani Limda, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on July 81

ing Rs. 25,000/- and bearing

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Jayantilal & Co., through: Sh. Jayantilal Fulabhai Patel, Chondrawali Society, Nr. Bhairavnath Mandir, Bhairavnath Road, Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferor)

(1) Sudarshan Mill; through: Shri Nilesh Natverlal Mody; Rasik Chawk, Dhal's Pole, Astodiya, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 664 sq. yds. bearing S. No. 98+99 situated at Dani Limda, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No. 7150/July, 1981 i.e. property fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1731 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing S. No. 111/1/3 paiki TPS. 23, FP. 67 paiki situated at Achier, Sabarmati, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad in 29-7-81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Budhalal Shakralal;
 Smt. Mangiben Budhalal Shakralal;
 Both at Juna Bazar, Nr. Kabir Chawk,
 Sabarmati, Ahmedabad-5.

(Transferor)

Shantivan Apartments (Proposed);
 through: 1. Shri Rameshchandra Kesrimal Shah;
 Shri Kamal Arjandas Jethvanara;
 both at Zulela Society, Jawahar Chowk,
 Sabarmati, Ahmedabad-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 504 situated at Achier, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed Nos. 9371 and 9380/29-7-81, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range 1, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1732 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

S. No. 128-1, 128-2-2, Sardarnagar C.S. No. 2219 situated at Naroda, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Ahmedabad in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Parpayomal Jagumal;
 Shri Kanaiyalal Valiram;
 Shri Draupadi Valiram
 All at Gol Limda, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Swami Shantiprakash Apartments Coop. H. Socy. Ltd. Secretary: Shri Ramesh Mohandas Ahuja; D-3, Mohan Housing Corporation Society Bhairavnath Road, Kankaria, Ahmedabad, Bhairavnath Road, Kankaria, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 509 sq. yds. 469 sq. yds. 509 sq. yds. and 507 sq. yds. with some structure bearing S. No. 128-1, 128-2-2, situated at Naroda, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed Nos. 8726, 8271, 9078 & 9111/July, 1981 i.e. properties as fully described therein.

> G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

FORM IT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1733 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. paiki No 113, 127/2,130/1 situated at

Ghatlodiya, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has ocen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in July, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferend/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

32--26G1/82

- (1) 1. Sh. Shankerlal Khodidas Prajapati;
 - Dharmistaben Shankerlal Khodidas; Parshottambhai S. Prajapati; Sm
 - 3. Sh 4. Sh. Natverlal S. Prajapati (Karta of HUF) &
 - others; 5. Sh. Bharatkumar S. Prajapati (Katta of HUF) &
 - another; all at 4, Bhagyodaya Society, Gomtipur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Nitinnagar Coop. H. Society Ltd. Village Rakhial, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 18392 sq. yds. situated at Ghatlodiya, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar. Ahmedabad vide saleded Nos. 8830, 8831, 8832, 8833, 8835/July 1981 i.e. property as fully described therein.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated: 25-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1734 Acq. 23-1 81-82 --- Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value, exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 29 paiki, Sub-Plot No. B paiki, TP S. 3, situated at Usmanpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in 24-7-81

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Keshaylal Lallubhai Patel; Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Orient Apartment Coop, H. Socy, Itd. through: Shii Jagdishbhai Vinavakbhai Voia, Usmanpura, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property and be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gzzette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lond adm. 500 sq. yds. situated at Usmanpura, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 9196/81/24-7-81 i.e. property as Jully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range I Ahmed thad

Dated: 25-2-82

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMFDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R No. 1735 Acq 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 193+194-P.P. 328, Sub Plot No 10 situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad in 28-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sejal Construction, through partner: Shii Satischandra Budhalal Shah; Near Gita Baug, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sarojini Vesant Gandhi; Shri Vasant G. Gandhi; "UDAY", 342, Ghantali Road, Thana P.C. No. 400602.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat having built up area of 111 sq. yds. situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 9316/28-7-81 i.e. property as fully described therein.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1736 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 109-3 situated at Sanand Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in 24-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Dolubhai Shivabhai Sisodiya & others; of Village Sanand, Dist. Ahmedabad. Shri Hathubha Hematsingh Sisodia; Village Sanand, Dist. Ahmedabad.
- (Transferor)
 (2) Sh. Sanand Textile Industries Pvt. Ltd.
 through: Shri A. K. Chechani, Director,
 Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 29524 sq. yds. situated at Sanand Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed Nos. 454 & 455/July, 1981, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

Scal:

NOT CE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Abmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1737 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, L., G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 448-2, 447-1, 447-2, 455 situated at

Village Sola, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Ahmedabad on July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under and section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

40--16GI/82

Diwaliben Gangaram Chaturdas, 7-B, Rangjyot Society, Navrangpura, Ahmedabad-17.
 Manguben Gangaram Chaturdas; Darjiwalla's Khancho, Madalpur, Bhogwandas Chali, Fllisbridge, Ahemedabad.
 Shri Sureshkumar Kalidas Patel & others; Mevawalla Nagar, Nr. Gopalak Society, Newwadaj, Ahmedabad-3.

(Transferor)

(2) Safari Agro Associates; Manager: Shri Ambalal Maganlal Patel & others; Apex Flat No. 1-B, Ankur Road, Naranpura, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said inacovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at village Sola Dist. Ahmedabad July registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed Nos. 9270, 9363, 9318, 9271, 9317, 9372/July, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1738 Acq. 23-I/81-82 —Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 392, 393, 394, & 395 situated at Village Sola, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Gandabhai Jugaldas Patel;
 Village Sola, Dist. Ahmedabad.
 Kunverben widow of Mohanlal Chhaganlal;
 Village Sola, Dist. Ahmedabad.
 Shri Mafatlal Shiyabbai Patel;
 Sola, Dist. Ahmedabad.

(1) 1. Shri Arunghai Parshottamdas Patel; Himself and Karta of HUF. 2. Shri Dineshbhai Bhikhabhai Patel Himself & Karta of HUF. Both Near Indian Institute of Management, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1A, 5G., 1A—36G., 1A—31 G & 3A—13G. situated at Village Sola, Dist, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 6424, 6412, 6422 and 6413/23-7-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 25-2-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1739 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, f, G. C. GARG, $\ensuremath{\text{G}}$

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25,000/- and bearing

situated at

Maydi Plot, Nr. Gondal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Raikot on 10-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the naties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Lix Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vipinkumar Gajanan Joshi; Nalmi B. Joshi; Smt. Pierana S. Joshi; & two others; Subhash Road. Opp. Moti Tanki, Rajkot.

(Transferor)

- (2) 1. Thakrar Industrial & Estate—Gondal Rd Rajkot. 2. Shri Jagdishkumar Amarshibhai;
 - 3. Smt Sharda Madhusudan; 4. Smt Bhavna Ramniklal;
 - 4. Smt Bhavna Ramniklal; Laxmiyadi Road, 'Daruwala Bldg.', Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUIF

Immovable property at Gondal Road Mavdi Plot, Rajkot odm. 1633.3 sq. yds. i.e. 1365.44 sq. mts. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 521 dated 10-7-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated: 25-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Amruta N. Doshi; Nina N. Doshi; Raiya Naka Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Govindbhai Nathabhai: Shri Iayantilal Vallabhdas; 'Vinod Nivas', Sardar Nagar, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref., No. P.R. 1740 Acq. 23-I/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 443 paiki Plot No. 12, situated at Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Raikot on 18-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot bearing S. No. 443 paiki, Plot No. 12, adm. 560-5-0 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 5978 dated 18-7-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atore in property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 25-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDARAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. J741 Λ cq 23-L/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 401 & 411 paiki, Plot No 61 paiki situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 10-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concerlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-33-26GI/82

Shri Natvailal Keshavlal Bakhada; 1 A. Holdes · Vinodkumar Kantilal Mehta; Bhupendra Read, Mehta Nivas, Rajkot. (Transferor)

(2) Shr. Vikramsih Vorubha Jadeja; Shri Jadeja Nivis, Laxmi Nagar, Main Road, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property at Rajkot bearing S. No. 401 and 411 paiki, Plot No. 61, adm. 466.60 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registiar, Rajkot vide Reen. No. 2493 dated 10-7-81

> G. C. GARG Competent Authority Inpsecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Data . 25 2 1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

> 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1742 Acq. 23-I/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No S. No 404, Plot No. 78, situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri Ramniklal, Shri Hargovinddas Savani; 3, Ramnagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) (1) Shri Jayantilal Odhavji;

(2) Shri Sumatilal Odhavji;
(3) Shri Bhogilal Odhavji;
'Ashiivad', 2, Shramjivi Society, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot bearing S. No. 404, Plot No. 78, adm. 1340.6.0 sq. yds, as described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 3633 of July, 1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

NOTICF UND! R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGF-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMLDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1743 Acq. 23-1/81-82 ~ -Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 326 paiki, Plot No. 25, situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 8-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of eny moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Premji Rajibhoi Tank;
 P. A. Holder Shri Jerambhai Shivlalbhai;
 Near G.P.O., Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Kundanbula Ramniklal; Bhagwanji Dayabhai, Gondal Road, Kajkot.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

J and at Rajkot bearing S. No. 326, Plot No. 25 paiki adm. 616-2-0 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrat, Rajkot vide Regn. No. 5552 dated 4-7-1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

Scal

FORM NO. I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th Bebruary 1982

Ref. No. P.R. No. 1744 Acq 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 457, Plot No. 28B paiki situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issum of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nitin Construction Co. through its main partner: Shri Navinchandra Shri Dungarshibhai Doshi; Kotechanagai, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Jasumati Navinchandia; Behind Virbaima Mahila College, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot bearing S. No 457 paiki, Plot No. 28-B, adm 218-6 0 sq yds, as fully described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrat, Rajkot vide Regn. No. 3868 dated 1-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

FORM IT'NS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI DABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R No. 1744 Acq 23-I/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No 87, Plot No 39 situated at Nona Maya, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-7-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesail property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jayantılal Becharlal Dave; 'Jayramkunj', Kishanpara, Kalavad Road, Rujkot.

(Transferor)

(2) Shii Jashwantbhai Meghjibhai Rajani; C/o. Kamakaben Shingala; 'Dattami Nilay', Palace Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nana Mava Rajkot S. No 87, Plot No. 39, adm. 6831-1-0 sq yds, as described in the vale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 3404 dated 1-7-81.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Data: 25-2 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Anilkumar Tulsidas Bavishi;
 P.A. Holder: Shashikant Bhudarjibhai Solanki,
 Bedi Naka, Rajkot.

(Transferor)

(2) Dr. Narsibhai Nanjibhai Patel; 10, Laxmivadi, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1746 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 399 paiki, Plot No. 85 situated at Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot bearing S. No. 399, Plot No. 85 paiki adm. 616-8-0 sq. yds. as described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, vide Regn. No. 5422 dated 1-7-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 25-2-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI DABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982 Ref. No. P.R. No. 1747 Acq. 23-1/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No S. No. 35 paiki, Plot No. 11, situated at Jetpui (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jetpur on 31-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jalbinder Textile Dyeing & Printing Works; Jetpur,

(Transferor)

(2) Golden Processors; Partner: Kanaklof Mohanlal, Jetnur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property at Jetpur bearing S. No. 35, paiki, Plot No. 11 adm. 1326-6 sq. yds. as fully described in the sale deed Registered with Sub-Registrar, Jetpur vide Regn. No. 1281 1268 dated 31-7-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

FORM I.T.N.S.-

Late Shri Thakershi Karcan;
 L/M. Shri Vrajlal Thakershi;
 Bavavalapara, Jetpur.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAEL ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1748 Acq. 23-I/8-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 832/1 situated at Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 21-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Vrajlal Ramjibhai Vadalia; (3) Shri Nanji Ramjibhai Vadalia; Jetpur. (4) Shri Manubhai Nanjibhai Gajera; Gondal.

(2) (1) Shri Savjibhai Gokulbhai Vadalia;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Jetpur Rajkot Road, bearing S. No. 832/1 paiki adm. A 3-22 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Jetpur vide Regn. No. 1176 dated 21-7-81.

G. C. GARG
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 25-2-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1749 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Desai Vadi, Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jetpur on 27-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealht-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
34—36GI/82

(1) Shri Rupchand Nebhandas; Fulvadi, Jetpur,

(Transferor)

(2) Shri Shantilal Manilal; Khodpara, Jetpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Desaivadi, adm. 277-6-0 sq. yds. as fully described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrar, Jetpur vide Regn. No. 1222 dated 27-7-81.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

Seal;

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Sunderdas Jichandram Madhu; Malava Sheri, Jetpur.

(Transferor)

(2) M/s. R. K. Textiles; Swadeshi Market, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1750 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Jetpur on National High Way (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 23-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a), by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated Hr. National High Way Bridge; adm. 1327-08 1327.08 sq. yds. as fully described in the sale-deeds duly registered with the Sub-Registrar, Jetpur vide Regn. No. 1200 and 1201 dated 23-7-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acqlsition Range-II, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1751 Acq. 23-I/81-82.—Whereas. I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 387, Plot No. 12 paiki situated at Rajkot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 22-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noitee under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Legal Heir of late Shri Durgaprasad Radhelal Agarwal;
 S/Shri Girish Durgaprasad;
 Shri Navin Durgaprasad and 6 others;
 P.A.H. Satishchandra D. Agarwal;
 "Aradhana" Kolsayadi, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Jamanbhai Keshavjibhai Ambasana; Gitanagar, Main Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot bearing S. No. 387, Plot No. 12 paiki adm. 1349-4-0 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 6049 dated 22-7-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 25-2-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dilipkumar Hansrajbhai; Karanpara, Chowk, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Dayaljibhai Ravjibhai; Ranchhodnagar Society, Rajkot,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1752 Acq. 23-1/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 383/2 situated at Gondal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 17-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot bearing S. No. 382/2 on Gondal Road, adm. 634-6-0 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 4767 dated 17-7-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1753 Acq. 23-1/81-82.---Whereas, f, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 92793 paiki, Plot No. 27, 30, 31 paiki situated at Raiya, Rajkot

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1 & 2-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Late Labhuben Babulal; through: L/H. Varsaben Babulal & others; Bina Babulal & others; Bina Babulal & others; Ajay Babulal & others; 2, Patel Colony, Jamnagar.

(Transferor)

- (2) (1) Mansukhlal Dwarkadas, Dhirajlal Bhanjibhai & Rajendra Dwarkadas—Goregaon, West Bombay.
 (2) Parshottam Ratnabhai,
 - Nehrunagar, Raiya, Rajkot.

(3) Bina Jaykant;

Lohana Pam, Rajkot.

(4) Vasumati Bhagwanji & Milan Bhagwanjit; Bhupendra Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Raiya Rajkot bearing S. No. 92/93 paiki Plot No. 27, 30, 30, 31 paiki adm. 306-8-72+231-1-0+2312-1-0+647-5-0 sq. yds. as fully described in the sale deeds registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 3075/2-7-81, 4093/1-7-81, 3072/1-7-81 and 3070/1-7-81.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 296 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayantilal Keshavlal Pithadia; Punjara Plot, Rajkot,

(1) Shri Popatlol Ramjibhai; Karansihjee Road, Rajkot.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX ACQUISITION KANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1754 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 150, Plot No. 39, 48 situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 4-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot bearing S. No. 150, Plot No. 39 and 48 adm. 415.6 + 415.7 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 5536, 5535 dated 4-7-81.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 25-2-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1755 Acq. 23-1/81-82.--Whereas, I. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 73/75, paiki Plot No. 64 situated at Nana Mava, Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

J(1) Savna Anantra i Meh a; P.A. Holder Hanubhai Himatrai Mehta; Madresa Quarters Nr. Station Darwaja, Vanthali (Sorath).

(Transferor)

(2) Shri Dharshibhai Khimjibhai Shah; Godown Road, Opp. Ambica Way Bridge, Rajkot, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at N. na Maya, Rajkot alm, 610-4 sq yds, is fully described in the sale deed registered with Sub-Rigistrar, Rajkot vide Regn. No 5600 dated 6-7-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahrredabad

Date: 25-2-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ΛΗΜΕDΑΒΔD

Ahm: dabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1756 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 394 paiki Plot No. 3, situated at Rajkor (and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rajkot on 8-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Samaratben Tarachand; P.A.Holder: Sharadchandra Tarachand Mehta; 18, Lekh Road, Bombay-7.

(Transferor)

(2) Shri Jagdishbhai Veljibhai Surelia; Gopalnagar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot adm. 812-4-0 sq. yds, as described in the sale deed Registered vide No. 5661 dated 8-7-1981.

O. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1757 Acq 23-! 81-82 —Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 196, Plot No. 17, situated at Raiya, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 10-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1)57.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—26GI/82

(1) Shri Muktaben R. Sheth; P.A. Holder: Shri Prabhulal D. Udani; Drongara Road No. I. Rajkot.

(Transferor)

(2) Gordhanbhai Dharamshibhai Tank; Bhayanohai Hardasbhai Tank; Gayatri Nagar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Roiva, Rajkot bearing S. No. 196 paiki, Plot No. 17 adm 411-3 0 sq. yds. fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 3367 dated 10-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1758 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 96, Plot No. 52 paiki Nana Mava, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed horsts) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at Rajkot on 13-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chandrikaben Amratlal Pala; P.A. Holder: Dharamshibhai Vashrambhai Zaveri; Laxmivadi, Main Road, Rajkot. (Transferor)
- (2) Shri Mukeshkumar Chandulal Dhulia; "Vardhman", Nalanda Society, Rajkot.

"Verdhman", Nalanda Society, Rajkot. Shri Hansaben Leeladhar Kotak; "Shri Ram Krupa", Abhilasha Society, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nana Mava bearing S. No. 96, Plot No. 52, paiki adm. 400 sq. yds. as described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn, No. 5770 dated 13-7-1981,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1759 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 81, Plot No. 5 paiki situated at Nana Mava Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 4-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kokila Lalit Mrrchant; "Gurukrupa" Sayan, West, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Hariben Premjibhai; Shri Vecnaben Prabhudas Kundanani; Shastri Nagar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nana Mava, Rajkot bearing S. No. 81, paiki, Plot No. 5 paiki adm. 353-1-68 as fully described in the salc-deed duly registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 3768 datad 14-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedubad

Date: 25-2-1982

 Smt. Hariben Premjibhai; Veenaben Prabhudas; Shastri Nugar, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (21 Smt Bhavnaben Bhupendrabhai Lakhani; 3, Vadi Plot, Porbander. Smt. Gitaben Kirankumar Thakkar; Kalayad Road, Housing Board Society, Rajkot. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGEI, 2ND I-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1760 Acq. 23-1,81-82. —Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing S. No. 81, Plot No. 5, situated at Nana Mava, Raykot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- 1 vi). vion.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nana Maya, Rajkot bearing S. No. 81 paiki Plot No. 5, adm. 353-1-68 sq. yds. as described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 5863 dated 15-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1761 Acq. 23-1/81-82,---Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 489 paiki, Plot No. 59 situated at Rajkot (and more fully described in the Schedulo annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 27-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shantilal Jerambhai Shaparia; Bajrangvadi, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Jivrajbhai Tapubhai Bhanderi; Village Khakhdabela, Tal. Paddhari, Dist. Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot bearing S. No. 489 paiki Plot No. 59 adm. 930-8-0 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 6113 dated 27-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1762 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 489 paiki, Plot No. 88 paiki situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 27-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jeram Vashram Waghela;
 P.A. Holder: Himatlal Dharamshibhai Rathod;
 Kailash Vadi, "Manek Kapa" Rajkot.
 (Transferor)
- (2) Shri Prabhudas Raghavjibhai Koradia; 8-2, Sorthia Vadi, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

,Land at Rajkot bearing S. No. 489 paiki Plot No. 88 paiki adm. 955-8-0 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 6133 dated 27-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dato: 25-2-1982

FORM I.T.N.S.---

Smt. Latoben Rajendrakumar;
 Ramktashna Nagar, Rajkot,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Jagdishkumar Harilal & others; 5, Bhaktmagar Society, Rajkot.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1763 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G, C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 74, Plot No. 20 paiki situated at Nana Mava, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer ar

Rajkot on 28-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nana Mava, Rajkot bearing S. No. 74 Plot No. 28 paiki, adm. 444-4-0 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 3312 dated 28-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 25-2-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1764 Acq. 23-1 81-82 —Wherens, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 399, Plot No. 80 situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dinesh V. Gajjar;
 P.A. Holder Shri Vithaldas D. Gajjar,
 Near Moti Tanki, Rajkot.

(Transferor)

(2) (1) Shri Jayantilal Devchandbhai Gangdev;

(2) Shi Rajesh Jashwantlal Raparel;(3) Shri Kantilal Maganlal Suchdev;C/o. Jalaram Machinery Stores;Kodinar (Saurashtra).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot bearing S. No. 399, paik No. 80, adm. 594-6-0 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 4871 of July, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

FORM LT N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-J. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1765 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 410 situated at Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 21-7-1981

for an apparent consideration which is less than the thair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or or other assets which have not monevs been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namety:---36---26GI/82

Shri Ramjibhaj Jinabhai; Bayayalapara, Jetpur.

(Transferor)

(2) Shri Pravinchandra Hiralal & others; Mahatma Gandhi Road, Jefpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Jetpur bearing S. No. 410 adm. A. 5-38 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Jetpur vide Regn. No. 1171 dated 21-7-1981.

> G, C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 25-2-1982 Scala:

FORM ITN8-

 Shri Manjibhai Dharamshibhai; Vavavalapara, Desaivadi, Jetpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Punabhai Ukabhai; Takudapara, Jetpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1766 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 404 paiki situated at Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 21-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concentment of may income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property at Jetpur bearing S. No. 404 paikindm. A. 5-03 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Jetpur vide Regn. No. 1172 dated 21-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-2-1982

Soul :

(1) Shrì Jinabhai Anandbhai; 6, Gita Nagar, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Santoshkumar Bulchand Gogiya;7, Gaikwadi, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1767 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Kailash Vadi—Sheri No. 5, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 2-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated at Kailash Vadi Sheri No. 5, Rajkot adm. 153-1-72 as fully described in the sale deed deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 5461 dated 2-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Deto: 27-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Chhotalal Datlabhai Sodha; Jashvanti Chhotalal Sodha;
 Vaishali Nagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Dr. Ahmadbhai Alibhai Lukhava; Sharbai Suleman Lukhava; Shaki Naka,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1768 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 451, Plot No. 101 situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 18-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property at Rajkot bearing S. No. 451, Plot No. 101, adm. 251-4-0 sq. yds. as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 5967 dated 18-7-81 with Sub-Registrar, Rajkot.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1769 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Bhaktinagar Station Plot Sheri No. 10, Wd. No. 7 of Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 21-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

 M/s. Karia Oil Industries, Through its Partners:
 Shri Ramniklal Vallabhdas
 Shri Vallabhdas Vashrambhai,
 Bhaktinagar Society, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Asiatik Industries; Through: Its Partner: Shri Jayantilal Ravajibhai Patel Takshshila Coop. Hsg. Society, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property at Bhaktinagar Station Plot Sheri No. 10, Wd. No. 7 of Rajkot as fully described in the sale deed registered with Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 6951 dated 21-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-2-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Khelshanker Dayashanker Daftari, 1, Jankalyan Society, Plot No. 32, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Vinaykant Panachandhbhai Talia Smt. Ramagaunj Vinaykant Talia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1770 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing

9. No. 153, Plot No 32, situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 2-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fixelities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Rajkot bearing S. No. 153, Plot No. 32, adm. 344-2-0 sq. yds. as fully described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 5430 dated 2-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Detc: 27-2-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISTTION RANGE-L 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 27th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1771 Acg. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Lekh No. 424 paiki.

situated at Junction Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Indubes, Haribbai Patel Junction Plot, Rajkot.

(Transferre)

(2) Shri Gogia Busharam Balchand, 7, Gaikvadi Plot, Rajkot.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Junction Plot Rajkot, bearing Lekh No. 424 paiki adm. 150-0-0 sq. yds. as fully described Rajkot vide Regn. No. 3547 of July, 1981.

G. C. GARG Inspecting Amistant Commissioner of Income-to Competent Authority
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing sections, passely :-

Date: 27-2-1982

Sud :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ref. No. P.R. No. 1772 Acq. 23-I/81-82.—Whereas J, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 59, Sector No. 8, situated at Gandhidham,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anjar on 29-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lavanyaben Chimanlal Raval Shri Leherchand Chimanlal Raval Shri Mafatlal Jasanglal Shah & two others, C/o Hotel Satkar, National High Way, Gandhidham (Kutch).

(Transferor)

(2) Shri Lachhaman Alimchand Bhatia, Shri Shyam Alimchand Bhatia, P.O. Box No. 6510, Abu Dhabi (U.A.E.).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated at Gandhidham bearing Plot No. 59 Sector No. 8, as fully described in the sale deed registered vide No. 1428 dated 29-7-81 with Sub-Registrar, Aniar.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-2-1982

Seal =

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1982

Ref. No. P.R. No. 1773 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 252, Plot No. 12 to 14 & 22 to 24,

situated at Joravarsih's Vadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 14-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
37—26GI/82

(1) Maharaj Kumar Shri Joravarsih Godji Jadeja.
(Transferor)

(2) Deepa Enterprises 126, Dadu Saheb Falke Road, Saba Malasing Estate, Dadar, Bombay-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing S. No. 252, Plot No. 12 to 14 & 22 to 24 as described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Bhuj vide Regn. No. 700 dated 24-7-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-2-1982

Seal z

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FI.OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1982

Ref. No. P.R No. 1774 Acq. 23-1/81-82,---Whereas 1, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heteinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3, 4, 5, 9, 10, & 11,

situated at Joravarshih's Vadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhuj on 14-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the copsideration for such transfer as agreed to between the frittees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitaiting the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Att f hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (t) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Maharaj Kumai Shri Joravarsahib Godji Jadeja. (Transferor)
- (2) I K Enter Prises, 13. Nanabhai Court, Govindji Kenya Road, Hind Mata, Dadar, Bombay-14. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing Plot No. 3, 4, 5, 9 to 11 situated at Joravarshih's vadji, as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Bhuj vide Regn. No 701 dated 14-7-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-2-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RQAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1982

Ref. No. P.R No. 1786 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and No. Property

situated at Village Champrajpur, Tal. Jetpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jetpur on 10-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Devi Krupa Oil Mills
 Through Partners:
 Shri Patel Jaday Jeram,
 Shri Vallabh Mandan
 Shri Ranchhod Goidhan & others,
 Jetpur.

(Transferor)

(2) M/s. Rajkamal Oil Mills, Through Partner: Amrutal Nathubhai Mandalia, Champrajpur, Fulwadi, Jetpur.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property situated at Champrajpur adm. 1105 sq. yds. as fully described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrar, Jetpur, vide Regn. No. 1092 dated 10-7-81.

G. C. GARG
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1785 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Khara Kuva Road, Morvi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morvi on July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vora Asgarali Abdulali Shri Jafarali Asgarali Shri Yusufali Asgarali, Add: Vorvad.

(Transferor)

(2) Dr. Navinbhai Nagindas Parekh, Sarsar Plot, Morvi. Maheshkumar Jayantilal Bavisi, Lilavati Chambers, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated at Kharakuva Road, Morvi, Adm. 3098-7-8 sq. ft. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Morvi, vide Regn. No. 2379 of July, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1784 Acq. 23-I/81-82.—Whereas G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to exceeding Rs. 25,000/- and bearing

that the immovable property having a fair market value to as the said 'Act') have reason to believe

G-1-60, situated at Limada Lanc, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 4-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Raniben Hathiabhai Charan Naghedi, Jamnagar.

(Transferor)

(1) United Shipers Ltd., Branch Near Town Hall, Jamnagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. G-1-60 adm. 145-02 sq. mets, situated at Jamnagar as fully described in the deed registered with the Sub-Registrar, Jamnagar Regn. No. 2405 dated 4-7-81.

> G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1982

Ref No. P.R. No. 1783 Acq. 23-1/81-82.—Whereas I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S No H-4-348 paiki, situated at Digvijay Plot, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 29-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the oppositent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Mohanlal Punjabhai Shah, Dhanam-Digvijay Plot, Sheri No. 45-46, Jamnagar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Vasantrai Jerambhai, Shri Gulabrai Jerambhai & 2 others, Digvijay Plot Sheri No. 45, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated at Digvijay, Plot bearing C.S. No. H-4-348 paiki, adm. 186-64-28 sq. mts. as described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 2641 dated 29-7-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-3-1982

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1982

Ref. No. PR. No. 1782 Acq. 23-I/81-82 —Whereas I, G. C. GARG.

C.S. No. 39G-5 paiki, Plan No. A-6 paiki, situated at Patel Colony, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Januaryan on 22-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to solve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of his said Act, to the following persons, namely:—

- Shi Lalji Bhavan
 P. A. H Hargovind Ramji Bhagde, Havai Chowk, Jamuagai
- (2) Shii Dhirajlal Bhagwanjibhai Vadagama, Patel Colony, Janunggar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Jamnagar bearing C.S. No. 39-G-5 paiki plan No. A-6, Plot No. 28-2 paiki Block No. 28-2-D adm. 174.32 sq. mts. as described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 2582 dated 22-7-81.

G. C. GARG
Competent Anthonity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1781 Acq. 23-J/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 4-1-81 situated at Digvijay Plot 7, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 23-7-1981

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shamaldas Mohanlal; Shri Mahendrakumar Mohanlal; Shri Rameshchandra Mohanlal & 5 others; Legal Heirs of Late Shri Mohanlal Amarshi; P.A.H. Shii Rajendrakumar Mohanlal; Opp. New Jail, Jamnagei

(Transferor)(s)

 Shii Shakhar Jilla Sindhi Panchayat, through its Trustees:
 Nandiram Meherchand Parthani;
 Shivandas Tejumal Sukheja & 5 others; Shri Shakhar Jilla Sindhi Panchayat Trust Office;
 Khambhalia Naka, Opp. New Digvjjay School, Jamnagar.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expianation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing S. No. H-1-81 adm, 266-72-55 sq. mts. as described in the sale-deed registered with Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 2596 dated 23-7-81.

G. C. GARG.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt: 3rd March, 1982. Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Vrajkuvar Kalidas; Limada Lane, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Vanza Harilal Hirjibhai; New Super Market, Jamnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March, 1982

Ref. No. P. R. No. 1780 Acq 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 207-G-1, siunted at Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jamnagar on 23-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property at Jamnagar bearing S. No. 207-G-1 paiki, adm. 1250 sq. ft. as described in the sale deed registered with Sub-Registrar, vide Regn. No. 2593 dated 23-7-1981. Ahmedabad.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38--26G1/82

Date: 3-3-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMHDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd March 1982

Ref. No. P.R. No. 1779 Acq 23-I₁ 81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/2 and hearing

Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 62, S. No. 3835 situated at Behind Davakhana, Opp. Kapil Nivas, Rajula

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajula on 14-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaston of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajula Sthanakvasi Dasha Shrimali lain Sangh; through: Slat Himmatlal shampbhat Vota & others, Majn Baar, Rajula, Dist. Amreli.
 - (Transferor)
- (2) Shii Babubhai Bachabhai Patel & others; Village: Moti Mandardi; Tal. Rajula, Dist. Amreli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 362 sq. mts. situated at Rajula, duly registered by Sub-Registrat, Rajula, vide sale deed No. 1672/14-7-81 i.e. property as fully described therein. Ahmedabad,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt: 3rd March, 1982, Seal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

Bhavbagar.

(1) Shii Ramjibhai Jagjivan (HUF), Thakurdwara Street, Kanabivad,

(Tiansferor)

(2) Indumatiben Gabharubhai Patel; Nera Road, Kanbiyad, Bhaynagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Alimedabad-380 009, the 2nd March 1982

Ref. No. P. R. No. 1778 Acq 23-1/81-82,---Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. 5867 of Wd. No. 4. situated at Kanbjvad. Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 23-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property C.S. No. 5867 of Ward No. 4, Adm. 93.84 sq. mts. as described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Bhavnagar vide Regn. No. 1839 dated 23-7-81.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabas

Dt: 2-3-82 Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1982

Ref. No. P. R. No. 1777 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2205-A situated at Krishnanagar, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 14-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Rajendra Rajanikant Modi; Shri Prashant Rajanikant Modi;
 Shanker Bhavan, V.P. Road, Vile-Parle (West), Bombay-56.
 Vanmalidas D. Mehta;
 Village Dedah, Via. Amba, Dist. Amreli.
- (2) Smt. Godavariben Kanjibhai Pitambar Ashara Brahamkshtriya Kanya Chhatralaya; through: Trustee: Rameshchandra Himatlal; 2205-A, Krishnanagar, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated at Krishnanagar Bhavnagar, adm. 1753.07 sq. mts. as described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Bhavnagar vide Regn. No. 519 dated 14-7-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt: 2nd March, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, the 2nd March 1982

Ref. No. P. R. No. 1776 Acq 23-1/81-82,--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 266, paiki, C-1, C-2 & C-4 paiki Plot No. 28 situated at Anantvadi, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 17-7-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shardaben Karshandas Sanghani; Sikago (U.S.A.).
- (2) Jatin Pianlal Parikh; 301, Mamata Coop. Hsg. Society, Navin Thakkar Road, Vile Paule (Fast), Bombay-57.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Anantvadi, Bhavnagar bearing S. No. 266 paiki C-1, C-2, & C-4 paiki Plot No. 28 adm. 288 + 241 sq mts. as described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Bhavnagar vide Regn. No. 1789 dated 17-7-81

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 2-3-82.

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOGR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd Murch 1982

Ref. No. P.R. No. 1775 Acq. 23-1/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2197-B situated at Krishnanagar, Bhavnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar in 15-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

 Sh. Harifal Vallabhdas Parekh; through his Attorney—Vasantrai V Mehta; 30, Prakrutikunj Society, Shreyash Tekaro, Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Sh. Shantilal Shivlal Patel; Sh. Parmanand Shivlal Patel; Kanbiyad, Dhajaga Street, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Hill Drive, Bhavnagar adm. 949.19 sq. mts. as described in the sale-deed Regn. No. 1760 dated 15-7-81, registered with the Sub-Registrar, Bhavnagar.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date : 2-3-82 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad 380 007 the 11th March 1982

Ref No PR No 1791 Acq 23 1/81 82 - Whereas I G C GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No Enned No 215 95 & 108 /3 & 101 72 73 situated at

Goins Dehly Jagned Chowk Jungadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Junagidh in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the asoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 5nd Act to the follow ing persons namely

Sh Hemadal Nemchand Doshi, Upcikot Road Junigadh

(Transleror)

- (2) I Sh Tusukhlal Jivraj Shah Hiten Triding Corpn Mihdaxmi Street Junigadh 2 Smi Bhivnaben Jaisukhlal Shah, Ketan Commercial Co Nogar Rd Junagadh (Transferce)
- Smt Indumati Nemchand Ambavi, Mahalaxmi (3) 1Street Junagadh
 - Sh Prataprai Jamnidas Lodhiya Gorjina Dehla, Jigmal Chowk Junagadh

3 Smt Lalitaben Jamnadys Nadha Crottina Dehla, Jagmal Chowk, Junagadh

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUIC

Building beating Sanid No. 215.95 & No. 108/73 & 101/72-73 situated at Goijis Deh't Jagmal Chowk, Jungadh, duly relista d by Sub Relition Junagadh, vide sale-deed No. 2225 and 2226. 9.7.81 relipioperty is fully described therein

G C GARG. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisit on Range I Ahmedabad

11-3-1982 Date

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1790 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 855/1 situated at Vejalpur, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration

Officer at Ahmedabad in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Amratlal Vashrambhai; "Haya Bhuyan", Behrampura, Nr. S.T. Bus Workshop, Ahmedabad.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Suryakant Manilal Patel; "Mon Repoz", Ashram Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land udm. 2A—31 G, i.e. 13431 sq. yds. bearing S. No. 855/1 situated at Vejalpur, Ahmedabad duly registered vide Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed Nos. 9023, 9023, 9022 and 9023/July, 81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 11-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IF, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1789 Acq. 23-J1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F.P. No. 334 part (i.e. SP. No. A) TPS. 6, situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad in 28-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—26GI/82

(1) Sh. Harmanbhai Shankerbhai Patel; Old Vikasgarh Fatehnagar Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Suvas Flat Owners Association; Through: Sh. Rajnikant Shah; 1602, Vichhini Pole, Mandvini Pole, Astodia Chakla, Ahmedabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 600 sq. yds. situated at Paldi, TPS. 6, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar. Ahmedabad, vide sale deed No. 9314/28-7-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmadabad

Dato: 11-3-82

Scal;

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1788 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. FP. No. 805, Sub-Plot No. 3, TPS. 3, paiki situated at Kocharab, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

\(1) S/Shri

 Anila Chandulal Doshiwada's Pole, Ahmedabad.
 Dinesh Chandulal; Doshiwada's Pole, Ahmedabad. 3. Chandrakant Chandulal; Doshiwada's Pole,

Ahmedabad.

4. Vidhyut Chandulal; Doshiwada's Pole, Ahmedabad.

5. Kokila Chandulal; Doshiwada's Pole, Ahmedabad. 6. Bharatkumar Chandulal; Doshiwada's Pole,

Ahmedabad. 7. Saraswatiben Chandulal; Doshiwada's Pole,

Ahmedabad.

(Transferors) (2) New Saraswati Apartments Owners Association; President: Saraswati Chandulal Zaveri; "Girikunj", Mathuradas Road, Kandivali (West),

Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated at Kocharab, Pritamnagar Dhal, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, vide sale deed No. 3430, 3431, 9393, 9395, 9396, 9457, 9458, 9395 & 9396/July, 1981 i.e. property as fully described therein,

> G. C. GARG. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 11-3-82

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1787 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C.S. Ward-I, Sheet No. 60 situated at Goval Pachada—Mandvi, Kutch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mandvi in 8-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shah Dharamshi Premchand; Goval Pachada, Mandvi-Kutch.

(Transferor)

(2) Smt. Maltiben Jaysukhlal Soni; Nava Para, Mandvi-Kutch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Mandvi-bearing Sheet No. 60, C.S. Wd. No. 1, adm. 146.53 sq. mts. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Mandvi vide Regn. No. 1259 dated 8-12-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabac.

Date: 5-3-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
Ahmedabad-380 009, the 5th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1529 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. City Survey No. 1711 situated at Babajipara, Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Baroda in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shantilal Kanjibhai Choksi & others; Ladwada, Khatri Pole, Baroda.

(Transferor)

(2) Sh. Kaushik Chunibhai Patel; P.Λ. Holder: Kirtibhai Chunibhai Patel; 9/602 Simla Towers, Napiens Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building as fully described in sale deed No. 3913 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in 7/81,

G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-3-82

(

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1530 Acq. 23-II/81-82,--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B. Tika No. 7/1 S. No. 30, situated at Kachhia Pole, Raopura, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 9ct, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Λct, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Taragauri Ambalal Thakkar; Sagar Talkies, Raopura, Tower, Baroda.

(Transferor)

(2) Sh. Chhotabhai Chhelabhai Tapaawala; M-18, Gujarat Housing Board, Ajwa Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as fully described in sale deeds Nos. 3915 and 3916 registered in the Office of Sub-Registrar, Baroda in the month of July, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-3-82

FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1531 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B. Tika No. 27/3, Survey No. 1/3 Plot No. 43-44 situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registering

Officer at 8-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1—

- Sh. Sardaben Sabhapati Aayar;
 Shinde Colony, Navapura, Baroda.
 (Transferor)
- (?) Sh. Ramanbhai Ranchhodbhai Shah; Swami Sadan, Babajipura, Baroda. ((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as fully described in sale deed No. 4026 registered in the Office of Sub-Registrar, Baroda on 8-7-81.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-3-82 Seal: FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1532 Acq. 23-Π/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No. 85, Plot No. 18, situated at Jetalpur, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Baroda in July, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—16GI/82

(1) Sh. Krishnakent Chhaganlal Shah; Narsiji Pole, Baroda.

(Transferor)

(2) Sh. Pravinchandra A. Mehta (HUF), 703, Sharda Chambers, New Marin Lines, Bombay-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as fully described in sale deed No. 4076 registered in the Office of the Sub-Registrar, Baroda in the menth of July 1982.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range II, Ahmedab

Date: 5-3-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1533 Acq. 23-II/81-82.---Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 28/1 B. Tika No. 1/4 situated at Babajipura, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Baroda in 10-7-81

transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Sethani Kamlavati Todermal; Sham Becharni Pole, Baroda.

(Transferor)

(2) Sh. Singh Sabha;

Through Trustee: Deedarsingh Surendrasingh Sandhu, Behind Khanderao Market, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building as fully described in sale deed No. 4091 registered with Sub-Registrar, Baroda on 10-7-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Abmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-3-82 Seal:

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Amrutlal Tribhovandas Tambakuwala; Ranoli, Baroda Taluka.

(2) Sh. Deepakbhai Ratilal Patel; Ranoli, Baroda Taluka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1534 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 305/1 situated at Ranoli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 13-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
40—26GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tamaku Godown and rooms at Ranoli as fully described in sale deed Nos. 4094 and 4095 registered in the Office of Sub-Registrar, Baroda on 13-7-81.

G. C. GARG.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 5-3-82

and bearing

FORM ITNS---

(1) Lalitaben A.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Prabhaben Harivallabhdas; Raopura, Baroda, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1982

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

that Chapter.

shall have the same meaning as given in

Ref. No. P.R. No. 1535 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Survey No. 3/1 situated at Baroda City (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in July 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building as fully described in sale deed No. 4121 registered in the office of the Sub-Registrar, Baroda in July 1981.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1536 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Tika No. 1/9, Survey No. A/6 situated at Fatehgani, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kaluram Chelaram Brahmakshatriya; Dandia Bazar, Baroda.

 (Transferor)
- Dr. M. K. Shringar;
 Dr. (Mrs.) Kiran Shringari;
 Both staying at B-19/181, GIDC, Colony,
 Makarpura, Baroda-10.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats in Fatehgani area as fully described in sale deeds Nos. 4211 and 4213 registered in office of Sub-Registrar, Baroda in 7/81,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-3-1982

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 6th March 1982

Ref No PR No 1537 Acq 23-II/81-82 —Whereas, I G C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Survey No 2021, Flat No 8, situated at Sayanganj area, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 30-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Parvatiben Nanubahi Nair, Kunj Society, Alkapuri, Baroda

(Transferor)

(2) Shu Samsuddin Subhanbhai Lokhandwala; Alkapuri Baroda

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Sayajiganj atea as fully described in sale deed No 4566 registered with Sub-Registrar, Baioda on 30-7-81.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 6 3 1982 Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1538 Act 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 78/1, Plot No. 1 situated at Jetalpur area, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 22-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sayed Akbar Ali Fajumiva; Village Chhatral, Kalol (Transferor)
- (2) M/s Coi Beam Construction Co. Race Course, Baroda. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Jetalpura area as fully described in sale deed No. 1348 registered in the office of Sub-Registrar, Barods on 27-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-3-1982

Scal:

- (1) Shri Maniben Ambalal Patel; Tandalja, Baroda.
 (Transferor)
- (2) M/s Mercury Pharmaceutical Industries: Gorwa, Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1539 Acq 23-II/81-82.--Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

No. Behind Express Hotel, Race Course, Road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property behind Express Hotel, Race Course Road, Baroda as fully described in the sale-deed registered with Sub-Registrar, Baroda in July 1981,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1540 Acg. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 532 (Part) Plot No. 72 (Part), situated at Baroda Kasba.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tex Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- Through Krishnakant (1) Swastik Land & Coron. Jayantilal Patel; Wadi, Chhelbi Pole, Baroda. (Transferor)
- (2) Shri Girishbhai Babubhai Shah; Sarvodaya Society, Nizampura, Baroda, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building bearing S. No. 532 (Part) Plot No. 72, as fully described in sale-deed registered with Sub-Registrar, Baroda in July 1981.

> G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-3-1982 leal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1541 Acq. 23-II/81-82,—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 100, 102/3, 104, 165/1, 166/1, 166/2, 167, 168, 169 and 171 situated at Sughad Village, Gandhinagar Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 17-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jitendra Amrutlal Sheth;
 Narendra Amrutlal Sheth;
 Both, staying at Janmabhumi Chambers, Valchand Hirachand Mart, Ballard Estate, Bombay-400038,

(Transferor)

(2) 1. Shri Anil Ratilal Bakery;
2. Shri Praful Ratilal Bakery;
3. Shri Pankaj Ratilal Bakery;

 Smt. Chandrikaben Narendra Vyas: All staving at "Sanskrut", Nr. High Court, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and immovable appurtenant thereto situated in Sughad village as fully described in sale deeds Nos. 1431 and 1435 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar on 17-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedahad

Date: 6-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1542 Acq. 23-II/81-82.-Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Final Plot No. 477, TP S.1, situated at Anand, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-7-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:-

41--26GJ/82

- (1) Polson Limited; 658, Dockyard, Bombay-10. (Transferor)
- (2) 1. Ahmedbhai Hassanbhai;
 - Ibrahimbhai Hassanbhai,
 - Ayubbhai Ahmedbhai;
 Abdul Rahim Ahmedbhai;
 Near Poison Dairy, Anand.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Final Plot No. 477 situated in TPS.1, Anand and as fully described in sale deed No. R-1512 registered in the office of Sub-Registrar, Bombay on 17-7-81.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 6-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GÖVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1543 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 296 situated at Hansapur village, Patan Taluka, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patan on 13-7-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kantilal Prabhudas Patel; Paten.

(Transferor)

(1) 1. Raienkumar Arvindkumar;2. Nalinkant Nandlal;Both staying at Patan,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Hansapur village as fully described in sale deed No. 1377 registered in the office of Sub-Registrar, Patan on 13-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8-3-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1544 Acq, 23-II/81-82.--Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 138 situated at Sugadh village, Gandhinagar, Taluka.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 7-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Thakar Fulaji Becharji himself and on behalf of his HUF.
 - 2. Bhikhaji Fakirji himself and on behalf of his HUF.

Babiben Fakirji;

- Santokha widow of Fakir Becharji All staying at village Bhat, Gandhinagar Taluka. (Transferors)
- (2) 1. Chowdhry Babalbhai Nathubhai;
 Village Chorada, Vijapur Taluka.
 2. Shankerlal Puniiram; village Madusan, Vijapur Taluka.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 138 at Sugadh village as fully described in sale deed No. 1364 registered in the office of Sub Registrar, Gandhinagar on 7-7-1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 8-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1545 Acq. 23-JI/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 35/2, 35/2, 36/1, 36/2 and 36|3 situated at Gagdi Pati, Patan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patan on 13-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) 1. Kevalbhai Prabhudas, Jogiwado, Patan.
 - Gandalal Mafatlal;
 - Kanaiyalal Mafatlal;
 Naranbhai Bechardas;
 - Amrutlal Bechardas;
 - 6. Ambaram Joitaram:

7. Shankerbhai Parshotham; from 2 to 7 pre-Staying at Jay Chawk, Patan.

(Transferors)

(2) 1. Hirabhai Babaldas, village Gaja, Patan Taluka.

2. Ambalal Babaldas.

3. Parshotham Keshavlal Madhukunj Society, Patan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Gagdi Pati as fully described in the sale deeds Nos. 1445, 1446, 1447, 1448 and 1449 registered in the office of Sub-Registrar, Patan on 13-7-81.

G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΛΧ ΛCT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1546 Acq 23-II/81-82.—Whereas, I O. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 1254, Block No. 1053 situated at Chhatral village.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kalol on 13-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Sayed Aqbar Ali Fajumiya; Village Chhatrai, Kalol Tuluka.

(Transferor)

- (2) 1. Patel Chhaganbhai Shambhudas Kundal village;
 2. Patel Sureshbhai Ambalal, Village Vamaj;
 3 Rabari Govindbhai Ramjibhai, Village Chhatral;
 4. Rabari Harijibhai Jesinghbhai; village Chhatral;
 All of Mehsana District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period are the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chhatral village as fully described in sale-deed No. 773 registered in the office of Sub-Registrar, Kalol on 13-7-1981.

G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8-3-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380,009, the 8th March 1982

Ref. No. PR No. 1547 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 981, 982, 984 and 985/1 FP. No. 69 situated at Kalol.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereta). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1 Bhaskarbhai Jaydevbhai Shukla;
 - Raghudev Mohanlal Shukla;
 Urmil Raghudevbhai Shukla;
 - 4. Jaydevbhai Mohanlal Shukla;
 - I and 4 at 7, Maharashtra Society, Ellisbridge, Ahmedabad 6, 2, and 3 at 2-A, Smesh Colony, Ni Nanavati Hospital, Vile Parle, Bombay-56.

(ransferois)

(2) Yogeshkumai Shivprasad Thakkar; Partner of M/s Krishna Corpn Pilaji Gunj, Mehsana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and as fully described in sale deeds Nos. R-801, R-789 and R-763 registered in the office of Sub-Registrar, Bombay ın July 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IT. Ahmedabad

Date: 8-3-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 6th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1548 Acq 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S No 537, Hissa No. 2-2 situated at Khavaj village Gandhinagar Taluka,

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi Gandhinagar on 28-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to better that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Khodabhai Nathubhai Rahari; Mahendi Kuva, Shahpur, Ahmedabad. (Transferor)
- Parmanand Mohanlal Talati; Kalyanbaug, N. Juna Dhoi Bazar, Ahmedabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at khavai village as fully described in sale deed 1487 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagai on 28-7-1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date · 8-3-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1549 Acq 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 175 situated at Gotri Road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Narendrabhai Desaibhai Patel and 9 others; Kothi Pole, Baroda.
 - (Transferor)
- (2) Desai, Apartments Coop. H. Socy, Ltd. Gotri Road, Baroda Through Hareshbhai Fulabhai Amin (President). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and plinth thereon as fully described in sale deed registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of July 1982.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8-3-1982

NOTICE UNDER \$1 (TION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, ILANDI.OOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 9th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1550 Acq. 23-II 81-82.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 1248, Block No. 926 situated at Chhatral village Ka¹ol Taluka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 14-7-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sayed Saidumiya Balumiya: Chhatral village, Kalol Taluka.

(Transferor)

(2) Sevali Pulp and Paper Mills (Pvt.) Ltd., Through Patel Govindbhai Narsinghbhai; Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as fully described in sale deed No. 798 registered in the office of Sub-Registrar, Kalol on 14-7-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-3-1982

FORM I.T.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1982

Ref. No ASR/81-82/408.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One house in Kot Baba Deep Singh situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908), in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar in July 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other- assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Niranjan Silgii s/o Thakur Singh r/o Guru Ram Dass Nagar Amri sar,

Transferor

- (2) Sh. Gurnam Singh 8/o Tara Singh r/o House No. 3752/old 8508 Guli No. 1, Kot Baba Deep Singh Amritsur.
 - (Transferee)
- (3) As at Si. No 2 and tenants(s) it any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be intrested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated in Kot Baba Deep Singh Amutsar as mentioned in the sale deed No. 9801/dated 21-7-81 of the registering authority Amritsai.

ANAND SINGH (I.R.S.)
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsat.

Dated: 9-3-82

ScaJ: